@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 336 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन

• हुल-प्रियंका ने राजघाट पर बापू को श्रद्धांजलि दी

खड़गे बोले- सरकार वोट देने का अधिकार छीन रही

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और स्थ्ढ्ढक्र के विरोध में विपक्ष ने दिल्ली में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन किया। राहुल-प्रियंका गांधी और INDIA ब्लॉक के सांसदों ने पहले कनॉट प्लेस में लंच किया, फिर बसों से राजघाट पहुंचे। प्रदर्शन को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यववस्था की गई थी। राजघाट पर करीब एक घंटे इंतजार के बाद उन्हें अंदर जाने दिया। यहां सांसदों ने बापू को श्रद्धांजलि दी।

इससे पहले खड़गे ने कहा था कि वे गांधीजी से प्रार्थना करेंगे कि सरकार को सद्बुद्धि दे। वह लोगों का वोट देने का अधिकार न छीने। दिल्ली में पिछले दो दिनों से धरने का एक ही पैटर्न दिखा। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे विपक्षी सांसदों को लंच पर बुलाते हैं,

सांसद खाना खाते हैं, फिर बसों में बैठकर निकल जाते हैं। फर्क इतना है कि मंजिल जंतर-मंतर थी और गुरुवार को राजघाट। इससे पहले विपक्ष ने संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाला था।

आज फिर प्रदर्शन कर सकता है विपक्ष

सुबह 10 बजे राष्ट्रपति से मुलाकात: मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा और SIR और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर INDIA ब्लॉक का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात करेगा। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने की खबर है। ऐसी भी खबर है कि विपक्ष शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी प्रदर्शन कर सकता है।

10 अक्टूबर को CJP का प्रदर्शन: कॉकरोच जनता पार्टी ने ऐलान किया है कि वह 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने 7 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस को प्रदर्शन की सूचना दी थी, लेकिन पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी है। इसके बावजूद संगठन ने प्रदर्शन करने की बात कही है।

दिल्ली में अगले 2 दिन शराब दुकानें बंद रखने का आदेश

दिल्ली सरकार ने आदेश जारी किया है कि मौजूदा हालात को देखते हुए दिल्ली में शराब की दुकानें 9-10 अक्टूबर को बंद रहेंगी।

बीजेपी महिला मोर्चा का कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन

दिल्ली बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने मध्य दिल्ली के डीडीयू मार्ग स्थित कांग्रेस मुख्यालय के पास प्रदर्शन किया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ 'दुर्व्यवहार' करने का आरोप लगाया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को ITO चौराहे से कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगा रहे थे।

एअर इंडिया की इंटरनेशनल उड़ानें 17 हजार तक महंगी

• घरेलू उड़ानों पर भी ज्यादा चार्ज • वजह महंगा ईंधन

एजेंसी

नई दिल्ली। एअर इंडिया की फ्लाइट में कल से सफर करना महंगा हो जाएगा। इंडिगो के बाद एयरलाइन ने भी घरेलू उड़ानों में 1200 रुपए तक और इंटरनेशनल उड़ानों में 17,800 रुपए तक एक्स्ट्रा फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है।

नए फ्यूल चार्ज एयर इंडिया एक्सप्रेस पर भी लागू होंगे, क्योंकि दोनों टाटा ग्रुप की एयरलाइन हैं। नई कीमतें 9 अक्टूबर रात 12:01 बजे से लागू होंगी। एयरलाइन ने यह फैसला एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) यानी जेट फ्यूल महंगा होने की वजह से लिया है। एअर इंडिया ने 7 महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 10 मार्च और फिर 7 अप्रैल को किराया बढ़ाया था।

जेट फ्यूल 1 अक्टूबर से 16 रुपये महंगा हुआ

1 अक्टूबर से घरेलू एयरलाइंस के लिए कीमत 121 रुपये बढ़कर अब 137 रुपये हो गई है। यानी 1 लीटर ATF की कीमत 16 रुपए (करीब 13.2फीसदी) बढ़ गई है।

तीन महीने में जेट फ्यूल 27.28 रुपये महंगा

अगस्त 2026: रुपये 5/लीटर

सितंबर 2026: रुपये 6.28/लीटर

अक्टूबर 2026: रुपये 16/लीटर

इंडिगो के अनुसार, पिछले एक ही महीने में जेट फ्यूल के दाम 14फीसदी से ज्यादा बढ़ चुके हैं। इसके चलते प्लेन में डलने वाला तेल अब पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा महंगा हो गया है।

एयरलाइंस के लिए सबसे बड़ा खर्च होता है जेट-फ्यूल

एयरलाइंस के लिए जेट-फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। कुल ऑपरेटिंग खर्च में इसकी हिस्सेदारी 30फीसदी से 40फीसदी होती है।

इंडिगो ने 2 दिन पहले बढ़ाया था किराया

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी जेट फ्यूल महंगा होने की वजह से दो दिन पहले यानी 6 अक्टूबर 2026 से किराया महंगा किया था।

इंडिगो ने 6 महीने में तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराया बढ़ाया था।

सुपर-डुपर अल नीनो से पूरी धरती लाल

• 76 साल में सबसे ज्यादा गर्म समुद्र

• बाढ़-सूखा और बीमारियों का खतरा, 4.5 लाख मौतों की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4एष्ट ज्यादा हो गया है। यह 1950 के बाद का सबसे खतरनाक अल नीनो बताया जा रहा है। मौसम विशेषज्ञ इसे 'सुपर-डुपर अल नीनो' कह रहे हैं। इससे दुनिया के कई हिस्सों में ज्यादा गर्मी, सूखा या भारी बारिश हो सकती है।

शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस अल नीनो से जून 2026 से फरवरी 2027 के बीच दुनियाभर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं। मौसम विज्ञानी रयान माउ ने पूरी दुनिया का एक जलवायु नक्शा सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें धरती का बड़ा हिस्सा लाल रंग में दिखाई दे रहा है। मौसम विज्ञानी रयान माउ ने पूरी दुनिया का एक जलवायु नक्शा सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसमें धरती का बड़ा हिस्सा लाल रंग में दिखाई दे रहा है।

दिसंबर में पीक पर रहेगा अल नीनो

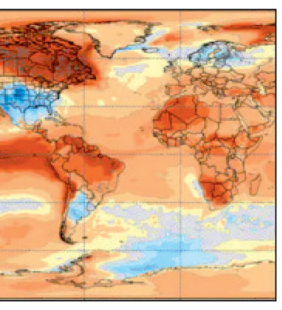

इस साल अल नीनो दिसंबर में अपने चरम पर पहुंच सकता है। इसके असर से आने वाले महीनों में दुनिया के बड़े हिस्से में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने की आशंका है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने बारिश का पैटर्न बदलने से कई इलाकों में सूखा और बाढ़ का खतरा बढ़ने की चेतावनी दी है।

WMO के मुताबिक, अक्टूबर से दिसंबर के बीच इसका असर उत्तरी गोलार्ध में 2027 के वसंत तक बना रह सकता है।

संगठन ने फरवरी 2027 तक इसके जारी रहने की करीब 100फीसदी संभावना जताई है। ज्यादा गर्मी से हीट स्ट्रोक और दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं बारिश का पैटर्न बिगड़ने से कहीं पानी की कमी तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।

अल नीनो से भारत में कम बारिश, सूखे का खतरा

अल नीनो का असर भारत में भी दिखाई दे रहा है। 2026 का दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से 13फीसदी कम बारिश के साथ खत्म हुआ। यह 2001 के बाद भारत का चौथा सबसे सूखा मानसून रहा। मानसून के दूसरे हिस्से में अल नीनो का असर भी देखा गया। अल नीनो से तापमान बढ़ने का असर यूरोप में भी दिखा। फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन में इस साल कई जगह रिकॉर्ड गर्मी पड़ी। कम बारिश से डेन्यूब, राइन और टेम्स जैसी प्रमुख नदियों का जलस्तर भी काफी नीचे चला गया।

सुकमा में आईईडी डिफ्यूज करते वक्त ब्लास्ट, चार जवान घायल

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षा बलों को सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद आईईडी को निष्क्रिय करना भारी पड़ गया। एलाड़मड़गु कैंप के नजदीक आईईडी डिफ्यूज करने की प्रक्रिया के दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। हादसे में सीआरपीएफ के चार जवान घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों की टीम इलाके में अभियान चला रही थी। इसी दौरान जवानों की नजर संदिग्ध विस्फोटक उपकरण पर पड़ी। मौके पर पहुंची एटीटी टीम ने आईईडी को निष्क्रिय करने की कार्रवाई शुरू की, लेकिन डिफ्यूज करने के दौरान ही विस्फोट हो गया। ब्लास्ट में एटीटी टीम के एएसआई एमके तिवारी और सीआरपीएफ की 50वीं वाहिनी के एएसआई अनीश खान को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं निरीक्षक अमरनाथ मिश्रा और प्रधान आरक्षक कुलदीप राज को सामान्य चोटें बताई जा रही हैं।

एमडीआर लागू करने की तारीख बढ़ा सकती है केंद्र सरकार

• 15 अक्तूबर की जगह इस दिन से हो सकता है बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई से जुड़े लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने की तारीख आगे बढ़ सकती है। मौजूदा समय में इसके 15 अक्तूबर से लागू होने की बात है, लेकिन अब सरकार इसे आगे बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। खबर के मुताबिक, एमडीआर लागू करने की समयसीमा को 15 अक्तूबर से बढ़ाकर 1 जनवरी करने का प्रस्ताव सामने आया है। इस पर अगले कुछ दिनों में फैसला होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक तारीख बढ़ाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

यूपीआई एमडीआर पर जीएसटी घटने की तैयारी?

इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने यूपीआई मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर जीएसटी को मौजूदा 18 प्रतिशत

से घटाकर 5 प्रतिशत करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया। ज्यादातर राज्यों ने यूपीआई एमडीआर पर 18 प्रतिशत जीएसटी को लेकर चिंता जताई। नए यूपीआई एमडीआर फ्रेमवर्क के तहत ज्यादा वैल्यू वाले मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर चार्ज लगाने की योजना है। जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत करने का प्रस्ताव भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए एक अहम समय पर आया है। नए यूपीआई फ्रेमवर्क में, कुछ शर्तों और छूट के साथ, 2,000 रुपए से ज्यादा के खास 'पर्सन-टू-मर्चेंट' ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत का एमडीआर तय किया गया है। सरकार के मुताबिक, 'पर्सन-टू-मर्चेंट' यूपीआई ट्रांजैक्शन में से लगभग 96 प्रतिशत पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

क्या होता है MDR ?

मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर वह शुल्क है, जो डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले कारोबारियों से लेनदेन की प्रक्रिया के लिए लिया जाता है। यूपीआई से जुड़े एमडीआर में बदलाव का असर भुगतान कंपनियों और डिजिटल पेमेंट से जुड़े कारोबार पर पड़ सकता है।

पेटीएम समेत फिनटेक कंपनियों के शेयर गिरे

यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने की समयसीमा 15 अक्तूबर से बढ़ाकर एक जनवरी करने के प्रस्ताव पर विचार किए जाने की खबरों के बीच पेटीएम और वन मोबिक्विक सिस्टम्स समेत अन्य वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के शेयर गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली वन97 कम्युनिकेशंस का शेयर बीएसई पर कारोबार के दौरान 10 प्रतिशत तक गिरकर 1,560.60 रुपये पर आ गया।

सऊदी अरब:भारतीयों के लिए दूतावास ने जारी की एडवायजरी

• टोल फ्री नंबर भी किया जारी • लोगों से क्या अपील की?

एजेंसी

नई दिल्ली सऊदी अरब के भीतर रहने वाले भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को लेकर रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने एक बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। खाड़ी देश में मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए दूतावास ने सभी भारतीयों को बेहद सतर्क रहने के निर्देश जारी किए हैं। विदेश में रह रहे नागरिकों की सुरक्षा भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। ऐसे में दूतावास की तरफ से आया यह आधिकारिक बयान सीधे तौर पर वहां काम कर रहे और रह रहे लाखों भारतीयों को सचेत करने के लिए है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना या कानूनी मुश्किल से वे खुद को पूरी तरह सुरक्षित रख सकें। रियाद स्थित भारतीय दूतावास द्वारा 8 अक्तूबर 2026 को जारी की गई आधिकारिक एडवाइजरी में स्पष्ट कहा गया है कि सऊदी अरब में मौजूद सभी भारतीय नागरिक मौजूदा हालात को देखते हुए चौकन्ने और पूरी तरह सतर्क रहें। जरूरत पड़ने पर वे अपने घरों के भीतर ही रहें और स्थानीय प्रशासन द्वारा आधिकारिक माध्यमों से दिए जा रहे सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

भारतीय नागरिक किसी भी समय टोल फ्री नंबर 8002471234 पर कॉल करके सीधे सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

दूतावास ने खास तौर पर जोर देकर कहा है कि वहां चल रहे घटनाक्रम से जुड़े किसी भी वीडियो या खबर को सोशल मीडिया पर शेयर, रीपोस्ट या प्रसारित करने से पूरी तरह बचें, क्योंकि इससे कानून-व्यवस्था से जुड़ी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और होटलों में वैध फायर एन0ओ0सी0 सुनिश्चित करने के निर्देश

कौमी पत्रिका

लखनऊ, 8 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां लोक भवन में स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की 8वीं बैठक में प्रदेश में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। इसमें विभिन्न विकास परियोजनाओं, औद्योगिक निवेश, ऊर्जा, कौशल विकास, श्रमिक कल्याण और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित बड़ी परियोजनाओं को केवल प्रक्रियाओं तक सीमित न रखा जाए, उन्हें समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारा जाए। अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी या फील्ड में तैनात अधिकारी औद्योगिक और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ तेजी से पूर्ण कराएं। भूमि अधिग्रहण, स्वीकृति, निविदा और अन्तर्विभागीय समन्वय से जु?ी बाधाओं का तत्काल समाधान किया जाए। एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की समीक्षा के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 04 निविदाएं प्राप्त हो चुकी हैं और अक्टूबर में निविदा प्रक्रिया पूरी कर

ली जाएगी। फर्रुखाबाद, आगरा-लखनऊ-पूर्वान्चल लिंक, झांसी और जेवर लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 80 से 91 प्रतिशत तक भूमि उपलब्ध हो चुकी है। मेरठ-हरिद्वार, विंध्य और विंध्य-पूर्वान्चल स्पर एक्सप्रेस-वे के लिए सत्यापन कार्य पूरा हो चुका है और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे ब?ायी जा रही है। मुख्यमंत्री जी ने सम्बन्धित जिलाधिकारियों से अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए शेष भूमि सम्बन्धी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में ग्रेटर नोएडा के मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब की भी समीक्षा हुई। यहां 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा प्राप्त हो चुका है। मुख्यमंत्री जी ने औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक परियोजनाओं में आवश्यक प्रक्रियाओं को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए।

शेष पृष्ठ 3 पर

कैंसर की दवाएं होंगी सस्ती, मरीजों पर कम होगा आर्थिक बोझ

एजेंसी

नई दिल्ली। कैंसर के मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। सरकार ने कुछ कैंसर रोधी दवाओं पर दुकानदारों और वितरकों के मुनाफे की सीमा तय करने का फैसला किया है। अब इन दवाओं पर ट्रेड मार्जिन अधिकतम 30 प्रतिशत तक ही रखा जा सकेगा। यह नियम ब्रांडेड और जेनेरिक, देश में बनी और विदेश से आयातित दवाओं पर लागू होगा। सूत्रों के अनुसार इस फैसले से कुछ कैंसर की दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत यानी एमआरपी में 70 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। सरकार का अनुमान है कि इस फैसले से कैंसर मरीजों और उनके परिवारों को इलाज के खर्च में बड़ी राहत मिलेगी।

सीजेपी प्रवक्ता के उकसावे के प्रयास को शशि थरूर ने चतुराई से किया विफल

–सौरव ने पीएम मोदी के खिलाफ एक पुराने बयान को दोहराने की कोशिश की थी

नई दिल्ली , एजेंसी।
कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास द्वारा उकसावे के प्रयास को विफल कर दिया है। सौरव दास ने पीएम मोदी के खिलाफ शशि थरूर के एक पुराने और विवादास्पद बयान को दोहराने की कोशिश की थी, लेकिन थरूर ने खुद को विवाद से दूर रखा। यह घटना तब हुई जब पीएम मोदी ने अपने निर्बाध 25 साल पूरे होने के अवसर पर नई दिल्ली स्थित श्री विनायक मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की।

सौरव दास ने पीएम मोदी के शिवलिंग पर जल चढ़ाते और प्रार्थना करते हुए वीडियो को एक्स पर साझा किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने शशि थरूर की शब्दावली की तर्ज पर क्लिष्ट और भारी-भरकम अंग्रेजी का इस्तेमाल करते हुए लिखा- मैं इसे देखकर डॉ. थरूर की एक जबरदस्त टिप्पणी की याद में खो गया। सर, क्या आपकी वाक्पटुता पर बिना कोई अनुचित दबाव डाले, उस अनिर्वचनीय और आनंददायक टिप्पणी को दोहराने का आग्रह किया जा सकता है?

सौरव दास का इशारा थरूर के साल 2018 के उस चर्चित बयान की ओर था, जिसे लेकर उन पर आपराधिक मानहानि का मुकदमा भी दर्ज हुआ था। सांसद शशि थरूर ने सौरव दास के इस उकसावे वाले ट्वीट का जवाब बेहद सादगी और चतुराई से दिया। उन्होंने सीधे किसी भी पुराने बयान का जिक्र करने से इनकार कर दिया और लिखा- अगर मुझे जरा सा भी अंदाजा होता कि आप किस ओर इशारा कर रहे हैं, तो मुझे बिल्कुल ऐतराज नहीं होता! कृपया मेरा मार्गदर्शन करें। थरूर के इस एक वाक्य के जवाब ने सीजेपी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस उकसावे को हवा नहीं मिलने दी।

बता दें कांग्रेस नेता शशि थरूर ने साल 2018 में आरएसएस के एक कार्यकर्ता का हवाला देते हुए कहा था कि मोदी शिवलिंग पर बैठे उस बिच्छू की तरह हैं, जिसे न तो हाथ से हटाया जा सकता है और न ही चप्पल से मारा जा सकता है। इस टिप्पणी पर बीजेपी नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई थी और इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में खूब हंगामा हुआ था। उस समय थरूर पर आपराधिक मानहानि का मामला भी दर्ज किया गया था। इस बार थरूर ने अपने जवाब से न केवल अपनी बुद्धि का प्रदर्शन किया, बल्कि अनावश्यक विवाद से भी खुद को बचा लिया।

वोटर लिस्ट से काटे गए वोटरों के नाम जुड़ने तक जारी रहेगी लड़ाई

-कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का दावा- जिन लोगों के वोटिंग अधिकार छीने गए, उन्हें वापस लाना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने गुरुवार को चुनाव आयोग के खिलाफ पार्टी के अभियान को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट से हटाए गए 13 करोड़ नाम वापस जोड़े जाने तक यह लड़ाई जारी रहेगी। मसूद ने चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन लोगों के नाम कथित तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठिया बताकर हटाए गए हैं, उनकी संख्या बांग्लादेश की आबादी से भी अधिक है। सांसद मसूद ने कहा कि जब तक यह कथित लूट बंद नहीं होती और जिन 13 करोड़ लोगों के मतदान अधिकार छीने गए हैं, उन्हें वापस नहीं किया जाता, तब तक विपक्ष का संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने के बाद लोकतंत्र का क्या अर्थ रह जाता है।

सरकार बैकफुट पर घबराई हुई: उज्जवल रमन

इस बीच कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमन सिंह ने विपक्षी सांसदों के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों, जिनमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी शामिल थे, को निर्धारित विरोध स्थल तक जाने से रोका गया और पुलिस ने उन्हें वहां से हटा दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार बैकफुट पर और घबराई हुई है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करने वालों को जंतर–मंतर तक जाने की अनुमति नहीं दी जा रही और पुलिस बल का इस्तेमाल कर उन्हें वाहनों में बैठाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकसभा में विपक्ष के नेता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए क्रिकेट के अंपायर का उदाहरण दिया।

यूपी में नकली और पुराने नोटों के नेटवर्क का भंडाफोड़, 1.43 करोड़ के बंद नोट बरामद, नेटवर्क तलाश रही पुलिस

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जाली करेंसी और पुराने, बंद हो चुके नोटों के बड़े पैमाने पर नेटवर्क का खुलासा हुआ है। हाल ही में जहां एक ओर बैंकों में 17 करोड़ से अधिक के नकली नोटों की जांच चल रही है, वहीं अब हापुड़ में 1.43 करोड़ रुपये मूल्य के पुराने, बंद हो चुके नोट बरामद किए गए हैं। हापुड़ देहात पुलिस ने यह बड़ी सफलता ततारपुर चौकी क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हासिल की, जब चेकिंग अभियान के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया। पुलिस के रोकने पर युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे धर दबोचा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से भारी मात्रा में बंद हो चुके पुराने नोटों के बंडल बरामद हुए, जिनकी कुल धनराशि करीब 1.43 करोड़ रुपये आंकी गई है।

हिंदी कवर वाली दवाओं के वितरण पर रोक

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कोयंबटूर और करूर के सरकारी अस्पतालों में दवाएं रखने वाले तीन भाषाओं में छपे कवर का वितरण रोक दिया गया है। इन पर दवा की खुराक संबंधी जानकारी तमिल, अंग्रेजी और हिंदी में छपी थी। द्रमुक नेता टीआरबी राजा ने आरोप लगाया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में भी तीन भाषा नीति लागू की जा रही है। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि इनका इस्तेमाल 18 महीने से हो रहा है। पिछली सरकार के कार्यकाल में भी इनका उपयोग हुआ था। राज्य में हिंदी विरोध का इतिहास आजादी से पहले का है। 1937 में स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने के खिलाफ पेरियार के नेतृत्व में आंदोलन हुआ था। 1965 में विरोध–प्रदर्शन में 60 से अधिक की मौत हुई। इसके बाद तमिलनाडु ने तमिल और अंग्रेजी की दो–भाषा नीति अपनाई और केंद्र की तीन–भाषा नीति का लगातार विरोध करता रहा।

कनॉट प्लेस में कश्मीरी युवक से मारपीट, भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के प्रदर्शन के बीच दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक युवक के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थक होने का दावा करने वाले कश्मीरी युवक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप था कि युवक लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ अपशब्द कह रहा था। मारपीट का शिकार हुए युवक ने कहा कि उसने केवल यह सवाल उठाया था कि जब विपक्ष चुनाव जीतता है तो उसे ईवीएम से परेशानी क्यों नहीं होती। उसने ईवीएम के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाया और कहा कि वह कश्मीर का रहने वाला है तथा उसने राहुल गांधी को गाली नहीं दी। युवक ने कहा कि वह देश का नागरिक है और भारत को दूसरा नेपाल नहीं बनने देगा। इस मामले को लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जिस राजनीतिक मॉडल को देशभर में आगे बढ़ाना चाहते हैं, उसकी तस्वीर कनॉट प्लेस की घटना से सामने आ गई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक कश्मीरी मुस्लिम युवक को बुरी तरह पीटा। यादव ने सवाल उठाया कि यदि राजधानी में राजनीतिक विरोध के दौरान मारपीट होती है तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जा सकता है। उन्होंने कांग्रेस पर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करने के बावजूद उनके विपरीत आचरण करने का आरोप लगाया। घटना ऐसे समय हुई जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता कनॉट प्लेस में लंच मीटिंग के लिए जुट रहे थे।

नोएडा बस गैंगरेप मामले में चालक और खलासी पर आरोप तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नोएडा बस गैंगरेप मामले में आरोपी बस चालक और खलासी के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने और सामूहिक दुष्कर्म समेत गंभीर धाराओं में आरोप तय कर दिए हैं। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) सोनम गुप्ता ने दिल्ली पुलिस की ओर से करीब 400 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किए जाने के एक सप्ताह बाद यह आदेश दिया। अदालत ने आरोपियों की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें पुलिस पर मीडिया दबाव में सबूत गढ़ने का आरोप लगाया गया था। अदालत ने कहा कि साक्ष्यों की विस्तृत जांच सुनवाई के दौरान की जाएगी। आरोपीद्वय कुलदीप और संदीप पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपहरण, गलत तरीके से बंधक बनाने, विवाह या यौन संबंध के उद्देश्य से अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के आरोप लगाए गए हैं। दोनों पर पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत गंभीर यौन अपराध का आरोप भी है। विशेष लोक अभियोजक निम्मी सिसोदिया ने सुनवाई के दौरान कहा कि पीड़िता और अन्य गवाहों के बयान प्रथम दृष्टया अभियोजन के मामले का समर्थन करते हैं। अभियोजन के अनुसार, 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा चार अगस्त की रात मैनपुरी से नोएडा अपने रिश्तेदार से मिलने जा रही थी। भारी बारिश के दौरान वह गलत जगह उतर गई और उसने एक स्लीपर बस को रुकने का इशारा किया। खलासी ने कथित तौर पर उसे बताया कि बस नोएडा सेक्टर–63 जा रही है। पुलिस के अनुसार बस ग्रेटर नोएडा की एक वर्कशॉप से मरम्मत के बाद लौट रही थी और उस समय खाली थी।

ओडिशा में बंद से जनजीवन हुआ प्रभावित, नर्सों और आम लोगों को हुई परेशानी

-लोगों ने कहा- सरकार के खिलाफ करें प्रदर्शन लेकिन जनता को न हो परेशानी

भुवनेश्वर, एजेंसी।
ओडिशा में कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन की ओर से बुलाए गए बंद के दौरान कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रदर्शन और रास्ते बाधित होने के कारण नर्सों, अस्पताल कर्मचारियों और आम लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ नाराज लोगों का कहना था कि सरकार और जिम्मेदार नेतृत्व के खिलाफ प्रदर्शन जरुर होना चाहिए, लेकिन आमजन को परेशानी न हो इसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। आंदोलन से प्रभावित लोगों का कहना है कि सरकार के फैसलों के प्रभाव को समझना जरूरी है और यदि किसी मुद्दे पर विरोध किया जा रहा है तो उसका उद्देश्य आम लोगों को परेशान करना नहीं होना चाहिए। जबकि एक नर्स ने कहा, प्रदर्शन के कारण उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलकर अस्पताल पहुंचना पड़ा। दरअसल विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, संशोधित एमएमडीआर अधिनियम को रद्द करने, पाठ्यपुस्तकों में कथित गलतियों पर कार्रवाई, शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे और बाढ़ प्रभावित लोगों को मुआवजा देने समेत विभिन्न मांगों को लेकर बंद का आह्वान किया था। सीपीएम के ओडिशा महासचिव सुरेश पाणिग्रही ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन ने बंद को सफल बनाने के लिए पिछले 10 दिनों से प्रचार किया था।

राहुल और दीपके के आंदोलनों में बढ़ी खींचतान

चुनाव आयोग पर आरोपों का नया दौर

नई दिल्ली, एजेंसी।
हाल के वर्षों में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी के आरोप लगाते रहे हैं। उनके इन आरोपों को उस समय और बल मिला जब एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति का दावा किया गया। हालांकि, चुनाव आयोग ने बिना देरी किए इन आरोपों का खंडन किया, लेकिन नीट पेपर लीक आंदोलन से सुर्खियों में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मुद्दे को तुरंत भुनाने की कोशिश की। तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से उत्साहित अभिजीत दीपके ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर दी और तत्काल आंदोलन का ऐलान कर दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी और कांग्रेस के मुद्दे भले ही एक जैसे हों, लेकिन दोनों ही दल एक-दूसरे का खुलकर साथ देने से कतरा रहे हैं। अभिजीत दीपके जब जंतर-मंतर

पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, तब भी राहुल गांधी वहां नहीं पहुंचे थे। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना देकर विपक्षी दलों को भी चौंका दिया था। ऐसा कहा जाता है कि कांग्रेस के इस कार्यक्रम की चर्चा बाकी विपक्षी दलों से नहीं की गई थी। बाद में उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का श्रेय लेने की भी कोशिश की, हालांकि कई विपक्षी दल इसे कॉकरोच जनता पार्टी और अभिजीत दीपके की ही जीत मानते हैं। कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के इस मामले पर कोई भी चूक करना नहीं चाहती है, क्योंकि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ तमाम विपक्षी दल 2014 में केंद्र में भाजपा के आने के बाद से लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते आ रहे हैं। उनका दावा है कि ईवीएम के जरिए वोटों की हेराफेरी की जाती है। हालांकि, चुनाव आयोग इन आरोपों को लगातार झुठलाता रहा है। अब जब ज्ञानेश कुमार के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, तो कांग्रेस अपने उन पुराने आरोपों के दम पर इस आंदोलन को अपने हाथ से नहीं निकलने देना चाहती है।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के खिलाफ बेहद आक्रामक रुख अपना लिया है। उन्होंने लगातार दो दिनों तक इस मुद्दे पर आंदोलन किया और जंतर-मंतर जाने की कोशिश की। दोनों को उससे पहले ही हिरासत में ले लिया गया और बाद में छोड़ दिया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने इस मामले में विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक दलों को भी चौंका दिया है। बुधवार को जब दोनों आकाशवाणी परिसर में एक पेड़ के नीचे बैठ गए, तो उनके साथ किसी दूसरे दल के नेता नहीं दिखे। कहा गया कि किसी को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। एक विपक्षी नेता ने तो नाम नहीं छापने की शर्त पर कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को भाई-बहन का शो बनाना चाहती है। दूसरी ओर, ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर अभिजीत दीपके फिलहाल पिछड़ते नजर आ रहे हैं।

भारत में नेपाल-बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाना चाहती है कांग्रेस

-भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी का आरोप- राहुल सत्ता में आने के लिए बेताब

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के विरोध प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सड़क पर प्रदर्शन के जरिए भारत में नेपाल और बांग्लादेश जैसी अराजकता फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सत्ता में आने के लिए बेताब हैं और विरोध प्रदर्शन के जरिए देश में अशांति पैदा करना चाहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता भंडारी ने बुधवार के प्रदर्शन से जुड़े कुछ वीडियो फुटेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। उन्होंने दावा किया कि एक वीडियो में कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिसकर्मी को धक्का देते और लात मारते दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो के आधार पर उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी राहुल गांधी से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील कर रहे थे, लेकिन राहुल ने पुलिसकर्मी को धक्का दिया। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पुलिस के साथ टकराव का वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने एक अन्य वीडियो का हवाला देते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा पर भी पुलिसकर्मियों को धक्का देने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

भंडारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग से जुड़ा मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और सड़क पर किए जा रहे प्रदर्शन का न्यायिक प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी विरोध प्रदर्शन के जरिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर दबाव डालने और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ अंतर्राष्ट्रीय ताकतें राहुल गांधी के साथ मिलकर भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। भंडारी ने कहा कि भारत का लोकतंत्र मजबूत और सुरक्षित है। उन्होंने राहुल गांधी के राजनीतिक उद्देश्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनका मकसद लोकतंत्र नहीं बल्कि परिवार को फिर से सत्ता में लाना है।

आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची से हटाए गए 46 लाख नाम

अब घर–घर जाकर होगा सत्यापन

हैदराबाद, एजेंसी।
एनडीए शासित राज्य आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आयोग गुरुवार, 8 अक्टूबर से राज्य में एक विशेष अभियान शुरू करेगा। इस अभियान के तहत, ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए 46.62 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम और उनकी वर्तमान स्थिति का दोबारा सत्यापन घर-घर जाकर किया जाएगा। आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विवेक यादव ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और सभी योग्य नागरिकों को उनके मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, बूथ लेवल अधिकारी अपने-अपने मतदान केंद्रों से संबंधित 46,62,583 हटाए गए मतदाताओं की सूची लेकर घर-घर जाएंगे और उनकी वास्तविक स्थिति का दोबारा सत्यापन करेंगे। यह विस्तृत जांच इसलिए की जा रही है क्योंकि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 15 जून से 24 जुलाई के बीच हुई गणना के बाद 44.8 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। अधिकारियों को ये लोग उनके दर्ज पते पर नहीं मिले थे। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि सत्यापन के दौरान यह सामने आता है कि किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हटा दिया गया है, तो उसे फॉर्म-6 भरने में पूरी मदद की जाएगी। जरूरी सत्यापन के बाद उसका नाम निरंतर अपडेट प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। विवेक यादव ने जोर देकर कहा कि आयोग का उद्देश्य पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करना और अपात्र नामों को बाहर रखना है। ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद नोटिस प्रक्रिया के दौरान 6 अक्टूबर तक 1.73 लाख और मतदाता ऐसे पाए गए, जो अंतिम मतदाता सूची में शामिल होने के लिए पात्र नहीं थे। इन नामों को भी हटाया जाएगा। आंध्र प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची 16 अक्टूबर को प्रकाशित की जानी है। इससे पहले, बीएलओ की घर-घर जाकर की गई गणना के बाद मृत, दूसरी जगह जा चुके और एक से अधिक जगह दर्ज मतदाताओं के नाम हटाए गए थे, जिसके बाद 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी। इस ड्राफ्ट सूची में राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 3.7 करोड़ से अधिक थी। एसआईआर 2026 के तहत अंतिम मतदाता सूची 16 अक्टूबर को जारी की जाएगी। वहीं, वार्षिक संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए अगले वर्ष की 1 जनवरी को क्वालिफाइंग तारीख माना जाता है। 16 अक्टूबर को जारी होने वाली अंतिम सूची में अगर किसी पात्र मतदाता का नाम छूट जाता है, या बाद की किसी क्वालिफाइंग तारीख पर कोई व्यक्ति मतदाता बनने के योग्य होता है, तो वह निरंतर अपडेट प्रक्रिया के दौरान फॉर्म-6 जमा कर सकता है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का ओआईसी पर तीखा प्रहार: पीड़ित-दोषी में फर्क समझें

नई दिल्ली, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र में भारत ने इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में भारत की आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयों पर की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज किया, यह कहकर कि यह समूह पीड़ित और दोषी के बीच फर्क करने में असमर्थ है। पश्चिम त्रिपुरा से लोकसभा सदस्य बिप्लब कुमार देब ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के उन्मूलन के उपाय विषय पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य देकर ओआईसी को कड़ी नसीहत दी।

लोकसभा सदस्य देब ने जम्मू-कश्मीर के उल्लेख पर कड़ी आपत्ति जताकर स्पष्ट

किया कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों के खिलाफ भारत की कार्रवाई उन्हीं स्थानों से निर्देशित और योजनाबद्ध हमलों का जवाब थी। ओआईसी पर तथ्यों और कल्पनाओं के बीच अंतर न कर पाने का आरोप लगाकर उन्होंने कहा कि भारत को सीमा पार आतंकवाद से अपने लोगों की रक्षा का पूरा अधिकार है। उन्होंने ओआईसी द्वारा जम्मू-कश्मीर के अनुचित उल्लेख की आलोचना कर पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले रावलकोट पर ध्यान देने की सलाह दी, जहाँ अंधाधुंध हत्याएं और मानवाधिकारों का हनन स्पष्ट है। ओआईसी ने अपने बयान में दक्षिण एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने और पाकिस्तान में अनुचित हमलों का जिक्र किया, पर भारत का नाम नहीं लिया। भारत ने पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया था। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए जघन्य आतंकवादी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे, का सीधा जवाब थी। हमला पाकिस्तान स्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट ने किया था। देब ने भारत के कड़वे अनुभव को साझा कर कहा कि आतंकवाद एक लगातार और रोजमर्रा की वास्तविकता है। उन्होंने जोर दिया कि इसका हर रूप मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरा है, जो शांति, प्रगति और मानवाधिकारों को प्रभावित करता है। स्पष्ट किया कि अच्छे-बुरे आतंकवाद में कोई फर्क नहीं, और प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी को दोहराया कि एक व्यक्ति की जान जाना भी बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने आतंकवादी संगठनों द्वारा भर्ती, कट्टरता और हमलों की योजना बनाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के तेजी से इस्तेमाल पर चिंता जताई। वैश्विक आतंकवाद-रोधी प्रयासों की प्रमुख कमी के तौर पर 1996 में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन (सीसीआईटी) के लागू न होने का उल्लेख किया। देब ने दोहराया कि सीसीआईटी को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने से कानूनी ढांचा मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री योगी ने अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और होटलों में वैध फायर एन0ओ0सी0 सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रथम पृष्ठ का शेष

महिला श्रम सहभागिता बढ़ाने के लिए कामकाजी महिला छात्रावासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने इनके निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावासों के निर्माण के साथ ही उनके प्रभावी संचालन के लिए भी अच्छी और उपयोगी नीति तैयार की जाए। जीरो पॉवर्टी अभियान की समीक्षा के सम्बन्ध में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि चिन्हित 12.50 लाख परिवारों में से करीब 09 लाख परिवार आवास के पात्र पाए गए हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 30,725 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। अभियान के तहत पात्र परिवारों को श्रमिक पंजीकरण, आयुष्मान कार्ड, अन्त्योदय कार्ड, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार से जो ?ने का कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अभियान में केवल पात्र परिवारों का चिन्हांकन पर्याप्त नहीं है, प्रत्येक पात्र परिवार को सम्बन्धित योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने मण्डियों में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मण्डियों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो, जलभराव की स्थिति न बने और किसानों को अपनी उपज के साथ किसी प्रकार की असुविधा न हो। मण्डी परिसरों की नियमित निगरानी और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। हाल के दिनों में कई क्षेत्रों में हुई अतिवृष्टि को देखते हुए मुख्यमंत्री ने बिजली आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां कहीं भी बिजली आपूर्ति बाधित है, उसे शीघ्र बहाल किया जाए। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए टोल फ्री नम्बर 24×7 सक्रिय रखा जाए। सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक उपभोक्ता को सही और समय पर बिजली बिल उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री जी ने बिजली चोरी और लाइन लॉस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए फीडरवार ऑडिट कर वास्तविक स्थिति सामने लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने अग्नि सुरक्षा की समीक्षा में अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और होटलों में वैध फायर एन0ओ0सी0 सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एन0ओ0सी0 की अवधि समाप्त होने से पहले नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी कर अग्नि सुरक्षा मानकों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री जी ने लोक निर्माण विभाग की 50 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली 279 परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अनुबन्ध के अनुसार सभी कार्य समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की प्रगति की समीक्षा में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि 454 करोड़ रुपये की लागत से 11,350 ग्राम पंचायतों में लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं। इनमें शत-प्रतिशत एन0बी0टी0 पुस्तकें और 96 प्रतिशत फर्नीचर पहुंच चुका है तथा 99 प्रतिशत लाइब्रेरी में पठन-पाठन शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री जी ने शेष हार्डवेयर आपूर्ति में तेजी लाने और रियल टाइम डैशबोर्ड के माध्यम से नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

दिनदहाड़े घर में घुसकर विवाहिता पर हमला, ससुर की मौत; 20 दिन से घूम रहा था युवक

आजमगढ़। पवई थाना क्षेत्र के खेमीपुर गांव में रविवार को दिनदहाड़े एक युवक ने घर में घुसकर विवाहिता पर हंसिया से हमला कर दिया। बहू की चीख सुनकर उसे बचाने पहुंचे चचेरे ससुर लालचंद मौर्य (50) को आरोपी ने धक्का दे दिया। जमीन पर गिरने से गंभीर रूप से घायल लालचंद की उपचार के लिए अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई फूलचंद की बहू शिवांगी मौर्य ने बताया कि रविवार सुबह करीब 11 बजे वह घर में बच्चे को दूध पिला रही थी। इसी दौरान एक अज्ञात युवक घर में घुस आया और हंसिया से उस पर हमला कर दिया। हमले में उसके माथे पर चोट लगी। शिवांगी के शोर मचाने पर घर के बाहर मंडई में सो रहे उसके चचेरे ससुर लालचंद मौर्य मौके पर पहुंचे। आरोप है कि लालचंद ने युवक को देखा तो उसने बाहर से कुंडी लगा दी। लेकिन दरवाजे के ठीक बगल में बिना दरवाजे के जंगला होने के कारण वह जंगले से हाथ डालकर दरवाजे की कुंडी खोल ली इसके बाद लालचंद को धक्का दे दिया और मौके से भाग निकला। गिरने से लालचंद गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें आनन-फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब 20 दिनों से गांव में एक संदिग्ध युवक घूम रहा है। वह काले कपड़े और काले जूते पहनता है तथा चेहरे को काले गमछे से ढके रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली कटने के दौरान वह अक्सर गांव में आता है और घरों में घुस जाता है। आरोप है कि वह महिलाओं पर हमला भी करता रहा है। कभी उसे पेड़ पर चढ़ते तो कभी किसी के घर में घुसते देखा गया। ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन पहले भी संदिग्ध युवक पूर्णमासी के घर में घुसा था। आरोप है कि उसने घर में रखा बॉक्स खोलकर सामान इधर-उधर कर दिया था। ग्रामीणों के पहुंचने पर वह मौके से भाग निकला। हालांकि, ग्रामीणों ने इन घटनाओं की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। थानाध्यक्ष पवई मनीष पाल ने बताया कि लालचंद मौर्य के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी तक घटना के संबंध में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बारिश में जर्जर मकान ढहा, मलबे में दबकर 70 वर्षीय वृद्ध की मौत

बांदा। जिले में दो दिन से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच चिल्ला थाना क्षेत्र के पपरेंदा गांव में शनिवार देर रात जर्जर कच्चा मकान ढह गया। मलबे में दबकर घर में सो रहे 70 वर्षीय चुन्नी वर्मा पुत्र स्व. सुखारी वर्मा की मौत हो गई। हादसा रात करीब 1:30 बजे हुआ। वृद्ध की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि लगातार बारिश के कारण मकान कमजोर हो गया था। रात में अचानक मकान भरभराकर ढह गया। घर में सो रहे चुन्नी वर्मा मलबे में दब गए। परिजनों ने आनन-फानन मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक के बेटे ने बताया कि उनके पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में छह बेटे हैं, जो मजदूरी करते हैं।

कुत्ता लिफ्ट में ले जाने पर हुआ जमकर हंगामा, टीचर पर बरसाए डंडे-थप्पड़

गाजियाबाद। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन की विंडसर पैराडाइज सोसाइटी में पालतू कुत्ते को लिफ्ट में ले जाने पर दो महिलाओं में मारपीट हो गई। आरोप है कि लिफ्ट में कुत्ते के साथ मौजूद महिला ने स्कूल टीचर को लिफ्ट में आने से रोका। टीचर के विरोध करने पर उसने उनके बाल खींचे, डंडे से पीटा और कई थप्पड़ ज?। गार्ड ने बीच-बचाव की कोशिश की और टीचर को लिफ्ट से निकाला। घटना शनिवार की है, जिसका सीसीटीवी फुटेज रविवार को सामने आया। पीड़ित महिला टीचर ने नंदग्राम थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, हिना बारी अपने परिवार के साथ विंडसर पैराडाइज-2 में रहती हैं। वह इंदिरापुरम के एक स्कूल में टीचर हैं। 12 सितंबर को दोपहर करीब तीन बजे वह स्कूल से लौटकर सोसायटी पहुंचीं। हिना ने बताया कि लिफ्ट में श्वेता सूबे अपने पालतू कुत्ते के साथ पहले से मौजूद थीं। वह मुझसे बोलीं, दूसरी लिफ्ट से जाओ। मैंने कहा कि मैं साइड में खड़ी हो जाऊंगी। जब मैंने लिफ्ट में जाने की कोशिश की, तो उन्होंने मुझसे बहस करना शुरू कर दिया। पहले छड़ी से पीटा, फिर थप्पड़ मारे। जब मैंने उनको रोकने की कोशिश की, तो मारने के साथ गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगी। सीसीटीवी में दोनों महिलाओं के बीच हुई धक्का-मुक्की और मारपीट की घटना नज़र आ रही है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी देखे जा रहे हैं।

गेहूं उत्पादन में आगे यूपी, फिर भी आटा-मैदा पड़ रहा महंगा; रोलर फ्लोर मिलर्स ने जताई चिंता

लखनऊ। गेहूं उत्पादन में देश में अग्रणी उत्तर प्रदेश में ही आटा, मैदा और सूजी दूसरे राज्यों की तुलना में महंगे पड़ रहे हैं। इसकी वजह मंडी शुल्क और दूसरे राज्यों से गेहूं मंगाने पर लगने वाला भाड़ा है। उत्तर प्रदेश रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन ने अपनी 63वीं वार्षिक आमसभा में इसे लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। संगठन के अध्यक्ष दीपक कुमार बजाज ने सरकार से मंडी शुल्क के मुद्दे पर राहत देने और प्रदेश को उत्पादक राज्य का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे मिलिंग उद्योग को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार और रोजगार के अवसर मिलेंगे। शनिवार को ताज पैलेस में एसोसिएशन की हुई वार्षिक आम सभा में मिलिंग उद्योग के भविष्य, आधुनिक तकनीक, खाद्य सुरक्षा और वैल्यू एडिशन पर मंथन हुआ। मुख्य अतिथि आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र %दयालु% ने यूपी को मिलिंग और खाद्य प्रसंस्करण का हब बनाने पर जोर दिया। खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने किसान से खरीद, भंडारण, परिवहन, प्रसंस्करण और उपभोक्ता तक खाद्यान्न पहुंचाने की श्रृंखला को मजबूत बनाने की बात कही। कार्यक्रम में एसोसिएशन और एसआईडीबीआई तथा आजीएआईएन के बीच एमओयू भी हुए। शाम को गोल्डन ग्रेन अवार्ड से उद्यमियों को सम्मानित किया गया।

मौत का कारण नहीं हो सका स्पष्ट, पुलिस जांच में जुटी

आगरा। आगरा के थाना मलपुरा क्षेत्र के सिरौली स्थित भावना कॉलोनी में शुक्रवार सुबह करीब 9ः30 बजे एक युवक का शव खेत के पास पड़ा मिलने से सनसनी मच गई। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

बेकाबू ट्रक ने छह लोगों को रौंदा, मछली विक्रेता की मौत के बाद बवाल

वाराणसी। वाराणसी के चोलापुर थाना क्षेत्र के चंदापुर चौकी अंतर्गत चमरहां (हनुमानगंज) बाजार में रविवार शाम करीब चार बजे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने भीषण हादसा कर दिया। वाराणसी-आजमगढ़ मार्ग पर आजमगढ़ की ओर जा रहे ट्रक ने सड़क किनारे मछली बेच रहे युवक और ग्राहक को रौंद दिया। इसके बाद करीब 40 फीट दूर स्थित खली-चुन्नी की दुकान में जा घुसा। हादसे में मछली विक्रेता विकास सोनकर (26) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। मृतक विकास सोनकर पुत्र राजकुमार गोपपुर का निवासी था। वहीं मछली खरीदने पहुंचे शिवम (15) निवासी गोपपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से खली-चुन्नी दुकान के संचालक सतीश जायसवाल (60), कर्मचारी सोती हरिजन (53) निवासी गोपपुर और पल्लेदार चिल्लू यादव निवासी गोसाईपुर मोहांव भी घायल हो गए। हादसे के बाद बाजार में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर चंदापुर चौकी प्रभारी अविनाश मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस और ग्रामीणों ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोलापुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने गंभीर घायलों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय रेफर किया, जबकि कुछ को परिजन निजी अस्पताल ले गए। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने विकास का शव वाराणसी-आजमगढ़ मार्ग पर रखकर जाम लगा दिया। इससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर एसडीएम सदर नितिन सिंह और एसीपी विनय कुमार द्विवेदी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। समाचार लिखे जाने तक जाम लगा हुआ था। विकास अपने परिवार का सहारा था। उसकी एक वर्ष की बेटी है। मौत की खबर मिलते ही पत्नी मोनी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वह तीन भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पर था। घटना से गोपपुर गांव में शोक की लहर है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

NAME CHANGE
I, hitherto known as BHAGWAT DAYAL, S/o SH. BHIM SAIN JINDAL, residing at FLAT NO 31,TOWER-1 PROJECT PALM OLYMPIA, PLOT NO GH-02, SECTOR-16C, PO: ROZA YAKUBPUR, DISTRICT: GAUTAM BUDDHA NAGAR, STATE: UTTAR PRADESH-201009 have changed my name and shall hereafter be known as BHAGWAT JINDAL

NAME CHANGE
It is for general information that I, VASU VERMA S/o RAHUL VERMA, R/o J-3/6 U/G/F, Krishna Nagar, East Delhi-110051 declare that name of mine has been wrongly written as VASHUDEV VERMA in my Aadhar Card No. 310372223569. The actual name of mine is VASU VERMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as GUDDI D/O DHANI RAM W/O RATIRAM R/O J-57, Jalvayu Vihar, Sector-25, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as LONGA SREE.

NAME CHANGE
I, DURGESH D/o Devendra Kumar R/o Balaji Vihar, Railway Road, VTC: Dadri, PO: Dadri, Sub District: Dadri, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh-203207, have changed my name and shall hereafter be known as MYRA.

NAME CHANGE
I PRAVEEN BHATI S/o RAJESH KUMAR R/o House No-283 Ladpura, Greater Noida, Maicha, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201310, have changed the name of my minor daughter AAROHI aged 15 years and she shall hereafter be known as AROHI BHATI.

PUBLIC NOTICE
It is for the information of the public at large that my clients Shri Anirudh Prasad Roniyar S/o Shri Moti Lal Roniyar and his wife Smt. Saroj Kumari, R/o Plot No. 129/1, Block-E, Hanuman Park, Nirmal Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043, have severed their relations from their elder daughter Miss Kiran and have disowned her from all their moveable and immoveable properties. Henceforth, my clients shall not be responsible for any acts and deeds of their abovenamed daughter and anybody dealing with her shall be doing so at his/her own risk and responsibility.

ADITYA ANAND ADVOCATE
DELHI HIGH COURT
CH.NO. 428-B, LAWYERS CHAMBERS, DWARKA COURT COMPLEX,
SECTOR 10, DWARKA,
NEW DELHI-110075

NAME CHANGE
I, MOHD SHAHID ALI S/O MOHAMMED QAISER Residing at HOUSE NO E-74 E-BLOCK NEW SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to SHAHID ALI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHANAZ BEGUM W/O ANEES AHMED R/O 1774, 1ST FLOOR, MAIN ROAD LAL KUAN, DELHI-110006 have changed my name to SHAHNAZ BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE
I Sumitra Devi W/o Rajender Kumar Singh R/o House No. 205, Ward No.-2, Mehrauli, District South Delhi, Delhi-110030 have changed my name to Sumitra for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHD NASEEM S/O ZAHURUDDIN R/O 7885 MOHALLA SHEKHAN BARA, HINDU RAO, NORTH DELHI, DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO NASEEM FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Nikita Maheshwari, W/o Sahil Maheshwari, R/o 47, Ansals Palam Farm, Salahpur Road, Near Samta Yog Ashram, Bijwasan, South West Delhi – 110061, hereby declare that I have changed my name to Nikita Khanna and shall henceforth be known as Nikita Khanna for all future purposes, including official and passport-related purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VIJENDR KUMAR S/o BALAKISHAN R/o House No-368, Pavi Sadakapur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as BIJENDRA

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mr. Manish Kumar is purchasing the Plot No. S-86, measuring 80 Sq. yards, Out of 108 sq. yards. Khasra No. 14/19(4-16) & 14/20(4-16) situated in the revenue estate of Village Qutbapur, Delhi, known as Qutab Vihar, Delhi.110071 from Mrs. Lalita who is the owner of the property vide Notarized GPA, SPA ATS and WILL dated 27/01/2022 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited** ("ABHFL"). If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, JC-314754Y Rank-SUB Name-KOTIREDDY PALURI residing at 3, MAIN ROAD, NEAR RAMALAYAM, TEMPLE BUTCHIPAPANNAPALEM, ROMPICHERLA, GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522617, have changed my name from KOTIREDDY PALURI to KOTI REDDY PALURI for all future purposes vide Affidavit dated 08/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED IRHAN AND MD IRHAN S/O MOHAMMED NASEEM R/O H.NO.3208, GALI HAJI ABDUL SHAKUR, KUCHA PANDIT, LAL KUAN, DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD IRHAN.

NAME CHANGE
I, MAYANK TYAGI S/O V K TYAGI R/O 938-A, SECTOR-3, RAJENDRA NAGAR, SAHIBABAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 HAVE CHANGED THE NAME OF MY MINOR SON FROM LAVYANSH TYAGI TO LOVEYANSH TYAGI.

NAME CHANGE
I, SALAHUDDIN S/O ABDUL RASHID R/O 50-A GALI NO-1, NEW GANESH PARK RASHID MARKET KRISHNA NAGAR EAST DELHI 110051, CHANGED MY NAME TO SALAUDDIN AHMED.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Rajeshwar Dayal S/O Late Sh. Hori Lal R/O E-119, 3rd Floor, Vishwakarma Colony, M.B. Road, New Delhi-110044, have changed my name and shall hereafter be known as Rajyogi Dr Rajeshwar Dayal Suryavansi.

NAME CHANGE
I WILSON HAOKIP S/0 THANGKHOSEI HAOKIP R/0 M-62 HUMAYUNPUR SAFDARJUNG ENCLAVE NEW DELHI 110029 CHANGED MY NAME TO TILMINCHUNGNUNG HAOKIP

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Vimal Kumar Agrahari** is purchasing the Southern-side i.e., Front Side Flat on First Floor, without roof rights, admeasuring 60 Sq. Yds. (50.166 Sq. Mtrs.), built on Property No.39-F/1, total land admeasuring 100 Sq. Yds., situated at Gali No.5, Amritpuri-B, New Delhi from **Mr. Virender Singh Bhatia** who is the owner of the property vide Sale Deed dated 12.01.2009 which is registered as doc. No.267, Book No.I, Volume No.9023, on pages 38 to 47, Sub-Registrar, V, New Delhi, on 12.01.2009. and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited (Formerly known as Shriram Housing Finance Limited).** That the Sale Deed dated 05.11.2008 executed by Mr. Sat Pal in favour of Mrs. Varsha in respect of said property, Which is registered vide Document No. 16418, Book No. I, Volume No. 8904, on pages 48 to 53, Sub-Registrar, New Delhi, 05.11.2008. is lost/Misplaced. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, hitherto known as AARIS ALIAS SAMEER S/O MOMEEN R/O H.NO. 77, BAMBAWAD, PO: BAMBAWAR, DIST: GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-203207 have changed my name and shall hereafter be known as SAMEER.

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAJBALA D/O NEKSE LAL W/O RAM AVTAR R/O 9941, Gali No. 2, Navalpur City Station Khurja, PO: Khurja, District Bulandshahr, Uttar Pradesh-203131, have changed my name and shall hereafter be known as VEERVATI.

NAME CHANGE
I PRAVEEN BHATI S/o RAJESH KUMAR R/o House No-283 Ladpura, Greater Noida, Maicha, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201310, have changed the name of my minor son AMRIT BHATI aged 12 years and he shall hereafter be known as AARAV KUMAR.

NAME CHANGE
I, Nitin Kumar C/O Bir Singh R/O 131, Block G, Sangam Park, Khora Colony, Khora, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201309. I have changed My gender male to female. I Nitin Kumar henceforth be known as Nitika D/O Bir Singh

NAME CHANGE
I hitherto known as Niraj Kumar S/o Sikandar Prasad R/o H.No-112, New Vikas Nagar, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Avay kumar.

PUBLIC NOTICE
Notice to public in general that my clients Mr. Ajit Singh S/o Sh. Tara Singh R/o WZ-43, Plot No.21, Sham Nagar Extn., Vishnu Garden, New Delhi have severed his relation and debarred his wife Jasbir Kaur and daughter Arvinder Kaur W/o Tajinderpal Singh from all his movable/immovable property because of their bad behavior, conduct and done illegal acts with my client and my client other family members also severed relations with them. If anybody deals with them which is at his/her own risk & responsibility and my client is not responsible for her acts.

(SUMIT GABA)
ADVOCATE
Ch. No. T-7,
Tis Hazari Court, Delhi

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राम चरण (पिता श्री गणेशी) खसरा नंबर 558 में से 60 वर्ग गज के प्लॉट नंबर 246 के मालिक थे। यह मालिकाना हक उन्हें श्री ब्रह्म (पिता श्री धर्म सिंह) द्वारा श्री राम चरण (पिता श्री गणेशी) के पक्ष में 15.04.1986 को निष्पादित व्रक्र और ATS के माध्यम से मिला था। इसके बाद, 18.08.2019 को श्री राग चरण का निधन हो गया। चूंकि श्री राम चरण का SMC उपलब्ध नहीं था, इसलिए 1. श्री बानी सिंह (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र), 2. श्री राज कुमार (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र), और 3. श्री जगदीश कुमार (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र) ने 01.05.2022 को श्री प्रेम सिंह (स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र) के पक्ष में नोटरीकृत रिलिनक्विशमेंट/रिलीज डीड (हक छोड़ने/रिलीज़ करने का दस्तावेज़) निष्पादित किया। इसके द्वारा यह बताया ओर पुष्टि की जाती है कि स्वर्गीय श्री राम चरण के कानूनी वारिस केवल निम्नलिखित व्यक्ति हैं और उनके अलावा कोई अन्य कानूनी वारिस नहीं है- 1. श्री बानी सिंह, 2. श्री राज कुमार, 3. श्री जगदीश कुमार और 4. श्री प्रेम सिंह (सभी स्वर्गीय श्री राम चरण के पुत्र)। वे सभी खसरा नंबर 558 में से 60 वर्ग गज के प्लॉट नंबर 246 के मालिक बने, जो रोशनपुरा D-ब्लॉक, नजफगढ़, नई दिल्ली-110043 (रोभानपुरा दिल्ली कॉलोनी का राजस्व क्षेत्र) में स्थित है। इस संपत्ति के लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा/हित/अधिकार है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAKESH SHAH, S/O THAKUR SHAH, Residing at BE-40, BE Block, Hari Nagar, New Delhi-110064, declare that my name of mine has been wrongly written as RAKESH in my all Educational and Academic Records/Documents The actual name of mine is RAKESH SHAH, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that AMAN SINGH S/o RAVINDER KUMAR R/o House No. – C – 27/1 , Yadav Nagar , Samay Pur , Libas Pur , North West Delhi , Delhi – 110042 declare that the name of mine and my father have been wrongly written as AMAN and RAVINDER in my all Education Documents . The actual name of mine and my father are AMAN SINGH and RAVINDER KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SURESH KUMAR MEENA S/o SHIV CHARAN, R/o WB-136, GALI NO-07, GANESH NAGAR-02ND, SHAKARPUR, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 declare that name of mine and my wife have been wrongly written as SURESH KUMAR and VEERO DEVI in my PPO No. 1063782. The actual name of mine and my wife are SURESH KUMAR MEENA and VEERO, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with all other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE
It is for the information of the public at large that my clients Shri Bhim Singh S/o Shri Tek Ram and his wife Smt. Rajbala, W/o Bhim Singh, R/o House No.33A, C-Block, Shyam Vihar Phase 2, Najafgarh, Dindar Pur New Delhi-110043, have severed their relations from their Son and daughter-in-law Jaibir and Akanksha have been disowned from all their moveable and immoveable properties. Henceforth, my clients shall not be responsible for any acts and deeds of their abovenamed Son, daughter-in-law and anybody dealing with them shall be doing so at his/her own risk and responsibility.

VINEET JAKHAR ADVOCATE
DELHI HIGH COURT
CH.NO. 827,
LAWYERS CHAMBERS,
DWARKA COURT COMPLEX,
SECTOR 10, DWARKA,
NEW DELHI-110075
Mob. 9711126331

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Babli W/o Mr. Chandra Kant is the owner and in possession of a Freehold Commercial/Residential Built-up L-Corner Shop on Ground Floor Without Terrace Rights, Built-on Part of Property No. RZ-93-A/10, area measuring 50 Sq. Yds., Out of Khasra No. 510 & 511, Situated at Tughlakabad, Extn., New Delhi-110019. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed dated 01.10.2026 Vide Doc No. 2026/71/I/62, Book No. 1, Vol No. 8, Page No. 39-64, on dated 01.10.2026, SR-Badarpur., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Regd. GPA dated 15.02.1999 executed by Mrs. Jagni Devi W/o Late Mr. Kedar Lal in favour of Mr. Chander Kant S/o Mr. Sukhvir Giri Vide Doc No. 758, Book No. 4, Vol No. 1153, Page No. 4-9, on dated 15.02.1999, at SR-New Delhi. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Anubhav s/o Vinod Kumar Dubey R/o Sr111/123 Flat no A204 Bhondve Orchid Bhondve Vasti Ravet ,412101, Pune, Maharashtra, India have changed my name to Anubhav Vinodkumar Dubey

NAME CHANGE
I RITU W/O BRIJ NANDAN R/O H.NO 4 DOUBLE STOREY WELCOME SEELAMPUR 4 BHAJAN PURA DELHI 110053 have changed my name to KAJAL Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I ANITA RANA W/O SUMIT RANA R/O SHAHPUR TURK (83) NEAR OMAX CITY SONIPAT HARYANA 131001 have changed my name to ANITA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I GULASAN KHATOON W/O AURANGJEB ALAM R/O D-30 , GALI NO 5 A OM NAGAR MEETHAPUR BADARPUR DELHI - 110044 have changed my daughter minor name SAMAIYA FATIMA TO SUMAIYA FATIMA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I PALLVI KUMARI & PALLAVI MARWAHA W/O DEEPANSHU MARWAHA R/O C-23 VISHAL COLONY NANGLOI DELHI 110041have change my name to PALLAVI VERMA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, NASIM BANO W/O NASEER AHMED R/O H NO-725, GALI NO-29, JAFRABAD, DELHI-110053 have changed my name to NASEEM BEGUM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, FARHAT NASIR S/O NASEER AHMED R/O H NO-725, GALI NO-29, JAFRABAD, DELHI-110053 have changed my name to FARHAT NASEER for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NASIR AHMED S/O ABDUL QADEER R/O H NO-725, GALI NO-29, JAFRABAD, DELHI-110053 have changed my name to NASEER AHMED for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जानकारी के लिए बताया जाता है कि सुश्री शिखा सिंह (पिताः श्री अजीत सिंह, निवासीः 166, मेघई खास, आजमगढ़, यूपी 276124) के ओरिजिनल एजुकेशनल सर्टिफिकेट खो गए हैं। इनमें लखनऊ पब्लिक स्कूल, विराट खंड-4, गोमती नगर, लखनऊ की 10वीं CBSE मार्कशीट (रोल नंबर 23217681) और 12वीं CBSE मार्कशीट (रोल नंबर 23688831) के साथ-साथ गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज की BTE उत्तर प्रदेश डिप्लोमा इन फार्मेसी फर्स्ट ईयर (रोल नंबर 2371192141047) और सेकंड ईयर (रोल नंबर 2456912144042) की मार्कशीट शामिल हैं। ये सभी डॉक्यूमेंट्स 05/08/2026 को दिल्ली के पुराने रेलवे स्टेशन पर खो गए थे (पुलिस रूक्र नंबर 670516/2026, तारीख 28/09/2026)। अगर किसी को ये डॉक्यूमेंट्स मिलें, तो उनसे अनुरोध है कि वे इन्हें ऊपर दिए गए पते पर लौटा दें या तुरंत मालिक से संपर्क करें और नीचे दिए गए पते पर मुझे भी सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I, BHADORIYA PRAGATI wife of No.-14857666P, Rank-SEP/MT, Name-PARIHAR MONUSINH KRISHNAKUMAR residing at VILL-PARIHAR NAGAR GALI NO-01, PO-KUBER NAGAR, TEHSIL-AHEMDABAD, DIST-AHEMDABAR, GUJARAT-382340, have changed my name from BHADORIYA PRAGATI to PARIHAR PRAGATI MONUSINH for all future purposes vide Affidavit dated 08/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, VIMALA DEVI mother of No-14840121F, Rank-HAV/MT, Name-VINOD KUMAR SINGH residing at VILL-RAM NATH BIGHA, PO-DHNAW ENGLISH, TEHSIL-ROHTAS, DIST-ROHTAS, BIHAR-821310, have changed my name from VIMALA DEVI to VIMLA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 08/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANGAL mother of No-14859072Y, Rank-SEP/MT, Name-THOMBARE SUNIL SHRIRANG residing at VILL-MASALWADI, PO-LONIBHAPKAR, TEHSIL-BARAMATI, DIST-PUNE, MAHARASHTRA-413110, have changed my name from MANGAL to MANGAL SHRIRANG THOMBARE for all future purposes vide Affidavit dated 08/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, THOMBARE SHRIRANG SADASHIV father of No-14859072Y, Rank-SEP/MT, Name-THOMBARE SUNIL SHRIRANG residing at VILL-MASALWADI, PO-LONIBHAPKAR, TEHSIL-BARAMATI, DIST-PUNE, MAHARASHTRA-413110, have changed my name THOMBARE SHRIRANG SADASHIV to SHRIRANG SADASHIV THOMBARE for all future purposes vide Affidavit Dated 08/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I WAHIDA W/O MOHMAAD ALI R/O 2542 PATEL NAGAR SONIPAT HARYANA 131001 have changed my name to VHAIDA Permanently for all future Purposes

सार्वजनिक सूचना
श्री भजन लाल ने मेसर्स एसबीएफसी फाइनेंस लिमिटेड से 7 मरला क्षेत्रफल वाली संपत्ति के लिए ऋण लिया था, जो खेवट/खाता संख्या 60/74 किला संख्या 2/1(0-4), 3(7-8), 8(7-8) के अंतर्गत आती है और ग्राम जकोपुर, तहसील सोहना, जिला गुरुग्राम में स्थित है। श्री भजन लाल ने हमें बताया है कि उन्होंने बिक्रीनामा दिनांक 13/06/2025 (श्री भजन लाल के नाम पर, वसीयतनामा संख्या 132270892600715) कहीं खो दिया है या गुम कर दिया है, जो कहीं नहीं मिल रहा है या जिसका पता नहीं लगाया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर दिल्ली कार्यालय (पता) में लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसा न करने पर, इन दस्तावेजों को ऐसे दावों के लिए शून्य और अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे त्याग दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991116006

NOTICE
Public at large is hereby informed that M/s. Neelkanth Polymers through its Partners Smt. Poonam Dhawan & Mr. Sushil Dhawan is the owner of Industrial Building Over an area measuring 3468.66 sq. yds., Killa no. 48, Piou Maniyaran Revenue Estate Part of Khasra No. 48//3/4, 4/1/3, 7/2/1, 8/1, Situated in the revenue estate of Village Kundli in the controlled area declared around Middle School, Tehsil & Distt. Sonipat, Haryana., Initially, Sh. Ravindra Singh (2) Sh. Shab Singh (3) Sh. Kuldeep Singh (1/3 Share) (4) Sh. Dender Singh (5) Sh. Surender Singh (6) Sh. Ranbir Singh (1/3 Share) (7) Sh. Inderjit Singh (8) Sh. Joginder Singh (1/3 Share) Was the owner of said property. Thereafter, Sale deed dated 03.03.2000 executed by (1) Sh. Ravindra Singh (2) Sh. Shab Singh (3) Sh. Kuldeep Singh (1/3 Share) (4) Sh. Dender Singh (5) Sh. Surender Singh (6) Sh. Ranbir Singh (1/3 Share) (7) Sh. Inderjit Singh (8) Sh. Joginder Singh (1/3 Share) in favour of M/s Mangala Industrial Private Limited Doc no. 8071, SRO- Sonipat to Rectify the entered as a New Partner of Firm that at the time of retirement of the said partners taken all benefits along with their shares. The said firm further Continue through rest of two Partner Namely Smt. Poonam Dhawan & Mr. Sushil Dhawan under the time and style of Neelkanth Polymers. Thereafter, Sale Deed dated 27.12.2000 executed by M/s Mangala Industrial Private Limited in favour of M/s. Neelkanth Polymers through its Partners (1) Sh. Sanjeev Dhawan (HUF) through its Karta Sh. Sanjeev Dhawan, (2) Sh. Rajeev Dhawan (HUF) through its Karta Sh. Rajeev Dhawan and (3) Smt. Poonam Dhawan W/o. Sh. Sushil Dhawan As Doc. No. 6044. Finally, Notary Deed of Retirement cum Partnership dated 22.06.2022 executed between M/s. Neelkanth Polymers through its Partners Three Partners (1) Sh. Sanjeev Dhawan (HUF) through its Karta Sh. Sanjeev Dhawan, (2) Sh. Rajeev Dhawan (HUF) through its Karta Sh. Rajeev Dhawan and (3) Smt. Poonam Dhawan W/o. Sh. Sushil Dhawan. Who intends to mortgage the said immovable property for their Bonafide requirements to IDFC FIRST Bank Limited. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the said property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections or claims to this property.

NEW DELHI
DATE: 08/10/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
I, Dharmendra Singh S/o Nepal Singh R/o Dankaur Dehat, Dankaur, PO: Dankaur, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203201 have changed my name and shall hereafter be known as Dharmendra Kumar

NAME CHANGE
I hitherto Known as ANSH YADAV S/O Kumarpal,R/O Sunari, PO: Husainpur Hamir, DIST: Moradabad, Uttar Pradesh - 244001 have changed my name and shall hereafter be known as KARAN YADAV

NAME CHANGE
I hitherto Known as Chandrakant Kumar S/O Chhangur Ram,R/O 91, Sumahi Buzurg, PO:Shankar Pat Khauli, DIST:Kushinagar, Uttar Pradesh, 274401 have changed my name and shall hereafter be known as CHANDRAKANT KR RAM

NAME CHANGE
It is for general information that I, REHAN MONDAL S/O SAUL MONDAL R/O House No-8, Street No-7, Geeta Colony, Gandhi Nagar, Gandhi Nagar East, NCT Of Delhi-110031 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as SAULL and ARCHANA in my 10th class educational documents and SAIJUL and ARCHANA in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are SAUL MONDAL and BABY MONDAL respectively which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I, HARSH MEHTANI, S/o Prem Mehtani, residing at A-457, Shalimar Garden Extn 1, Shalimar Garden, Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201005, declare that the name of my minor daughter has been wrongly written as MANVI, aged 13 years, in her birth certificate No. 2465 The actual name of my minor daughter is MYRRA MEHTANI.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Sh. Dhanraj Singh S/o Sh. Chand is the owner and in possession of a Freehold Industrial Plot No. 71, (Property ID-1BQQ4QQ1), admeasuring 240 sq. mtrs, total covered area 1600 sq. ft. with roof rights, Situated at Pragati Vihar, Sector 59 (Part), Industrial Estate Faridabad, Tehsil Ballabgarh, Distt. Faridabad, Haryana. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 08.05.2023 vide Doc No. 1101, in Book No. I, SR-Ballabgarh., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Allotment letter dated 15.06.1993 & (2) Original Possession letter & (3) Original Conveyance Deed dated 18.06.2018 executed by Municipal Corporation Faridabad in favour of M/s Throu Flax Hose Division as vide Doc No. 4343 SR- Ballabgarh. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and same property sol to be Mr. Dig Vijay Bhati and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Dwarka New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव पाटौदा में आज लगेगा सेवा सेतु कैंप

एजेंसी

झज्जर। जिलाभर में सेवा संकल्प अभियान के तहत आमजन को सरकार की योजनाओं का लाभ उनके नजदीक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में सेवा सेतु कैम्प लगाए जा रहे हैं। डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में लग रहे सेवा सेतु कैम्प में लोग सरकार की योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिला परिषद के सीईओ मनीष फौगाट ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार 9 अक्टूबर को गांव पाटोदा, 10 अक्टूबर को गांव बिरोहड़, 12 अक्टूबर को माछरौली ब्लॉक मुख्यालय व गांव ढाकला, 13 अक्टूबर को गांव खुड्डन, 14 अक्टूबर को साल्हावास ब्लॉक मुख्यालय तथा 15 अक्टूबर को गांव भुरावास में सेवा सेतु कैंप आयोजित किए जाएंगे।

विशेष अभियान के तहत पोलिंग बूथों का औचक निरीक्षण, बीएलओ को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सिरसा। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत लंबित नोटिसों के निपटान के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत 7, 8 एवं 9 अक्टूबर को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए हुए हैं। सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर निर्वाचन संबंधी कार्य कर रहे हैं। अभियान के तहत कालांवाली (42-अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र में सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं बीडीपीओ बड़ागुढ़ा भजन लाल, अतिरिक्त निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं नायब तहसीलदार कालांवाली सतीश कुमार तथा अतिरिक्त निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं प्रधानाचार्य कालांवाली विजयपाल, निर्वाचन कानूनगो सुरेंद्र शर्मा ने भी कालांवाली क्षेत्र के विभिन्न बूथों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न प्रपत्रों एवं प्रपत्रों की स्थिति के साथ लंबित नोटिसों के निपटान की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बीएलओ को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य पूरी निष्ठा, तत्परता और निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा किया जाए।

बीडीपीओ कार्यालय खंड नाथूसरी चौपटा तथा नगर पालिका कालांवाली में विशेष कैंप 13 अक्टूबर को

सिरसा। अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा सेतु अभियान जन कल्याण कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत 13 अक्टूबर को बीडीपीओ कार्यालय खंड नाथूसरी चौपटा तथा नगर पालिका कालांवाली में कैंप आयोजित होगा। 14 अक्टूबर को खंड नाथूसरी चौपटा के गांव जमाल तथा 15 अक्टूबर को खंड नाथूसरी चौपटा के गांव डिंग में सेवा सेतु अभियान कैंप लगाया जाएगा। इन कैंपों में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के स्टॉल लगाकर आमजन को योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। सेवा सेतु कैंपों में लाडो लक्ष्मी योजना, पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल ने समाधान शिविर में सुनीं जनसमस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

सिरसा। जिला में मुख्यालय एवं उपमंडल स्तर पर आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वीरवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इसके अलावा उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। जिला में आयोजित समाधान शिविरों में कुल 20 शिकायतें आई। एडीसी अर्पित संगल ने समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों को सुनते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की ढिलाई, लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी का पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने बताया कि नागरिक प्रत्येक सोमवार व वीरवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक जिला व उपमंडल पर समाधान शिविर में अपनी समस्याएं रखते हुए उनका निवारण करवा सकते हैं।

शाह ने 'विकसित भारत संकल्प ज्योति यात्रा' का शुभारंभ किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का स्वर्णिम और युगांतकारी अध्याय : अमित शाह

'गरीब कल्याण की दिशा में किए गए प्रयासों से 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।'

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सेवा संकल्प अभियान के तहत साइबर नगरी गुरुग्राम में 'विकसित भारत संकल्प ज्योति यात्रा' का शुभारंभ किया। गृह मंत्री अमित शाह ने यात्रा की मशाल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सौंपते हुए प्रदेश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर गुरुग्राम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित

उपस्थित जनप्रतिनिधियों और हजारों युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को लाइव सुना। प्रधानमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशवासियों को संबोधित करते हुए सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जनभागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री गौरव गौतम, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, भाजपा संसदीय बोर्ड की सदस्य डॉ सुधा यादव, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। अमित शाह ने राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन 25 वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में स्वर्णिम और युगांतकारी अध्याय है। उन्होंने कहा कि इन 25 वर्षों में नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर देश और करोड़ों नागरिकों की सेवा की है। अमित शाह ने कहा कि 7 अक्तूबर का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। एक गरीब परिवार में जन्मे व्यक्ति ने अपनी क्षमता, प्रतिभा और करोड़ों लोगों को साथ लेकर 25 वर्षों तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व करने का रिकॉर्ड बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के ये 25 वर्ष इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किए जाएंगे।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 25 वर्षों में देश ने अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने गरीबी उन्मूलन, सुरक्षित भारत, अनुच्छेद 370 को हटाने, नक्सलवाद समाप्त करना, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम के निर्माण तथा देश के बुनियादी ढांचे को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने जैसी उपलब्धियों का उल्लेख किया।

सेवा, संकल्प और जनभागीदारी से वर्ष 2047 तक भारत बनेगा विकसित राष्ट्र : राजेश नागर

जिला में विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम का भव्य आयोजन

एजेंसी

रेवाड़ी। सेवा संकल्प अभियान के तहत बाल भवन रेवाड़ी में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इसके बाद उपस्थित लोगों को विकसित भारत 2047 के निर्माण का सामूहिक संकल्प दिलाया। मुख्य अतिथि मंत्री राजेश नागर सहित अन्य अतिथियों ने मशाल प्रज्ज्वलित कर

सेवा ज्योति यात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान वंदे मातरम के उद्घोष और भारतीय संस्कृति से जुड़ी नगाड़ा व बीन पार्टियों ने सभी के अंदर उत्साह भर दिया। यात्रा भव्यता से आयोजन स्थल से महाराणा प्रताप चौक तक सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में पहुंचने पर मंत्री राजेश नागर का भव्य स्वागत एवं अभिवादन किया गया। कार्यक्रम में रेवाड़ी विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, बावल विधायक डा.कृष्ण कुमार, कोसली विधायक अनिल यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली और जिला प्रभारी प्रो.मदन लाल गोयल विशेष रूप से मौजूद रहे। मंत्री राजेश नागर ने ने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक सेवा के 25 वर्ष पूरे हुए हैं। उन्होंने अपना लंबा जीवन देश और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया है। उनका जनसेवा का सफर देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है और इसी संकल्प को मजबूती देने के लिए सेवा ज्योति यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया है।

एसआईआर नोटिस एवं सुनवाई मामलों का समयबद्ध किया जा रहा निपटान

नौ अक्टूबर तक संबंधित मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर किए जा रहे आयोजित

एजेंसी

सिरसा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत जारी नोटिस एवं सुनवाई से संबंधित मामलों के समयबद्ध निस्तारण पर जिला प्रशासन द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिला सिरसा में 7 अक्टूबर को आयोजित विशेष शिविरों में 564 लंबित मामलों की सुनवाई की गई। तहसीलदार चुनाव हनुमान दास ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कार्यालय की ओर से नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि पर सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों और आवश्यक दस्तावेज समय पर जमा करवाएं, ताकि मामलों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निस्तारण किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत कुल 1,72,079 नोटिस जनरेट किए गए हैं। इनमें से 17,955 सुनवाई मामले लंबित हैं। कुल लंबित मामलों का प्रतिशत 10.41 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को लंबित सुनवाई मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, प्रभावी निगरानी रखने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि नोटिस की सुनवाई की प्रक्रिया समय पर पूरी करने के लिए 9 अक्टूबर तक ऐसे मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

पीएम-कुसुम योजना से किसान यशवीर की खेती की लागत हुई कम

● सोलर पंप से सिंचाई हुई किफायती, डीजल के खर्च से मिली बड़ी राहत

एजेंसी

सिरसा। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना किसानों के लिए सिंचाई की लागत कम करने और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। योजना के तहत किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई पंप उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, जिससे उन्हें डीजल और बिजली पर होने वाले खर्च से राहत मिल रही है।

सिरसा के गांव लुदेसर के किसान यशवीर गाट के लिए भी यह योजना खेती को अधिक किफायती बनाने का माध्यम बनी है। 43 वर्षीय यशवीर गाट बीए और जेबीटी पास हैं तथा उनके पास पांच एकड़ जमीन है। वर्ष 2023 में उनके खेत में 10 एचपी की सोलर मोटर लगाई गई। इससे पहले वह खेतों की सिंचाई के लिए डीजल इंजन और जनरेटर पर निर्भर थे। सौर ऊर्जा आधारित पंप लगने के बाद उनके लिए सिंचाई का तरीका आसान होने के साथ-साथ खर्च भी काफी कम हुआ है।

यशवीर गाट बताते हैं कि सोलर कनेक्शन मिलने से पहले खेतों की सिंचाई के लिए डीजल इंजन और जनरेटर का इस्तेमाल करना पड़ता था। एक घंटे में करीब 10 लीटर डीजल खर्च हो जाता था। इसके अलावा डीजल इंजन की सर्विस और रख-रखाव पर होने वाला खर्च अलग था। उन्होंने बताया कि हर बार सिंचाई से पहले डीजल की व्यवस्था करने और जनरेटर के रख-रखाव को लेकर चिंता रहती थी। वर्ष 2023 में खेत में 10 एचपी की सोलर मोटर लगने के बाद यशवीर गाट की सिंचाई व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया। अब वह सौर ऊर्जा की मदद से एक दिन में करीब दो एकड़ जमीन की सिंचाई कर लेते हैं। उन्हें डीजल खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती और जनरेटर चलाने से जुड़े खर्च से भी राहत मिली है।

जरूरत के अनुसार सिंचाई करना भी आसान

यशवीर गाट के अनुसार, पहले सिंचाई खेती की लागत बढ़ाने वाला एक बड़ा खर्च था, लेकिन सोलर पंप लगने के बाद यह खर्च काफी कम हो गया है। दिन के समय सौर ऊर्जा उपलब्ध होने से खेत की जरूरत के अनुसार सिंचाई करना भी आसान हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार की यह योजना लाभदायक बन रही है और खेती के खर्चों को कम करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी लाभ पहुंचा रही है। सोलर पंप का रखरखाव का खर्च नहीं है। यह लंबी अवधि की बचत का हिस्सा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत गुभाना में लगा सेवा सेतु कैंप

● मुख्य अतिथि अमित गुभाना और बीडीपीओ सुमित बेनीवाल ने किया कैंप का अवलोकन

एजेंसी

बादली। जिलाभर में डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को गांव गुभाना में सेवा सेतु कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अमित गुभाना और बीडीपीओ सुमित बेनीवाल ने कैंप का अवलोकन कर विभागीय स्टॉलों पर योजनाओं की जानकारी ली। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं, सरकारी सेवाओं, पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया तथा योजनाओं से मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

एक ही स्थान पर मिली योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन

मुख्य अतिथि अमित गुभाना ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे सेवा सेतु कैंप का उद्देश्य सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन के घर-द्वार के नजदीक पहुंचाना है। ऐसे कैंपों से नागरिकों को विभिन्न विभागों के कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलती है और एक ही स्थान पर आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध होता है।

उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि प्रशासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सेवा सेतु कैंपों में पहुंचकर सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी लें और अपनी पात्रता के अनुसार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

कैंप में स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। स्वास्थ्यकर्मियों ने नागरिकों की स्वास्थ्य जांच करने के साथ उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा आयुष पद्धति से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं परामर्श दिया। इस प्रकार ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी के साथ स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं का भी लाभ मिला।

कैंप में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों के स्टॉलों पर पहुंचकर अपनी आवश्यकताओं के अनुसार योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पात्र नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सरपंच मीनू देवी, मोंटी प्रधान, सचिव कुलदीप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखकर वायु प्रदूषण पर लगाएं प्रभावी रोक : डीसी

औद्योगिक प्रदूषण, सड़क की धूल, वाहनों के उत्सर्जन, कचरा व पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए विभाग तैयार करें विशेष कार्ययोजना

एजेंसी

झज्जर। एनसीआर क्षेत्र में शामिल झज्जर जिले में संशोधित ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के प्रभावी क्रियान्वयन और वायु प्रदूषण की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन ने निगरानी एवं प्रवर्तन व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से विशेष कार्ययोजना तैयार कर उसे प्रभावी ढंग से लागू करें।

प्रदूषण नियंत्रण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि संशोधित ग्रेप के प्रावधानों की जिला में प्रभावी ढंग से पालना सुनिश्चित की जाए। चिन्हित

हॉटस्पॉट क्षेत्रों में नियमित निगरानी रखते हुए प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने औद्योगिक इकाइयों से होने वाले प्रदूषण, डीजल जनरेटर सेट, सड़क की धूल, वाहनों के उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाने, अवैध डंपिंग, धान की पराली एवं फसल अवशेष जलाने तथा निर्माण एवं सीएंडडी गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश दिए।

सड़क की धूल और वाहनों के प्रदूषण पर रहे विशेष फोकस

डीसी ने सड़क की धूल को नियंत्रित करने के लिए मैकेनिकल एवं वैक्यूम स्वीपिंग के साथ आवश्यकतानुसार पानी के छिड़काव की व्यवस्था प्रभावी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों एवं अन्य गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया। औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण की समीक्षा करते हुए डीसी ने पर्यावरणीय मानकों की अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अवैध आरएमसी एवं एचएमपी इकाइयों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने तथा अवैध अथवा बंद इकाइयों के बिजली कनेक्शन काटने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। खुले स्थानों पर औद्योगिक, ठोस एवं निर्माण अपशिष्ट की अवैध डंपिंग को रोकने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। डीसी ने धान की पराली एवं फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए फील्ड स्तर पर निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी एवं कस्टम हायरिंग सेंटरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया।

प्रत्येक शिकायत की पूर्ण जांच कर वास्तविक स्थिति के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करे अधिकारी, अन्यथा होगी कार्रवाई - प्रधान सलाहकार डी.एस.ढेसी

प्रधान सलाहकार (शहरी विकास) डी.एस. ढेसी ने अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एजेंसी

सोनीपत। श्री डी.एस.ढेसी ने सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की जिला स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए समाधान शिविर तथा म्हारी सड़क ऐप पर प्राप्त शिकायतों को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत की पूर्ण जांच कर वास्तविक स्थिति के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। समाधान में किसी भी प्रकार की खानापूर्ति न की जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसएमडीए विभाग के अधिकारी ने बताया कि म्हारी सड़क ऐप पर अब तक प्राप्त 250 शिकायतों में से 72 का समाधान किया जा चुका है, जबकि 92 शिकायतें प्रगति पर हैं, जिनका जल्द ही समाधान कर दिया जाएगा। लघु सचिवालय में सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की जिला स्तरीय समन्वय बैठक का

आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रधान सलाहकार शहरी विकास डी.एस. ढेसी ने की। बैठक में 22 एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को शहर के आसपास बनाए गए डंपिंग क्षेत्रों की साफ-सफाई व अन्य कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। बहालगढ़ रोड पर जलभराव एवं ड्रेनेज के संबंध में संबंधित अधिकारी ने बताया कि एमसी के द्वारा डीपीआर तैयार कर ली गई है। एसटीपी अटेरेना की कमीशनिंग के संबंध में प्रधान सलाहकार ने स्वयं मौके का निरीक्षण करने की बात कही।

बैठक में सीएक्यूएम के दिशा-निर्देशों की अनुपालना की समीक्षा करते हुए उन्होंने ग्रैप लागू होने से पहले सड़कों के निर्माण एवं गड्ढों की मरम्मत से संबंधित कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से दिल्ली में लागू प्रदूषण संबंधी प्रतिबंधों के तहत वाहनों को पीयूसी जांच के बाद ईंधन उपलब्ध करवाने की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली। पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश देते हुए उन्होंने डीएफएससी को कार्य में तेजी लाने को कहा। रिठाला-कुंडली मेट्रो लाइन के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्य शुरू होने के बाद यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए वैकल्पिक रूट चिन्हित करने के निर्देश दिए।

अंत्योदय की भावना के साथ जनसेवा को प्राथमिकता दे रही सरकारः डीसी

एजेंसी

झज्जर। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी सजगता व गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। जिला व उपमंडल स्तर पर आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर नागरिकों की समस्याओं के निवारण के लिए प्रभावी मंच साबित हो रहे हैं। यह बात डीसी वर्षा खांगवाल ने गुरुवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जनसुनवाई के दौरान कही। उन्होंने शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को आयोजित होने वाले समाधान शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरल और प्रभावी माध्यम उपलब्ध करवाना है। इन शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहते हैं, जिससे नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अंत्योदय की भावना के साथ जनसेवा को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना जाए तथा उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों की लगातार निगरानी की जा रही है। अब तक प्राप्त अधिकांश शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि लंबित शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

एयर इंडिया विदेश यात्रा के लिए यात्रियों को देगी 'ट्रैवल सिम कार्ड'

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया विदेश यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को 'ट्रैवल सिम कार्ड' देगी।

एयर इंडिया के ब्रांड वाला ट्रैवल सिम कार्ड 'ईजीरोम' टाटा कम्युनिकेशंस के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। इस पर अंतरराष्ट्रीय रोमिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी। विमानन कंपनी ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह अतिरिक्त उत्पाद एयर इंडिया के ब्रांड वाले एक समर्पित वेबपेज पर भौतिक सिम कार्ड के साथ-साथ ई-सिम के रूप में खरीद के लिए उपलब्ध होगा।इस सिम कार्ड के जरिये यात्री अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान मौखिक एवं डेटा सेवाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। एयर इंडिया और टाटा कम्युनिकेशंस दोनों टाटा समूह का हिस्सा हैं। विज्ञप्ति के अनुसार शुरुआत में सिम कार्ड मुफ्त दिया जाएगा, जबकि रोमिंग पैक के लिए शुल्क देना होगा। यह उत्तर अमेरिका, यूरोप (ब्रिटेन समेत), ऑस्ट्रेलिया, एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया के 30 देशों में उपलब्ध होगा।

दिवाली से पहले 100 रुपए किलो तक पहुंच सकते हैं चावल के दाम

तमिलनाडु में कुछ हफ्तों में 20-40 रुपए प्र ति किलो का उछाल

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई का सिलसिला थम नहीं रहा। प्याज, चीनी और एलपीजी के बाद अब दिवाली से ठीक पहले चावल के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। खासकर तमिलनाडु में, जहां पिछले कुछ हफ्तों में चावल 20 से 40 रुपये प्रति किलो तक महंगा हो चुका है, अब प्रीमियम किस्में 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की आशंका है।

इससे आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कारोबारियों के मुताबिक दिवाली से पहले बासमती चावल 85 से 100 रुपये, पोन्नी और सोना मसूरी जैसी प्रीमियम किस्में 48-65 रुपये से बढ़कर 85-100 रुपये में बिक सकती हैं। वहीं, सामान्य चावल भी 40 रुपये से 45-55 रुपये प्रति किलो के बीच हो सकता है। 25-30 किलो के चावल बैग की कीमतों में भी 300 से 600 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कीमतों में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह धान की कम आपूर्ति है। तमिलनाडु जैसे राज्य पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक पर निर्भर हैं, जहां धान का उत्पादन और आवक घटी है। दिवाली जैसे त्योहारों के कारण बढ़ी मांग, इथेनॉल उत्पादन में चावल का उपयोग और अफ्रीकी देशों से टूटे चावल की मजबूत निर्यात मांग ने भी घरेलू कीमतों को हवा दी है। इन कारणों से मिलों में स्टॉक कम हुआ और धान महंगा हो गया, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में अब इलेक्ट्रिक होंगी बाइक टैक्सी, 9 महीने का अल्टीमेटम

- प्रदूषण नियंत्रण और ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकार का बड़ा निर्देश

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में संचालित सभी बाइक टैक्सी कंपनियों, जैसे ओला, उबर और रैपिडो, को एक बड़ा निर्देश दिया है।

उन्हें अगले 9 महीनों के भीतर अपने पूरे बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के बाद महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने आरटीओ और कंपनियों को इस नियम को लागू करने के लिए कहा है। यह कदम राज्य में प्रदूषण कम करने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

इस नियम के तहत वर्तमान में पेट्रोल से चलने वाली बाइक का उपयोग कर रही कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर शिफ्ट होने के लिए 6 महीने का समय मिलेगा। हालांकि, जिन ऑपरेटरों ने महाराष्ट्र बाइक टैक्सी नियम 2025 के तहत प्रोविजनल लाइसेंस के लिए पहले ही आवेदन किया हुआ है, उन्हें 3 महीने का अतिरिक्त समय यानी कुल 9 महीने की मोहलत मिलेगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य तेजी से बढ़ती बाइक टैक्सियों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना है।

यद्यपि शुरुआत में इलेक्ट्रिक बाइक खरीदने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश के कारण बुकिंग महंगी हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में कम परिचालन लागत से यात्रियों को सस्ता किराया और सबसे महत्वपूर्ण, प्रदूषण-मुक्त यात्रा का लाभ मिलेगा। यह निर्णय राज्य में हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1045, निफ्टी 371 अंक गिरा

निवेशकों के 10 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस प्रकार से लगातार दूसरा दिन है जब बाजार नीचे आया है।

बाजार में आई इस गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहना बताया गया है। इससे निवेशकों को करीब 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मार्केट में जारी बिकवाली से शेयरों के दाम तेजी से गिरे जिससे निवेशकों ने निकासी पर जोर दिया। , दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,045.46 अंक गिरकर 71,593.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 के स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में अदाणी इंटरप्राइजेज, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर, आईटीसी और इंटरग्लोब एविएशन शामिल रहे, जबकि इंफोसिस, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक जैसे कुछ शेयरों में ही हल्की बढ़त देखी गई। बाजार में चारों ओर गिरावट का माहौल था, जिसमें ऑटो, एनर्जी, एफएमसीजी, इंफ्रा, मीडिया, मेटल, ऑयल एंड गैस, फार्मा और रियल्टी सेक्टर जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स 2 से 3 फीसदी तक गिरकर बंद हुए। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप

इंडेक्स में भी प्रत्येक में 2 फीसदी से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार में इस बड़ी गिरावट का सबसे प्रमुख कारण कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल है। इसके अलावा अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड बढ़कर 5.35 फीसदी हो गई है, जिससे डॉलर मजबूत हुआ है और उभरते बाजारों से पूंजी की निकासी तेज हुई है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी से इक्विटी बाजार के वैल्यूएशन पर दबाव बढ़ा, जिसका असर बाजार पर साफ दिखा। इतना ही नहीं, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड का 5.3 फीसदी से ऊपर बने रहना भी बड़े शेयरों पर दबाव बनाए रख सकता है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 8 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.83 पर बंद हुआ। सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे बढ़कर 96.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों समेत लगातार बने व्यापक आर्थिक दबावों के बीच रुपये पर दबाव है। इसके अलावा विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा सितंबर में 7,86 अरब डॉलर के उच्चस्तर से केवल तीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 50 अरब डॉलर की गिरावट ने भी निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.71 प्रति डॉलर पर खुला। फिर कुछ संभलकर 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी बढ़कर 102.25 पर रहा।

आरबीआई की सख्ती- डेट फंड और एफडी में अब स्मार्ट निवेश की दरकार

निवेशकों को छोटी अवधि और उच्च क्रेडिट गुणवत्ता पर ध्यान देने की सलाह

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रीपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया है। यह फरवरी 2023 के बाद पहली वृद्धि है। केंद्रीय बैंक ने अपने मौद्रिक नीति के रुख को न्यूट्रल से बदलकर कैलिब्रेटेड टाइटनिंग यानी चरणबद्ध सख्ती कर दिया है, जो भविष्य में दरों में और वृद्धि के संकेत देता है। इस फैसले के बाद डेट म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन अब अवधि का चुनाव महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञ मौजूदा माहौल में शॉर्ट और मीडियम ड्यूरेशन फंड को अधिक आकर्षक मान रहे हैं, क्योंकि दरों में वृद्धि का लंबी अवधि के बॉन्ड पर अधिक नकारात्मक असर होता है। निवेशकों को फिलहाल 1 से 3 साल के अच्छी गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट बॉन्ड और छोटी अवधि के मनी मार्केट फंड पर ध्यान देना चाहिए, जो 7.75 फीसदी से 8.25 फीसदी तक की आकर्षक यील्ड दे सकते हैं। आरबीआई द्वारा भविष्य में दरों में 50 से 75 बेसिस प्वाइंट की और बढ़ोतरी की संभावना है, इसलिए लंबी अवधि के बॉन्ड में तुरंत पैसा लगाने से बचना बेहतर होगा। एफडी दरों में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होगी। अतः, पूरी रकम एक साथ लगाने के बजाय, निवेश को अलग-अलग समय में बांटना समझदारी है। निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता और निवेश अवधि को देखते हुए, विभिन्न मैच्योरिटी और जारीकर्ता में निवेश फैलाना और क्रेडिट क्वालिटी को प्राथमिकता देना चाहिए।

म्युचुअल फंड बाजार में निवेशकों के लिए जल्द आ सकती हैं चार नई स्कीमें

- फंड हाउसों ने स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंपे

नई दिल्ली।

लॉन्ग टर्म निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड बाजार से अच्छी खबर है। जल्द ही चार नई म्युचुअल फंड योजनाएं बाजार में दस्तक दे सकती हैं। विभिन्न फंड हाउसों ने इन स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए हैं, जिनकी मंजूरी का इंतजार है। ये स्कीम्स निवेशकों को लार्ज-मिड कैप इक्विटी, पीएसयू बैंक, हेल्थकेयर और एसेट एलोकेटर जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश का मौका देंगी। इन प्रस्तावित योजनाओं में चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड, मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक ईटीएफ, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग शॉर्ट फंड और यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड शामिल हैं। हालांकि, अभी इनमें निवेश शुरू नहीं हुआ है और सेबी की मंजूरी तथा शर्तों में बदलाव की संभावना बनी हुई है। इन फंड्स में न्यूनतम निवेश राशि अलग-अलग है। चॉइस म्युचुअल फंड में न्यूनतम 1,000 रुपए एकमुश्त या 250/500 रुपए एसआईपी से निवेश शुरू हो सकेगा। वहीं, यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड में 1,000 रुपए एकमुश्त और मासिक एसआईपी के लिए 500 रुपए का निवेश करना होगा। मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक ईटीएफ को स्टॉक की तरह एक्सचेंज पर खरीदा या बेचा जाएगा, जिसकी कोई तय न्यूनतम आवेदन राशि नहीं है। दूसरी ओर, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेटर

लॉन्ग शॉर्ट फंड में सामान्य निवेशकों के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपए का निवेश अनिवार्य है, जिसमें एसआईपी के तहत भी कुल निवेश 10 लाख रुपए होना जरूरी होगा। इन स्कीम्स की निवेश रणनीतियां भी भिन्न हैं। मोतीलाल ओसवाल और यूटीआई के इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से क्रमशः निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर सूचकांकों में शामिल शेयरों को ट्रैक करेंगे। चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड सक्रिय तरीके से वृद्धि की उच्च संभावना वाली लार्ज और मिड कैप कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा। जबकि, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग शॉर्ट फंड बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी, डेट, डेरिवेटिव्स और अन्य साधनों में लचीले ढंग से निवेश कर सकता है।

चीनी पर सरकार का कड़ा रुख, व्यापारियों के लिए स्टॉक सीमा 1000 क्विंटल की

15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगा नियम, 15 दिन में बेचना होगा सारा स्टॉक

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में चीनी की बढ़ती कीमतों से जूझ रही आम जनता को राहत देने और बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब व्यापारियों के लिए चीनी स्टॉक रखने की अधिकतम सीमा घटाकर 1000 क्विंटल कर दी गई है और उन्हें 15 दिनों के भीतर प्राप्त चीनी को बेचना अनिवार्य होगा। यह नियम 15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगा। केंद्र सरकार ने चीनी की कीमतों को नियंत्रित करने और बाजार में इसकी सुचारू उपलब्धता बनाए रखने के लिए यह सख्त कदम उठाया है। इस नए नियम के तहत, व्यापारियों को चीनी प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर उसे बेचना होगा, और वे किसी भी समय 1000 क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख पाएंगे। यह तीसरी बार है जब सरकार ने स्टॉक सीमा में बदलाव किया है। इससे पहले अगस्त में 4000 क्विंटल और 30 दिन की सीमा

थी, जिसे 15 सितंबर को घटाकर 2000 क्विंटल किया गया था। सरकार का यह कड़ा कदम जमाखोरी और कालाबाजारी पर नकेल कसने, तथा यह सुनिश्चित करने के लिए है कि चीनी मिलों से सीधे आम उपभोक्ताओं तक पहुंचे, बजाय इसके कि वह व्यापारियों के पास अटक कर कृत्रिम कमी पैदा करे।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने फिर बढ़ाए डिटर्जेंट के दाम

व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों पर 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

देश में बढ़ती महंगाई के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने आम उपभोक्ताओं को एक और झटका दिया है। कंपनी ने अक्टूबर में अपने लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों की कीमतों में फिर से इजाफा कर दिया है। कंपनी ने विभिन्न उत्पादों की कीमतों में 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की वृद्धि की है। गौरतलब है कि कई उत्पादों के दाम इस साल यह दूसरी से चौथी बार बढ़ाए गए हैं। उदाहरण के लिए, व्हील पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 90 रुपये के बजाय 93 रुपये का हो गया है, जबकि सर्फ एक्सेल ईजी वॉश का 1 किलो पैकेट 167 रुपये से बढ़कर 172 रुपये का हो गया है। वहीं रिन पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 120 रुपये की जगह 123 रुपये में मिलेगा। इन उत्पादों की बढ़ती कीमतें सीधे तौर पर आम परिवारों के मासिक बजट पर बोझ डालेंगी, खासकर उन पर जो नियमित रूप से बड़े पैक खरीदते हैं। इस लगातार हो रही वृद्धि की मुख्य वजह कच्चे माल और पैकेजिंग की लागत में बढ़ोतरी है।

डीओटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस का स्पेक्ट्रम किया रद्द

कंपनी ने बकाया भुगतान और अनिवार्य शर्तों का नहीं किया था पालन

नई दिल्ली ।

अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) को दूरसंचार विभाग (डीओटी) से एक बड़ा झटका लगा है। डीओटी ने उन्हें आवंटित स्पेक्ट्रम को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद आरकॉम अब इन स्पेक्ट्रम का उपयोग करके टेलीकॉम सेवाएं नहीं चला पाएगी, जिससे कंपनी के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। डीओटी ने आरकॉम को 5 अक्टूबर, 2026 को पत्र भेजकर 2010 से 2016 के बीच हुई विभिन्न स्पेक्ट्रम नीलामियों के तहत दिए गए स्पेक्ट्रम को खत्म करने की जानकारी दी। विभाग के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस ने स्पेक्ट्रम से जुड़ी अनिवार्य शर्तों का पालन नहीं किया, जिनमें नेटवर्क शुरू करने की रोलआउट शर्तें और स्पेक्ट्रम के लिए तय भुगतान शामिल हैं। कंपनी ने स्पेक्ट्रम की किस्तों, स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज (एसयूसी) और अन्य बकाया रकम का भुगतान नहीं किया था, खासकर 2010 की नीलामी के स्पेक्ट्रम के मामले में रोलआउट की शर्तें भी पूरी नहीं की गईं थीं। अपनी सफाई में, आरकॉम ने

दिवाला प्रक्रिया (सीआईआरपी) और दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत मिली सुरक्षा का हवाला दिया था, जिसे डीओटी ने अस्वीकार कर दिया। डीओटी की यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के 13 फरवरी, 2026 के फैसले और 7 अगस्त, 2026 को आरकॉम की समीक्षा याचिका खारिज होने के बाद हुई है। डीओटी ने आरकॉम और आरटीएल को तत्काल प्रभाव से उन स्पेक्ट्रम पर आधारित सभी वायरलेस नेटवर्क और सेवाओं का उपयोग बंद करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय आरकॉम की वित्तीय और कारोबारी स्थिति पर गहरा प्रभाव डालेगा, खासकर ऐसे समय में जब कंपनी दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है।

अमेज़न ने फिर की कर्मचारियों की छंटनी

भारत, अमेरिका और ब्रिटेन में 1000 से कम व्हाइट-कॉलर कर्मचारी प्रभावित

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स दिग्गज अमेज़न ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी की है, जिसका असर भारत, अमेरिका और ब्रिटेन में भी देखने को मिला है। कंपनी ने अपने रिटेल बिजनेस से जुड़े 1000 से कम व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

यह छंटनी तब हुई, जब कंपनी का बड़ा शॉपिंग इवेंट प्राइम बिग डील डेज चल रहा था। अमेज़न ने अपने परिचालन को सुव्यवस्थित करने और बेहतर तरीके से काम करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। अमेज़न के अनुसार कंपनी ने अपने रिटेल बिजनेस के कुछ हिस्सों में बदलाव किया है ताकि वह ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर सके। इन बदलावों का मतलब है कि कंपनी अपने काम करने के तरीके और टीम संरचना को फिर से व्यवस्थित कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस छंटनी में रिटेल डिवीजन के अलग-अलग हिस्से प्रभावित हुए हैं, जिनमें कस्टमर सर्विस और सेलिंग पार्टनर सर्विसेज जैसे विभाग भी शामिल हैं। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया है कि किस देश में कितने कर्मचारियों की नौकरी गई है, लेकिन भारत में भी कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब अमेज़न में बड़ी छंटनी हुई है। कंपनी इससे पहले भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को निकाल चुकी है।

पिछले साल शुरू हुई एक बड़ी छंटनी में करीब 30,000 नौकरियां खत्म की गई थीं। अमेज़न के फाउंडर और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन जेफ बेजोस ने भी हाल ही में कंपनी की छंटनी को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग की मांग तेजी से बढ़ने के कारण कंपनी ने बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी पर रखा था, और अब कंपनी उसी बढ़े हुए वर्कफोर्स को मौजूदा जरूरतों के हिसाब से समायोजित कर रही है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में करदाताओं को राहत की उम्मीद

नई दिल्ली ।

जीएसटी परिषद की बैठक में करदाताओं के लिए जीएसटी प्रणाली को सरल और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में कर दरों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, बल्कि प्रशासनिक बोझ को कम करने, कागजी कार्रवाई घटाने और रिफंड व इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी जटिलताओं को दूर करने के प्रस्तावों पर चर्चा होगी। नौ महीनों के विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए ये प्रस्ताव जीएसटी को तकनीक आधारित और अधिक कुशल बनाने की दिशा में अहम हैं, जिसे पीडब्ल्यूसी इंडिया के प्रशांत अग्रवाल जीएसटी 2.0 का दूसरा चरण मान रहे हैं। बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों पर मुहर लग सकती है। आपराधिक मुकदमा शुरू करने की सीमा 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, जिससे छोटे करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही, जीएसटी अधिकारियों के सीधे गिरफ्तारी के अधिकार को हटाने और इसके लिए न्यायिक अनुमति को अनिवार्य बनाने पर भी विचार हो सकता है, जिससे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह 98-99 फीसदी ईमानदार करदाताओं पर से गैर-जरूरी सख्ती का बोझ कम करेगा। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी कई महत्वपूर्ण राहतें भी प्रस्तावित हैं, जिनमें सप्लायर की गलती पर ईमानदार खरीदारों को सुरक्षा देना और कुछ कारोबारी खर्चों (जैसे मोटर वाहन, समूह बीमा) पर आईटीसी की सुविधा बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा, रिफंड प्रक्रिया को तकनीक के माध्यम से तेज करने पर भी जोर दिया जाएगा, जिससे खासकर निर्यातकों को उनकी पूंजी जल्द वापस मिल सके। ईवाई इंडिया के समीर गुप्ता के अनुसार, ये कदम जीएसटी के अगले चरण में अटके टैक्स क्रेडिट, दरों के अंतर और समय पर रिफंड जैसी समस्याओं को दूर कर प्रणाली को कारोबारी हितैषी बनाएंगे।

विशाल निर्मिति का शेयर दो प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

सिविल इंजीनियरिंग, विनिर्माण एवं निर्माण क्षेत्र की कंपनी विशाल निर्मिति लिमिटेड का शेयर अपने 220 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर ने 215 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 2.27 प्रतिशत कम है। बाद में बीएसई पर यह 7.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 204.25 रुपये पर आ गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 539.03 करोड़ रुपये रहा। विशाल निर्मिति लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 1.71 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 208-220 रुपये प्रति शेयर था।आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी की जरूरतों, ऋण चुकाने और सामान्य कारोबारी उद्देश्यों के लिए किया जाना प्रस्तावित है।

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

ललित गर्ग

मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है।

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरूआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।

इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक

मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे।

यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती।

इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकसित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वहनीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर सके।

अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शैवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उत्तर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पूछने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।

संपादकीय

पाक जासूसी का संजाल

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कुछ भारतीय चंद रुपयों व अनियंत्रित काम लिप्साओं के चलते राष्ट्रद्रोही गतिविधियों में लिप्त पाये जाते हैं। ये मामले यदि सेना के अंगों में सामने आते हैं तो मामला बेहद संगीन हो जाता है। आखिर वह क्या मजबूरी है कि कुछ लोग नैतिकता-राष्ट्रभक्ति को ताक पर रख दुश्मन देश को संवेदनशील जानकारी देने लगते हैं। देश में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जब पाकिस्तान की तरफ से महिलाओं के जरिये जवानों को हनी ट्रैप में फंसाया गया हो। कुछ के खिलाफ कार्रवाई भी हुई, लेकिन ये सिलसिला थमा नहीं है। पिछले दिनों एक बार फिर पाकिस्तानी साजिश से चल रहे एक बड़े जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। यह जासूसी नेटवर्क भारतीय नौसेना के ईस्टर्न नेवल कमांड को निशाना बना रहा था। इस गहरी साजिश के पकड़ में आने के बाद हुए खुलासे ने देश की सुरक्षा के लिये खतरे की घंटी बजा दी है। यह संगीन मामला बताता है कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को न सिर्फ आधुनिक तकनीक से, बल्कि इंसान की चारित्रिक दुर्बलताओं से भी बड़ा खतरा है। पाकिस्तानी सेना व खुफिया एजेंसियों का यह संजाल कितना बड़ा था, वह इस बात से पता चलता है कि आंध्र प्रदेश काउंटर इंटेलिजेंस सेल ने नेवल इंटेलिजेंस, एंटी- टेररिज्म स्कवॉड और 10 राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर यह 'ऑपरेशन फायरवॉल' चलाया। व्यापक छानबीन के बाद इस ऑपरेशन में 18 संदिग्धों की पहचान की गई। दुर्भाग्य की बात यह है कि इसमें शामिल लोगों में से 13 नौसेना के कर्मचारी थे। दरअसल, पाकिस्तान की तरफ से जासूसी की साजिश आधुनिक व डिजिटल तकनीक के जरिये अंजाम दी गई। पाकिस्तानी इंटेलिजेंस के लोग फर्जी पहचान का इस्तेमाल करते थे। वे फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिये महिलाओं के तौर पर बात करते थे। ये कथित महिलाएं नौसेना के जवानों को मोहपाश में बांधकर फेसबुक से व्हाट्सएप तक ले जाती थीं। फिर इनकी कमजोर नस पर हाथ रखकर या भयादोहन करके नौसेना की संवेदनशील जानकारी जुटाई जाती थी। आरोप है कि फेसबुक पर सुंदर महिलाओं की फोटो लगाकर, निजी बातचीत करके, रोमांटिक बातों से लुभाकर, वीडियो कॉल और पैसों का लालच देकर लोगों को जाल में फंसाया जाता था। फिर ट्रैप में फंसे लोगों को लालच या भय दिखाकर- नेवी के जहाजों, पनडुब्बियों, कमांडरों और संवेदनशील ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश की जाती थी। इस साजिश में भारतीय सिम कार्ड, चोरी किए गए या शेयर किए गए व्हाट्सएप एक्टिवेशन ओटीपी और क्रिप्टोकरेंसी से पेमेंट का इस्तेमाल किया जाना बताता है कि जासूसी का नेटवर्क बेहद शातिर और व्यवस्थित तरीके से चलाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हमारी सुरक्षा के लिये तैनात चंद काली भेड़ें पाकिस्तान के जासूसी संजाल में फंसकर राष्ट्रीय हितों पर कुठाराघात कर रही थीं।

चिंतन-मनन

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है -

बुद्धैय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाचः फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है।

धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

चिट्ठियों से अनंत संभावनाओं तक : 260 साल की भारतीय डाक यात्रा

योगेश कुमार गोयल

डाक टिकट की कहानी, बदलती दुनिया की निशानी...

हमारे दैनिक जीवन में डाक के महत्व को दर्शाने तथा इसकी उपयोगिता साबित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 9 अक्तूबर को ह्यविश्व डाक दिवसह्न मनाया जाता है। 9 अक्तूबर 1874 को स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद ह्ययूनिवर्सल पोस्टल यूनियनह्न का गठन किया गया था। 1 जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बना, जो इसकी सदस्यता लेने वाला पहला एशियाई देश था। 1874 में गठित हुई ह्ययूनिवर्सल पोस्टल यूनियनह्न की याद में जापान के टोक्यो में 9 अक्तूबर 1969 को आयोजित विश्व डाक संघ के सम्मेलन में इसी दिन ह्यविश्व डाक दिवसह्न मनाए जाने की घोषणा की गई और तभी से प्रतिवर्ष 9 अक्तूबर को ही अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवा दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष विश्व डाक दिवस की थीम ह्यविश्व डाक दिवसः एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएंह्न है। यह थीम बदलते समय में डाक व्यवस्था की व्यापक और बहुआयामी भूमिका को रेखांकित करती है। आज डाकघर केवल चिट्ठियां और पार्सल पहुंचाने का माध्यम नहीं बल्कि नागरिकों, व्यवसायों और सरकार के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण सेतु बन चुका है। एकीकृत डाक नेटवर्क के माध्यम से बैंकिंग, बीमा, बचत, पेंशन, डिजिटल भुगतान, आधार, पासपोर्ट, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स जैसी अनेक सेवाएं लोगों को एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में डाक नेटवर्क वित्तीय समावेशन तथा आवश्यक नागरिक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिजिटल युग में डाक व्यवस्था तकनीक, नवाचार और मानवीय विश्वास का समन्वय करते हुए स्वयं को लगातार नए रूप में ढाल रही है। यह थीम स्पष्ट करती है कि एक मजबूत और आधुनिक डाक नेटवर्क केवल संदेश नहीं पहुंचाता बल्कि विकास, अवसर और समावेशन को भी अंतिम छोर तक पहुंचाता है।

विश्व डाक दिवस का उद्देश्य ग्राहकों के बीच डाक विभाग के उत्पादों के बारे में जानकारी देना, उन्हें जागरूक करना और डाकघरों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। भारत में पहली बार सन् 1766 में ब्रिटिश शासनकाल में लॉर्ड क्लाइव द्वारा डाक व्यवस्था की शुरूआत की गई थी, जिसका विकास करते हुए 1774 में वारेन हेस्टिंग्स ने पहला डाकघर कोलकाता में स्थापित किया था। उसके बाद 1786 में चेन्नई और 1793 में मुम्बई में जनरल डाकघर स्थापित किए गए। जहां तक डाक टिकटों की शुरूआत की बात है तो देश में डाक टिकटों की शुरूआत ब्रिटिश शासनकाल में ही वर्ष 1852 में हुई थी लेकिन उस समय जारी किए गए टिकट केवल सिंध प्रांत में ही चल सकते थे। हालांकि विश्व में डाक टिकटों का इतिहास करीब 186 वर्ष पुराना है। डाक टिकटों की शुरूआत कब, क्यों और कैसे हुई, इसका भी दिलचस्प इतिहास है। डाक टिकटों की विधिवत शुरूआत 6 मई 1840 को हुई थी, जब एक पैनी मूल्य का विश्व का पहला डाक टिकट जारी किया गया था, जिसे ह्यब्लैक पैनीह्न के नाम से जाना गया क्योंकि यह डाक टिकट काली स्याही से छापा गया था। इस डाक टिकट के अस्तित्व में आने से पूर्व डाक टिकटों के स्थान पर ह्यठप्पा टिकटोंह्न का प्रयोग होता था, जो आयताकार, गोलाकार, त्रिकोणाकार अथवा अंडाकार होते थे और इन ठप्पों पर ह्यपोस्ट पेडह्न अथवा ह्यपोस्ट नोन पेडह्न इत्यादि लिखा होता था।

प्राचीन काल में डाक सेवा का उपयोग राजा-महाराजा अथवा शाही घरानों के लोग ही करते थे और उस वक्त पत्रों अथवा संदेशों को लाने-ले जाने का काम उनके विशेष संदेशवाहक या दूत अथवा कबूतर या अन्य पशु-पक्षी करते थे, जिन्हें बाकायदा इस काम के प्रशिक्षित किया जाता था लेकिन बाद में जब आम लोगों को भी इसकी जरूरत महसूस होने लगी तो तय किया गया कि पत्रों की आवाजाही के शुल्क का भुगतान या तो पत्र प्रेषक करेगा अथवा प्राप्तकर्ता से शुल्क लिया जाएगा लेकिन अक्सर होने यह लगा कि प्रेषक पत्रों को अग्रिम भुगतान किए बिना ही भेज देता और प्राप्तकर्ता उसे लेने के बजाय वापस लौटा देता और तब प्रेषक भी शुल्क के भुगतान से बचने के लिए उसे लेने से इन्कार कर देता। इससे सरकार को अनावश्यक आर्थिक क्षति झेलनी पड़ती थी। सरकार को डाक व्यवस्था की खामियों की वजह से लगातार हो रहे आर्थिक नुकसान के मद्देनजर ब्रिटिश सरकार को प्रसिद्ध आर्थिक सलाहकार रोलेण्ड हिल ने सलाह दी कि वह डाक व्यवस्था में मौजूद दोषों अथवा खामियों को दूर करने के लिए इसमें कुछ अनिवार्य संशोधन करे और डाक शुल्क के अग्रिम भुगतान के रूप में डाक टिकट तथा शुल्क अंकित लिफाफे जारी करे ताकि इनके जरिये अग्रिम डाक शुल्क प्राप्त हो जाने पर सरकार को घाटा न झेलना पड़े। अंततः ब्रिटिश सरकार ने काफी जद्दोजहद के बाद उनका सुझाव स्वीकार कर लिया और तब तक चले आ रहे ठप्पा टिकटों के बजाय डाक टिकटें जारी करने का फैसला कर लिया गया। इस प्रकार 10 जनवरी 1840 को डाक टिकट का आविष्कार हो गया, जो एक पैनी मूल्य का था लेकिन इसको विधिवत 6 मई 1840 को ही जारी किया गया। इस तरह यह विश्व का पहला डाक टिकट बन गया।

आधा औंस वजन तक के पत्रों के लिए डाक टिकट का मूल्य एक पैनी और एक औंस वजन के लिए दो पैनी निर्धारित किया गया। इसके अलावा जो लोग निजी लिफाफों या रैपरों के बजाय डाक विभाग द्वारा मुद्रित सामग्री का ही प्रयोग करना चाहते थे, उनके लिए एक पैनी व दो पैनी मूल्य के लिफाफे जारी किए गए। इसके करीब तीन वर्ष बाद दुनिया के अन्य देशों में भी डाक टिकटों का प्रचलन शुरू हो गया। ब्राजील में 1843 में, अमेरिका में 1847 में, बेल्जियम में 1849 में और भारत में 1854 में पहली बार डाक टिकट जारी किए गए। आज लगभग हर देश में वहां के डाक टिकटों की एक बेहतरीन श्रृंखला मिल जाएगी। यही नहीं, कुछ लोग तो ऐसे भी मिलेंगे, जिन पर डाक टिकटों का संग्रह करने का ऐसा जुनून सवार रहता है कि उनके पास आरंभ से लेकर अब तक के अधिकांश डाक टिकटों की दुर्लभ श्रृंखला मिल जाएगी। डाक टिकटों के ऐसे शौकीनों की आज दुनिया भर में कोई कमी नहीं है। अमेरिका के जेम्स रूक्सिन नामक व्यक्ति के पास तो विश्व के प्रथम डाक टिकट से लेकर अब तक के लगभग तमाम दुर्लभ डाक टिकटों का संग्रह है और उनके संग्रह में 40 हजार से भी अधिक डाक टिकट शामिल हैं। डाक टिकट जितना पुराना और दुर्लभ होता है, उसकी कीमत भी उतनी ही बढ़ जाती है और डाक टिकटों का संग्रह करने के शौकीन कुछ व्यक्ति तो उसे हासिल करने के लिए मुंहमांगी कीमत देने को भी तैयार रहते हैं।

रंगमंच का वो कबीर चला गया... अलविदा नाना

दिलीप कुमार पाठक

किताबों की बातें करने वाले, हमेशा दिल से जीने वाले नाना। इतने बड़े फनकार बने आप, पूरी दुनिया ने आपकी अदाकारी को सलाम किया और सम्पूर्ण अदाकार का खिताब दिया, लेकिन आप अपनी आखिरी सांस तक वही ठेठ गाँव के सीधे-सादे इंसान ही रहे। अपनी ही मस्ती में, अपनी ही रफ्तार से चलने वाले एक अलबेले मुसाफि र। जिसकी अपनी एक अलग ही दुनिया थी।

आपकी वो सादगी और बेलौस अंदाज ऐसा था कि बड़े से बड़े लोग आपके सामने मद्धम पड़ जाते थे। कमाल का था आपका रूतबा। जब दिल किया, किसी की भी खुलकर तारीफ कर दी और जब गुस्सा आया, तो सामने कोई भी हो, बिना डरे खरी-खरी सुना दी। आपका कोई तय ढर्रा या बंदिश नहीं थी, न किसी दल में न दलदल में। आपकी तो बस एक ही अपनी विचारधारा थी - प्रेम, सद्भाव और मानवता। इस बेढंगी दुनिया में एक शानदार इंसान रहे हैं आप। आपको एक अभिनेता से बढ़कर एक खरे इंसान के रूप में याद किया जाएगा। सचमुच आप सिनेमा के कबीर थे।

इतनी शोहरत और नेशनल अवॉड्र्स जीतने के बाद भी आप अक्सर कितनी मासूमियत से कहते थे, यार, मुझे अच्छी हिंदी आती तो मैं बहुत अच्छा एक्टर बन जाता... मुझे गुस्सा बहुत आता है, मैं दिखने में भी अच्छा नहीं हूँ... लेकिन हाँ, कुछ करने का जज्बा है। यही जज्बा आपको सबसे अलग और एक नायाब शख्सियत बनाता था। विश्वसनीयता ऐसी थी कि लोग ऐसे बोलते थे जैसे आप देश के हर आदमी के अपने हैं जैसे हर कोई आपके साथ उठता-बैठता रहा हो कि यार नाना पाटेकर कभी झूठ नहीं बोल सकते।

निहायत ही ईमानदार आदमी, हमेशा बेबाक बोलना, दूसरों की दिल खोलकर तारीफ करना, और हमेशा सीखने की ललक इसी एटिट्यूड के साथ आप अभिनय के शिखर पर पहुंचे, आपका अभिनय कोई किताबी थ्योरी नहीं था, वो तो जिंदगी के कड़वे तजुर्बों की भट्टी में तपकर निकला हुआ सोना था। गमन से शुरू हुआ आपका ये सफर परिंदा, प्रहार, क्रांतिवीर और नटसम्राट जैसी बेहतरीन फिल्मों से गुजरते हुए भारतीय सिनेमा की सबसे ऊंची मिसाल बन गया। कैमरे के सामने आपकी खामोशी में भी एक अजीब सी चीख होती थी और जब आप दहाड़ते थे, तो थियेटर के परदे कांप उठते थे।

आपके वो कड़क डॉयलाग महज सिनेमा की लाइनें नहीं थे, वे इस समाज के दोगलेपन पर करारे तमाचे थे। जब आपने क्रांतिवीर में चीखकर कहा था, आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने...! तो लगा था जैसे देश का हर आम आदमी इस खोखले सिस्टम के सामने अपनी बेबसी रो रहा है। और जब आपने अपने हाथ की नसें काटकर दिखाया, ये ले मुसलमान का खून, ये हिंदू का खून... बता इसमें मुसलमान का कौन सा, हिंदू का कौन सा...? तब मजहब की झूठी दीवारें एक झटके में ढह गई थीं। उन संवादों में कोई बनावटी शब्द नहीं थे, उसमें आम आदमी का लहू बोलता था। उस आवाज में एक अजीब सा जादू था, जो धमकी भी लगती थी, हंसी भी और सबसे बढ़कर–एक सच्चा कबूलनामा भी।

आपकी इसी बेलौस फितरत का एक वाकया पूरी दुनिया को हमेशा याद रहेगा। जब सरकार की तरफ से आपको देश के बड़े नागरिक सम्मान पद्म श्री देने का एलान हुआ, तो आपकी बेबाकी वहां भी सिर चढ़कर बोली। आपने बिना किसी हिचकिचाहट के सीधे पूछ लिया था, ये अवॉर्ड आखिर किस लिए दिया जा रहा है मुझे? वहां से जवाब आया कि आपने कला के जरिए समाज की बहुत सेवा की है, देश का नाम रोशन किया है। इस पर आपने जो जवाब दिया, उसने सबकी बोलती बंद कर दी थी। आपने मुस्कुराकर कहा था, अजी छोड़ो यार, ये कैसा सम्मान? मैंने जो भी काम किया, उसके बदले प्रोड्यूसर से पूरे पैसे वसूल किए हैं... जब काम के बदले दाम ले लिया, तो फिर ये समाजसेवा कैसी और ये सम्मान क्यों? ऐसी खरी और सच्ची बात कहना सिर्फ और सिर्फ आपके ही बस की बात थी।

खेत से खुद उगा कर खाना और मुंबई से कमाकर लाना और किसानों की मदद में लुटा देना। यार नाना, ये दिलदारी सिर्फ आपको ही आती थी। करोड़ों की गाड़ियाँ खरीदने की बजाय अपनी गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा चुपचाप तंगहाल किसानों की झोली में डाल देना, नाम फाउंडेशन बनाकर महाराष्ट्र के सूखे खेतों में ज़िंदगी की नई उम्मीद बोना। ये काम कोई मामूली एक्टर नहीं, सिर्फ एक रूहानी इंसान ही कर सकता था। आप

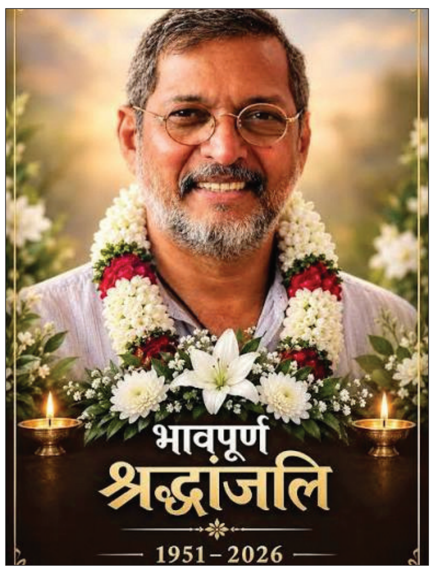

हमेशा जमीन से जुड़े रहे, मुंबई की चकाचौंध के बीच रहकर भी अपनी फकीरी का दामन थामे रखा। आज रंगमंच का वो काबिले-तारीफ सितारा सच में टूट गया है। आप इस फानी दुनिया को अलविदा कहकर, उस पार के एक नए मंच की ओर निकल गए हैं। मौत का तमाशा देखने आई इस दुनिया को अपनी बेबाकी से निरुत्तर करके आप जा चुके हैं।यार नाना, आपकी ये बेलौस ईमानदारी, वो बेढंगा लेकिन खूबसूरत अंदाज बहुत याद आएगा। अलविदा नाना।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

रूसी राष्ट्रपति पुतिन से बहुत जल्द होगी बात, रूस-यूक्रेन युद्ध पर गहरी चर्चा जारी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस पर जल्द ही कुछ और जानकारी दे सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। ट्रंप ने मरीन वन से उतरने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने पुतिन से बात की है और अमेरिका का अगला कदम क्या होगा, तो ट्रंप ने कहा, 'मेरी एक कॉल तय है।' जब पूछा गया कि बातचीत कब होगी, तो ट्रंप ने जवाब दिया, 'बहुत जल्द। एक रिपोर्टर ने फिर पूछा कि क्या यह कॉल इसी हफ्ते होगी और अमेरिकी खुफिया एजेंसियां रूस में हो रहे घटनाक्रमों के बारे में क्या कह रही हैं। इस पर ट्रंप ने कहा, 'अभी तक, हम बहुत गहरी चर्चा में हैं। हम शायद कल इसके बारे में रिपोर्ट कर पाएंगे।' ट्रंप ने कहा है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। सोमवार को मैरीलैंड के स्पैरो पॉइंट में अलग से बात करते हुए उन्होंने माना कि यह संघर्ष शुरू में जितना सोचा था, उससे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा, 'मैंने आठ युद्ध खत्म किए। हमने अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म नहीं किया है। मैं उस पर काम कर रहा हूं। मुझे लगा था कि वह मेरे लिए सबसे आसान होगा, लेकिन वह भी बहुत जल्द होने वाला है।' ट्रंप ने कहा, 'उस जंग में बहुत सारे लोग मारे जा रहे हैं, ये बेहद दुखद है। जो कुछ हो रहा है वो ठीक नहीं है, लेकिन यकीन मानिए, भले ही ऐसा न लग रहा हो, लेकिन हम इसके खत्म होने के करीब पहुंच रहे हैं।

इजराइल के लिए फिर से उड़ान शुरू करने की कोशिश में फ्लाईदुबई, मिला झटका

दुबई , एजेंसी। फ्लाईदुबई के विमान में हुई घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर दिया है. कट्टरपंथी सोच वाले ओमानी को-पायलट हम्माम अल-हम्मामी ने कैसे विमान को तबाह करने की साजिश रची थी, इससे हर कोई हैरान है. इस बीच खबर है है कि फ्लाईदुबई ने इजराइल के लिए अपनी हवाई उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. क्योंकि 30 सितंबर की घटना की जांच अब अंतिम चरण में है. हालांकि इसे नमंजूर कर दिया गया है. रिपोर्ट के मुताबिकफ्लाईदुबई ने इज़राइल के लिए उड़ानें फिर से शुरू करने की मंजूरी मांगी है. फ़्लाईदुबई का कहना है कि विमान में हुई घटना की जांच जांच पूरी हो रही है, ऐसे में उसे फिर से उड़ानें फिर से शुरू करने दिया जाए. हालांकि इजराइल की परिवहन मंत्री मिरी रेगेव ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अभी इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है. चैनल 13 की रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईदुबई ने यह अनुरोध उसके एक विमान के को-पायलट द्वारा आतंकी हमला करने की कोशिश के एक हफ़्ते बाद किया गया है. एयरलाइन का कहना है कि हमले की जांच पूरी हो रही है और कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है. रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के अधिकारियों को भी अगले हफ़्ते दुबई का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

'न तेल, न इकोनॉमी.. कुछ नहीं बचा, ईरान बर्बाद हो गया', डोनाल्ड ट्रंप का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा है कि ईरान बुरी तरह से बर्बाद हो चुका है। उन्होंने व्हाइट के बाहर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था बेहद खराब स्थिति में है और वहां महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के तेल मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। ट्रंप के मुताबिक ईरान के पास न अर्थव्यवस्था बची है और न ही तेल। वहीं उन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को बेहद मजबूत बताया और कि इसकी वजह डॉलर है। उन्होंने कहा कि मजबूत डॉलर कई मायनों में फायदेमंद है। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है। महंगाई चरम पर है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में महंगाई लगभग 300 प्रतिशत है। उनके पास न तो तेल बचा है और न अर्थव्यस्था बची है। उनके तेल मंत्री ने हाल में इस्तीफा दे दिया। बता दें कि ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने 4 अक्टूबर को इस्तीफा दिया था, जिसे राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने स्वीकार कर लिया। नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के सीईओ हामिद बोवार्ड को अस्थायी तेल मंत्री नियुक्त किया गया है।

भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में 'भारतीयता का एक हिस्सा' पहुंचा रहे: राजदूत क्वात्रा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा है कि भारतीय मसाले अमेरिकी घरों में 'भारतीयता का एक हिस्सा' पहुंचा रहे हैं क्योंकि इनकी लोकप्रियता अब केवल स्वाद तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सेहत, वेलनेस और रोजमर्रा की खान-पान की आदतों तक भी फैल गई है। क्वात्रा ने कहा कि अमेरिका में भारतीय मसालों की बढ़ती मौजूदगी एक ऐसे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाती है जो उनके कमर्शियल महत्व से कहीं अधिक है। इंडिया हाउस में भारतीय मसालों के सम्मान में आयोजित एक खास कार्यक्रम में क्वात्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि मसाले सिर्फ व्यापार से कहीं ज्यादा हैं। मेरे निजी नजरिए से ज्यादा जरूरी बात यह है कि इन मसालों के जरिए हम अमेरिकी घरों तक भारतीयता का एक बहुत अहम हिस्सा पहुंचाते हैं।'

इस कार्यक्रम में अमेरिकन स्पाइस ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, फूड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि और मेहमान भारतीय राजदूत के आवास पर इकट्ठा हुए। क्वात्रा ने मसालों को भारतीय सभ्यता की एक ऐसी अटूट कड़ी बताया जो आज के भारतीय घरों को हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से जोड़ती है। क्वात्रा ने कहा, 'मैं हमेशा लोगों से कहता हूं और मेरा पक्का यकीन है कि अगर कोई एक चीज है जो हजारों साल पुरानी पीढ़ियों से भारतीय समाज में नहीं बदली है, तो वह हैं मसाले। मैं वही मसाला इस्तेमाल करता हूं जिसकी आदत मेरी मां ने मुझे डाली थी, उन्होंने वही मसाला इस्तेमाल किया जिसकी आदत उनकी मां ने उन्हें डाली थी, और यह कहानी पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है।' क्वात्रा ने कहा कि यह परंपरा अब भारत के बाहर भी अपनी जगह बना रही है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस विस्तार का नेटवर्क अब पूरी दुनिया में फैल गया है। राजदूत ने हल्दी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारतीय जीवन का एक अहम हिस्सा रही यह चीज अब आधुनिक अमेरिकी फूड कल्चर का हिस्सा बन गई है। क्वात्रा ने 2010 से 2013 के बीच वॉशिंगटन में अपनी पिछली पोस्टिंग को याद करते हुए कहा कि उन्हें उस समय अमेरिकी कैफे में हल्दी वाला लट्टे देखने को नहीं मिला था। उन्होंने कहा, 'मुझे याद नहीं है कि मैं अमेरिका में किसी कैफे में गया होऊं और वहां हल्दी वाला लट्टे देखा हो। मुझे नहीं लगता कि यह कैफे के मेन्यू में शामिल था।' क्वात्रा ने अमेरिकी कैफे में इसकी हालिया लोकप्रियता की तुलना भारत में सदियों से हल्दी के इस्तेमाल और आयुर्वेद में इसकी अहमियत से की। उन्होंने कहा कि पारंपरिक भारतीय व्यवस्था में हल्दी ने 'बहुत ही अहम और महत्वपूर्ण भूमिका' निभाई है। आईएएनएस के साथ एक अलग बातचीत में क्वात्रा ने कहा कि भारतीय मसालों का इतिहास हजारों साल पुराना है और अमेरिकी लोग इनसे तेजी से परिचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए सबसे खुशी की बात यह है कि पिछले कुछ सालों में हम न सिर्फ अमेरिकी घरों तक भारतीय मसाले पहुंचा पाए हैं, बल्कि अमेरिकी समाज को भारतीय मसालों के समग्र और स्वास्थ्य संबंधी फायदे के बारे में भी समझा पाए हैं। इसलिए, अमेरिकी समाज में भारतीय मसालों का इस्तेमाल या उनका प्रसार सिर्फ खाने के स्वाद तक ही सीमित नहीं है। असल में, यह जिंदगी का स्वाद है क्योंकि यह आपके शरीर और आपकी समग्र सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। क्वात्रा ने कहा कि मकसद यह था कि भारतीय मसाले अमेरिकी खान-पान की आदतों में गहराई से शामिल हो जाएं।उन्होंने कहा, 'सोच यह है कि भारतीय मसाले न सिर्फ अमेरिकी समाज में दूर-दूर तक फैलें बल्कि अमेरिकी खानपान की आदतों का भी हिस्सा बन जाएं।' राजदूत ने मसालों में बढ़ती दिलचस्पी को खाने-पीने के एक और मौजूदा ट्रेंड, ऑर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता से भी जोड़ा। उन्होंने तर्क दिया कि जिसे आज आधुनिक और सेहतमंद खान-पान कहा जाता है, उसकी जड़ें अक्सर पुराने खान-पान के तरीकों में होती हैं। क्वात्रा ने कहा, 'मेरा मतलब है, हम कहते हैं कि ऑर्गेनिक फूड आजकल बहुत ट्रेंड में है। असल में ऑर्गेनिक फूड तो पुराना खाना है और पुराना सेहतमंद खाना है। तो एक तरह से आधुनिक ट्रेंड अपनी जड़ों की ओर लौटना है, कम से कम इस मामले में तो। खाने और मसालों के मामले में तो निश्चित रूप से ऐसा ही है।' क्वात्रा ने कहा कि ग्राहकों के साथ लंबे समय तक चलने वाला रिश्ता बनाने के लिए सिर्फ मसालों की मार्केटिंग काफी नहीं है। उनके इतिहास और खाने-पीने व जीवनशैली के साथ उनके रिश्ते को समझना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'यह मेरी परवरिश का हिस्सा है। और मुझे नहीं लगता कि आप मसालों की मार्केटिंग उस तरह से कर सकते हैं।' भारतीय मसाले सदियों से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचे हैं। दुनिया के दूसरे देशों के साथ भारत के ऐतिहासिक व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों में इन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी नहीं हो रहा कोई विचार: मार्को रुबियो

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रूबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के 'ट्रेंड' पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। रूबियो ने कहा, 'जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है। वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरगेरदुर कैट्रिन गुन्नार्सडॉटिर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रूबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब नहीं है। रूबियो ने कहा, 'अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।' रूबियो ने संकेत दिया कि वॉशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, 'हम जाहिर तौर पर वहां के हालात के ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है। उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और 'हाई नॉर्थ' (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रुबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वॉशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, 'असलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। रुबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खास है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन रेकजाविक के साथ और सहयोग पर बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अपनी भौगोलिक स्थिति की वजह से आइसलैंड और उसकी लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि 'हाई नॉर्थ' में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछी केबलों और शिपिंग लेन को होने वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।

लॉस एंजिल्स से सैन डिएगो तक... अमेरिका के इन 13 शहरों पर एक साथ हमला कर सकता है ईरान

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के कम से कम 13 शहरों पर ईरान हमला कर सकता है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसकी आशंका है, जिसके बाद इन शहरों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं. मंगलवार (6 अक्टूबर) को एक रैली में ट्रंप ने कहा कि ईरान लॉस एंजिल्स और सैन डिएगो पर हमला करना चाहता है. उन्हें कोशिश करने दीजिए. हम अपनी सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त कर रहे हैं. ट्रंप ने आगे कहा कि शहरों को सुरक्षित रखने के लिए हम कुछ ज्यादा खर्च कर रहे हैं. यह कुछ दिनों की बात है. ट्रंप का यह बयान ऐसे वक्त में सामने आया है, जब ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अमेरिका के शहरों पर हमले की चेतावनी दी है. इतना ही नहीं, ईरान की चेतावनी के बाद अमेरिका ने ब्रिटेन के फेयरफोर्ड से अपने बी-2 बॉम्बर वापस बुला लिए हैं. यहां ईरान ने ड्रोन हमले की चेतावनी दी थी.

हमले की जद में अमेरिका का ये 13 शहर : अमेरिका की संघीय सरकार ने उच्च जोखिम वाले शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए बजट बढ़ाने का फैसला किया है. जिन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था पर ज्यादा खर्च करने का फैसला किया गया है, उनमें राजधानी वाशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क सिटी, ह्यूस्टन, शिकागो, अटलांटा, बोस्टन, डेनवर, मियामी, न्यू ऑरलियन्स, फीनिक्स/मैरिकोपा काउंटी, सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र, सिएटल और लॉस एंजिल्स शामिल हैं. अमेरिका ने 2010 की एक जीएसओ रिपोर्ट के आधार पर इन शहरों की सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाने का फैसला किया है. इस रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका का ये 13 शहर आतंकियों की रडार पर है. ईरान ने कुछ महीने पहले ब्रिटेन के फेयरफोर्ड बेस पर हमले की चेतावनी दी थी. पिछले हफ्ते ईरान से जुड़े 5 लोगों को बेस के पास रेकी करते हुए देखा गया. डेली मेल के मुताबिक ईरान इस बेस पर ड्रोन हमला करना चाहता था, जिससे अमेरिका का बी-2 बॉम्बर को बेस पर ही नष्ट किया जा सके. अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरानी खतरे को देखते हुए यह फैसला लिया गया. यानी अमेरिका को लगता है कि ईरान इस वक्त कोई भी प्रॉक्सी हमला करा सकता है।

फोर्ट हुड केस: 13 लोगों की हत्या के दोषी निडाल हसन को 3 दिसंबर को मिलेगी सजा-ए-मौत, क्या है फायरिंग स्क्वाड

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास स्थित फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर साल 2009 में गोलीबारी कर 13 लोगों की जान लेने वाले पूर्व सैन्य अधिकारी निडाल मलिक हसन को 3 दिसंबर को मौत की सजा दी जाएगी। अमेरिकी सेना के कार्यवाहक सचिव एडम टेल ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। हसन को फायरिंग स्क्वॉड यानी गोली मारकर मौत की सजा दी जाएगी। अमेरिकी सेना में 1961 के बाद से किसी को भी मौत की सजा नहीं दी गई है। ऐसे में यह मामला एक बार फिर अमेरिका की सैन्य न्याय व्यवस्था को चर्चा में ले आया है।

ट्रंप की मंजूरी के बाद आगे बढ़ी सजा की प्रक्रिया : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सोमवार को बताया था कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हसन को मौत की सजा देने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद सेना ने सजा को अमल में लाने की दिशा में जरूरी प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। कार्यवाहक सेना सचिव एडम टेल के मुताबिक, सजा टेक्सास के फोर्ट हुड सैन्य अड्डे पर ही दी जाएगी, जहां हसन ने 2009 में इस जानलेवा हमले को अंजाम दिया था।

मेडिकल जांच कराने पहुंचे सैनिकों पर बरसाई थीं गोलियां : नवंबर 2009 में निडाल हसन फोर्ट हुड के एक मेडिकल भवन में पहुंचा था। उस समय वहां सैनिक अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के लिए मौजूद थे। हसन ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के दौरान उसने 'अल्लाहु अकबर' कहा, जिसका अर्थ है 'ईश्वर महान है'। उसने लेजर साइट वाली पिस्तौल से गोलियां चलाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर रख दिया था। हसन अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक के पद पर तैनात था। मुकदमे के दौरान उसने अपने बचाव में बहुत कम दलीलें दीं। उसने जूरी से कहा था कि सबूत यह साबित कर देंगे कि गोली चलाने वाला वही था। उसने खुद को ऐसा सैनिक बताया था, जिसने अपना पक्ष बदल लिया है। हसन ने यह भी कहा था कि उसका मकसद सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने साथी मुसलमानों को मारने से रोकना था। उसके इस बयान ने मामले को और भी संवेदनशील बना दिया था। राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी मिलने के बाद भी हसन की सजा पर अमल करना इतना आसान नहीं है। अमेरिकी सैन्य कानून के तहत जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा, हसन के पास नागरिक संघीय अदालत में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करने का विकल्प भी है। इस कानूनी प्रक्रिया के जरिए वह अपनी हिरासत या सजा को चुनौती दे सकता है। मई में 'आर्मी लॉयर' पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के मुताबिक, अगर हसन इस रास्ते का इस्तेमाल करता है, तो फांसी की प्रक्रिया रुक सकती है और मामला कई साल तक खिंच सकता है। ऐसे में 3 दिसंबर की तारीख तय होने के बावजूद यह देखना बाकी है कि सजा निर्धारित समय पर दी जा सकेगी या नहीं।

यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूसी तट के पास भारतीय क्रू मेंबर वाले तेल टैंकर में लगी आग

मॉस्को , एजेंसी। रूस के काला सागर तट के पास लाइबेरिया के झंडे वाले एक ऑयल टैंकर पर यूक्रेनी ड्रोन हमले से आग लग गई। इस टैंकर पर सभी क्रू मेंबर भारतीय थे। रूसी परिवहन मंत्रालय ने बताया कि सभी 23 क्रू मेंबर को सुरक्षित बचा लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, टैंकर पर 'नेवल ड्रोन' से हमला किया गया, जिसके बाद काला सागर में कच्चे तेल में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि शुरू में दमकलकर्मी इसे बुझा नहीं पाए। रूस के परिवहन मंत्रालय ने कहा कि आग की तीव्रता कम होने पर दमकलकर्मी इसे काबू में करने की एक और कोशिश करेंगे। मंत्रालय ने बताया कि हमले के बाद क्रू के सभी 23 सदस्यों को बचा लिया गया। यह घटना काला सागर तट पर स्थित रूस के लोकप्रिय रिसॉर्ट शहर सोची के पास हुई, जिसकी आबादी लगभग 5

लाख है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में समुद्र में तेज नारंगी रंग की लपटें उठती दिख रही हैं जबकि सोची के पास आसमान में काले धुएं का गुबार उठता देखा जा सकता है। शहर के मेयर ने सोशल मीडिया पर कहा कि घटना के बाद तट और समुद्र तटों (बीचेस) तक लोगों की पहुंच पर रोक लगाई जा रही है। टैंकर पर यह हमला रोमानियाई तट के पास एक और जहाज में आग लगने और उसके डूबने के एक दिन बाद हुआ। उस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक अन्य लापता हो गया था। यूक्रेन ने कहा कि ड्रोन हमला रूस ने किया था। उस घटना में एक भारतीय क्रू सदस्य भी घायल हुआ था। 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से काला सागर के आसपास कमर्शियल शिपिंग पर हमले बढ़े हैं। जारी संघर्ष के बीच रूस और यूक्रेन ने ही इस क्षेत्र में जहाजों और समुद्री बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। हाल के दिनों में रूस ने रोमानिया (जो यूरोपीय संघ का सदस्य देश है) के तट के पास यूक्रेनी सामान ले जा रहे अनाज के जहाजों पर हमले किए हैं। वहीं, यूक्रेन का कहना है कि रूस के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर उसके हमले, मॉस्को द्वारा यूक्रेनी कस्बों और शहरों पर रात में किए जाने वाले हमलों के जवाब में सही हैं। दोनों पक्षों ने हाल के हफ्तों में अपने हमलों को और तेज करने का संकल्प लिया है।

कैसे बची कैप्टन स्मित की जान?: 'लगातार बह रहा था खून, होंठ भी पड़ गए थे नीले'; अब डॉक्टर ने खुद बताई हकीकत

तेल अवीव , एजेंसी। तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में हुई चाकूबाजी से हर कोई हैरान है। 170 से ज्यादा यात्रियों की जान बचाने वाले पायलट स्मित मच्छार इसके असली हीरो रहे। दरअसर, उनके सह-पायलट ने अल हमाम ने अचानक उनपर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद विमान काफी नीचे आ गया था। कुछ ही सेकंड में विमान क्रैश भी हो सकता था। लेकिन स्मित ने हार नहीं मानी। खून से लथपथ होने के बावजूद स्मित ने मुकाबला किया और मौका मिलते ही कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इस दौरान चार यात्रियों ने तुरंत दौड़ लगाई। कुछ ने हमलावर को पकड़ा। एक ने विमान संभाला। उन्हीं चार में से एक दांतों के डॉक्टर भी थे। उन्होंने तुरंत स्मित को संभाला और उनकी जान बचाने पूरी ताकत झोंक दी। एक इंटरव्यू में जॉर्जियाई दंत चिकित्सक डॉ. शुता मुसाएव ने इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करीब 45 मिनट तक वो लगातार घावों पर दबाव बनाए रखे रहे। बर्फ की मदद से खून रोकने की कोशिश की।

कपड़ों और बर्फ से कैसे रोका गया खून : मुसाएव ने बताया कि कैप्टन के सिर और बाएं हाथ से बहुत ज्यादा खून निकल रहा था। उन्होंने पहले टी-शर्ट को घाव पर रखकर दबाव बनाया, लेकिन खून नहीं रुका। इसके बाद उन्होंने विमान के कर्मचारियों से बर्फ मांगी। कैप्टन के घाव बहुत गहरे थे, इसलिए कई आइस पैकेट इस्तेमाल करने पड़े। मुसाएव ने करीब 45 मिनट तक घाव पर दबाव बनाए

रखा और बर्फ लगाते रहे। उनका कहना था कि जब भी वह खून देखने के लिए टी-शर्ट हटाते थे, खून फिर तेज बहने लगता था। मुसाएव लगातार कैप्टन की हालत देखते रहे। वह उनसे बात करते रहे ताकि वह बेहोश न हों। उन्होंने कैप्टन से उनके बच्चों के बारे में पूछा और कहा कि वह जल्द अपने परिवार के पास लौटेंगे। कैप्टन ने अपना नाम और उम्र बताई। उन्होंने बताया कि वह भारत से हैं और दुबई में रहते हैं। वह दर्द में थे और मदद की गुहार लगा रहे थे। एक समय उनकी नब्ज बहुत कम हो गई। तब मुसाएव ने उनके पैर ऊपर किए, जिसके बाद नब्ज फिर लौट आई। जब कैप्टन के होंठ नीले पड़ने लगे तो उन्होंने विमान कर्मचारियों से जल्द लैंडिंग कराने को कहा। कैप्टन दर्द की दवा मांग रहे थे। मुसाएव ने उन्हें थोड़ा-थोड़ा पानी दिया, लेकिन भारी खून बहने के कारण दवा देने से मना कर दिया। उन्हें डर था कि कैप्टन को हिलाने या दवा देने से दोबारा ज्यादा खून निकल सकता है। वह लगातार उनकी नब्ज, बातचीत और होंठों का रंग देखते रहे। विमान के सऊदी अरब में उतरने के बाद उन्होंने कैप्टन को जमीन पर मौजूद डॉक्टरों के हवाले कर दिया।

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस; बवाल की वजह क्या?

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जिनमें अकेले पेरिस में 56 हजार लोग शामिल थे। छात्रों ने कई हाईस्कूलों की नाकेबंदी की, जबकि मार्सेई, स्ट्रासबर्ग और दूसरे शहरों में बड़ी संख्या में लोग झंडे और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कार्यकाल में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी आंदोलन के रूप में सामने आया है। प्रदर्शन में शामिल लीआ मोनिमार्ट ने कहा कि सरकार को छात्रों की बात सुननी चाहिए, क्योंकि वे 17 साल के हैं और अपने मुद्दों को समझते हैं।

पुलिस ने आंसू गैस क्यों छोड़ी : ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन पेरिस में मार्च खत्म होने के बाद एक चौक पर प्रदर्शनकारियों के छोटे समूहों और दंगा नियंत्रण पुलिस के बीच झड़प हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। गृह मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार को करीब 500 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस की कार्रवाई को लेकर छात्रों, अभिभावकों और

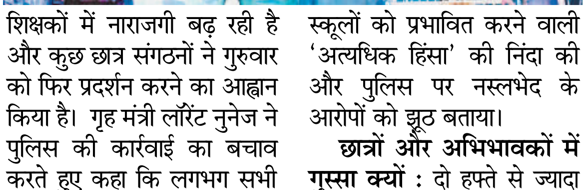

शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है और कुछ छात्र संगठनों ने गुरुवार को फिर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि लगभग सभी मामलों में प्रतिक्रिया अनुपातिक थी और कुछ प्रदर्शन दंगों में बदल गए थे। प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने छात्रों की चिंताओं को सुनने और समाधान निकालने की बात कही। संसद में प्रदर्शन को लेकर सवालों के जवाब में उन्होंने स्कूलों को प्रभावित करने वाली 'अत्यधिक हिंसा' की निंदा की और पुलिस पर नस्लभेद के आरोपों को झूठ बताया।

छात्रों और अभिभावकों में गुस्सा क्यों : दो हफ्ते से ज्यादा समय से चल रहे कक्षा बहिष्कार और स्कूलों की नाकेबंदी के साथ पुलिस की कार्रवाई भी आंदोलन का बड़ा मुद्दा बन गई है। खबर के मुताबिक, अब तक 6,500 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और इनमें ज्यादातर नाबालिग हैं। पुलिस के दंगा नियंत्रण हथियारों से गंभीर चोटें लगने के आरोपों के बीच सोमवार को एक घटना में 15 साल के एक लड़के का हाथ चला गया। गृह मंत्री नुनेज ने बताया कि 715 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। विश्वविद्यालय के छात्र फेलिक्स बार्नी ने पुलिस की कार्रवाई को अनुपातहीन बताया और कहा कि नाबालिगों के साथ ऐसा व्यवहार समझ से परे है। वामपंथी फ्रांस अनबाउड पार्टी के सांसद ऑरेलियन ले कोक ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए लाठी, रबर की गोलियों और आंसू गैस के इस्तेमाल का जिक्र किया। आंदोलन को फ्रांस में व्यापक असंतोष का समर्थन मिल रहा है। छात्रों की शिक्षा से जुड़ी शिकायतों के अलावा महंगाई, सार्वजनिक खर्च में कटौती, बढ़ती गरीबी और संपत्ति की असमानता को लेकर भी नाराजगी है। पेरिस के 20वें जिले के हेलेन बुशे हाईस्कूल में प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदान और साइकिलें सड़क पर गिराकर अस्थायी बैरिकेड बना दिए। देशभर के सैकड़ों अन्य स्कूलों की तरह यह स्कूल भी बंद रहा। मंगलवार को 891 स्कूलों में पढ़ाई पूरी या आंशिक रूप से बाधित रही। अधिकारियों ने पिछले सप्ताह कई स्कूलों को बंद करना शुरू किया था, जिससे प्रदर्शन के दौरान स्कूलों को हो रहे नुकसान और छात्रों, कर्मचारियों तथा पुलिस के घायल होने के मामलों को कम किया जा सके।

बाल हों सिल्की

स्कल्प का विशेष ध्यान

इस मौसम में स्कल्प में ऑयल की कमी हो जाती है इसलिए बाल ड्राई हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। कुछ लोग इससे निजात पाने के लिए बाल कटवा लेते हैं। लेकिन हेयर कटिंग इसका इलाज नहीं है। क्योंकि प्रॉब्लम बालों में नहीं बल्कि स्कल्प में है इसलिए बाल कटवाने से ड्राईनेस खत्म नहीं होगी। स्कल्प को इस मौसम में भरपूर नमी की आवश्यकता होती है, जो बालों को न केवल स्वस्थ बल्कि सॉफ्ट भी रखती है।

सप्ताह में दो बार चम्पी

सर्दियों में बालों का स्वस्थ रखने के लिए सप्ताह में कम से कम दो दिन उनकी ऑयलिंग करनी चाहिए। कोकोनेट तेल सबसे बेहतर रहता है। क्योंकि नारियल तेल सभी को सूट करता है। अगर आप सालों से कोई दूसरा तेल लगाती आ रही हैं और वह आपको सूट करता है तो उसी से मसाज भी करें।

पैराशूट एडवांस्ड हेयर एक्सपर्ट डॉ. रश्मि शेट्टी का कहना है कि सर्दियों में त्वचा में सूखापन आ जाता है। इसमें नमी की मात्रा कम हो जाती है, जो बालों पर विपरीत प्रभाव डालती है। हेयर ऑयल को गर्म करके इसकी नियमित मालिश करें। इससे स्कल्प में ऑयल की कमी पूरी होगी और बाल सॉफ्ट हो जायेंगे। साथ में उनका झड़ना भी बंद हो जाएगा। इसके अतिरिक्त पानी खूब पीयें और कच्ची सब्जियां एवं फल खाते रहें।

मसाज कैसे करें

बालों को शैंपू करने से एक दिन पहले उनकी मसाज करें। अगर समय की कमी है तो शैंपू से एक घंटे पहले मसाज कर लें। कटोरी में तेल गर्म करें और कॉटन की सहायता से खोपड़ी में तेल लगायें। तेल लगाने के बाद सिर में उंगलियों की पोरों की सहायता से मसाज करें। तकरीबन आधे घंटे तक बालों में मसाज करें।

हेयर कलर न करें

बालों में केमिकल को इस्तेमाल कम करें। हर्बल प्रोडक्ट का इस्तेमाल अधिक से अधिक करना चाहिए। क्योंकि उनके साइड इफेक्ट्स नहीं होते। सर्दियों में हेयर कलर से बचें। हिना न लगायें क्योंकि यह स्कल्प में ऑयल की मात्रा को कम कर देती है।

अन्य उपाय

- बालों को रोज वॉश करें।
- हर्बल प्रोडक्ट इस्तेमाल करें। हेयर कलर इस्तेमाल करते समय ज्यादा सर्तक रहें क्योंकि इनमें केमिकल की मात्रा अधिक होती है। बालों को कलर करने के लिए हर्बल हेयर कलर यूज कर सकती हैं। यह थोड़े महंगे होते हैं लेकिन इनके साइड इफेक्ट्स नहीं होते।
- सप्ताह में दो बार हेयर मसाज करें।
- शैंपू के बाद कंडीश्नर का इस्तेमाल करें।

खान-पान की आदत

- खाने में हरी सब्जियां और दाल अवश्य लें।
- तकरीबन छह लीटर पानी रोज पीएं।
- नियमित रूप से जंक फूड लेने से बचें।
- ऑयली हेयर हैं तो ज्यादा ऑयली खाना न खाएं।
- खाने में मेथी का इस्तेमाल अधिक से अधिक करें।

मसाला कोकी

सामग्री : 1 कप गेहूं का आटा, 1 प्याज बारीक कटा हुआ, 2 टेबलस्पून हरी धनिया बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून अनारदाना पाउडर, 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार, 2 टेबलस्पून तेल, घी आवश्यकतानुसार।

विधि : घी को छोड़कर बाकी सभी सामग्रियां मिलाकर गूंध लें। लोई बनाकर मोटी रोटी बेल लें। तवे पर घी लगाकर दोनों ओर से सेंक लें। गरमा गरम सर्व करें।

जरूरी है यह शिक्षा

कई माता-पिता अपने बच्चों को सुरक्षित करने के लिए बिल्कुल भी रिस्क नहीं लेना चाहते इसलिए वे अपने बच्चें को अकेले घर से बाहर नहीं जाने देते। लेकिन वे शायद यह नहीं जानते कि ऐसा करने से वे अपने बच्चों को सेफ तो कर रहे हैं लेकिन साथ ही उन्हें डरपोक भी बना रहे हैं। आज आत्मनिर्भरता का जमाना है जबकि वे अपने बच्चों को अपने ऊपर निर्भर बना रहे हैं। होना तो यह चाहिए कि माता-पिता अपने बच्चों को ट्रेनिंग दें कि घर से बाहर निकलने पर उन्हें किन बातों को अमल में लाना चाहिए। उन्हें घर से बाहर कैसे बिहेव करना है और किस तरह से रहना है। यदि कोई उनका पीछा कर रहा है या उनसे जबरन दोस्ती करना चाह रहा है तो उन्हें क्या करना चाहिए।

यह जरूर सिखाएं

पैरेंटस बच्चों को अपने घर का पता और फोन नंबर जरूर याद करवाएं।

कभी भी बच्चों के सामने पैसो से संबंधित बातचीत न करें कि आपके पास या आपके बैंक में कितना पैसा है या कितना गहना है। बच्चों को इन सभी बातों को दूर रखें क्योंकि कई बार आपके बच्चे अपनी मासूमियत में ये बाते बाहर बता सकते हैं। इस वजह से आप किसी बड़ी परेशानी में आ सकते हैं। उन्हें इस बात की शिक्षा दें कि कभी भी किसी अनजान व्यक्ति से वे बातचीत न करें और यदि वह जबरन बात करने की कोशिश कर भी रहा है तो वह तुरन्त शोर मचाए। अपने बच्चों को बताएं कि यदि उन्हें ऐसा लग रहा है कि कोई उनका पीछा कर रहा है तो वे तुरन्त आस-पास दिख रहे किसी व्यक्ति की सहायता ले और उसे बताए कि कोई उसका पीछा कर रहा है। ऐसा करने से कई बार पीछा करने वाला व्यक्ति यह सोच लेता है कि बच्चा अपने किसी जानने वाले व्यक्ति से बात कर रहा है जिसे देखकर वह भाग जाएगा।

शॉर्टकट के चक्कर में बच्चे को सुनसान रास्ते पर जाने से रोकें।

बच्चों की आदत होती है कि वह सड़क पर खड़ी गाडियों को छूकर और उसमें झांकते हुए जाते हैं। यह अच्छी आदत नहीं है। बच्चों को समझाना चाहिए कि वे रास्ते पर खड़ी गाडियों से दूर हट कर अपना रास्ता तय करें। बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर याद कराएं ताकि यदि वे कभी किसी मुसीबत में फंस भी जाते हैं तो तुरन्त वहां फोन कर सकें।

यह बात भी सिखानी चाहिए कि वे अपने पास कुछ रूपये अवश्य रखें ताकि जरूरत के समय वे रूपये का इस्तेमाल करके अपने घर पहुंच सकें या फोन कर सकें। उसे बताएं कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा दी गई कोई भी चीज न लें। चाहे वह कोई खाने की चीज हो या कोई कीमती खिलौना। आप अपने बच्चों को उस समाज से रूबरू कराइए जिसका वे हिस्सा हैं। इससे वे भी इस समाज में रहने के लिए अपने आपको तैयार कर लेंगे और मुसीबतों से निकलने के लिए उन्हें क्या करना है, जान सकेगे। याद रखें कि आपके बच्चे आपके हाथ में कुम्हार की उस मिट्टी की तरह है जिसे वह जैसे चाहे ढाल सकता हैं।

इंटीरियर : कलरफुल हो ड्रीम होम

घर हमारा सपना होता है, जिसे हम अपनी कल्पनाओं और विचारों से सजाते हैं। हमारा घर हमारा आईना भी होता है, यही वजह है कि किसी के घर को देखकर उसकी पर्सनालिटी और उसके विचारों का पता आसानी से लगाया जा सकता है। यही वजह है कि हमें अपने घर के एक-एक कोने को सजाने-संवारने में जी-जान से मेहनत करनी पड़ती है, तब वह घर निखरकर हमारे सामने आता है। घर को खूबसूरत बनाने में रंगों का अहम योगदान होता है। एक आर जहां सही रंग कमरे की खूबसूरती और फर्नीचर को निखार कर सामने लाते हैं, वहीं दूसरी आर गलत रंगों का चयन खूबसूरत एक्सेसरीज को भी बदसूरती में बदल देते हैं। नये साल पर अपने घर को नये तरीके से सजाइए, नये रंगों का चयन कीजिए। 2009 में कौन से नये रंग होंगे इन, जानिए-

- 2009 में ब्लू कलर हॉट है। लेकिन कमरे की दीवारों पर डार्क ब्लू अच्छे नहीं लगते, इसलिए सूदिंग, रिलैक्सेसिंग लाइट ब्लू से सजा डालिए अपने घर की दीवारों को।
- ब्लू कलर के साथ यह साल पर्पल को भी सलाम कर रहा है। चाहें लाइट लिलैक का इस्तेमाल कीजिए, या रॉयल पर्पल, आपके पास इस रंग में कई विकल्प हैं।
- बीते साल में जहां रैम्प पर यलो कलर इठलाया है तो इसे भला घर के अंदर इंट्री कैसे नहीं मिलेगी। कमरे को खुला और लाइवली लुक देता यह कलर बेहद खूबसूरत दिखता है, यदि सही काम्बिनेशन का इस्तेमाल किया जाए तो। चाहें तो स्ट्रांग यलो के साथ ऑरेंज को मिक्स कीजिए। यह बेहद अट्रैक्टिव लगता है।
- रिच चॉकलेट कलर ऐसा है, जो घर को डिफरेंट लुक दे सकता है। यदि आपको यह कलर डार्क लग रहा है तो इसे आयवरी के साथ मैच करवाइए।
- कॉपर, ब्रोंज, ग्रेफाइट जैसे मेटेलिक कलर्स भी इस साल लौट आए हैं। लेकिन इनके इस्तेमाल से पहले इन रंगों के साथ मैच करती सही एक्सेसरीज की भी खरीदारी कर डालिए। इससे कमरे को कांटेम्परारी लुक मिलेगा।
- क्रीमी व्हाइट के साथ ग्रे कलर का काम्बिनेशन आपके कमरे को देगा एलीगेंट और रिलैक्स लुक। यह काम्बिनेशन काफी स्टाइलिश और मॉडर्न लुक देता है।
- बच्चों के कमरे और किचन के लिए फ्रूट कलर्स सिटरस ग्रीन, मैंगो, एप्पल रेड, लेमन यलो, स्ट्राबेरी रेड, बनाना यलो जैसे कलर्स बेहद खूबसूरत लगते हैं। चाहें तो इसे काम्पिलमेंट करने के लिए ब्लैक कलर का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कमरे के अंदर आसमान सा खुलापन चाहती हैं तो नीले रंग से सराबोर कर दीजिए कमरे की दीवारों को। यदि सनराइज पसंद है या सनसेट तो इन्हीं रंगों का प्रयोग कीजिए। डीप ब्लू, ब्रोंज, वार्म गोल्ड, रोजी पिंग, लाइट ब्लू जैसे कलर्स कमरे में प्राकृतिक अहसास लाते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, क्षुचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 2611

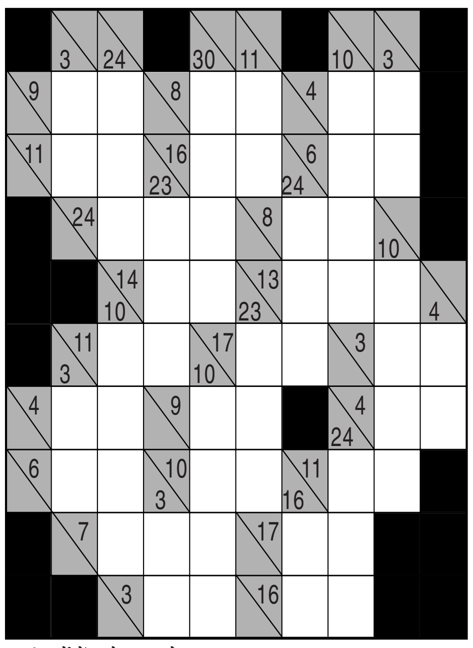

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

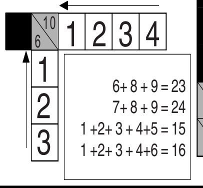

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2610 का हल

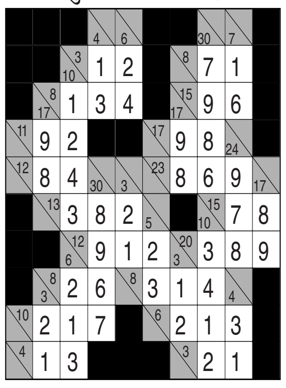

लॉफिंग जौन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 2611

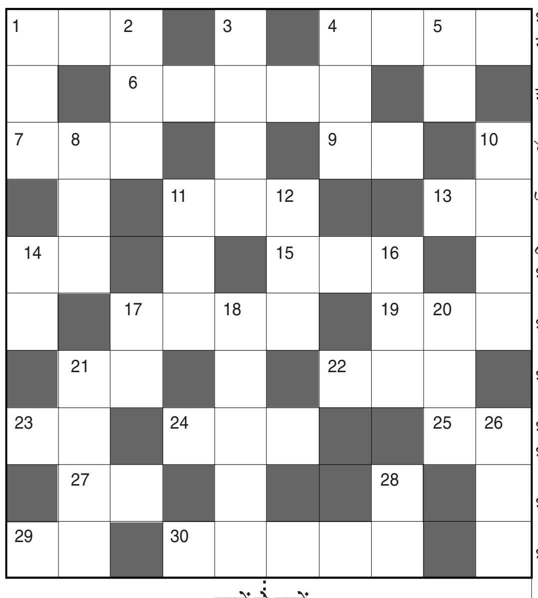

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2610

ब्लै	क	मे	ल	■	जं	■	बे	व	फा
क	■	ला	ल	बं	ग	ला	■	जू	■
■	ही	■	का	■	ली	■	ग	द	र
मे	रा	ध	र	म	■	रा	ज	■	फ्ता
हं	■	र्मा	■	ह	वा	■	ब	हा	र
दी	दी	■	दि	ल	दा	र	■	सि	■
■	दा	मु	ल	■	■	मा	ई	ल	व
सु	र	■	से	ह	रा	■	■	■	फा
हा	■	य	■	व	■	ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श	■	स	त्या	■	दें	■	र

सूडोकु -2611

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2610 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 2611

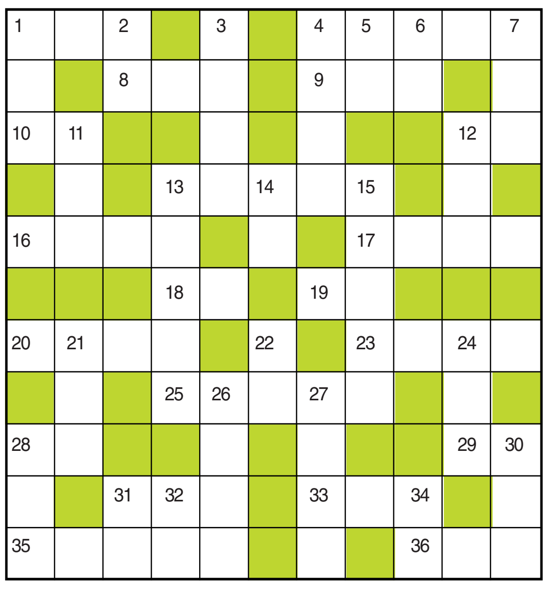

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली -2610 का हल

म	न	मो	ह	न	■	र	वा	ना	हो	ना
न	■	म	क	र	■	त	ल	ना	■	का
मो	ह	■	■	गि	■	ज	■	■	क	म
ह	म	■	आ	स	ल	गा	ना	■	मा	या
क	ल	र	व	■	क्ष्य	■	म	त	ल	ब
■	■	■	भ	ला	■	जो	र	■	■	■
ज	ग	म	ग	■	मौ	■	ख	चा	ख	च
मी	ल	■	त	म	त	मा	ना	■	र	म
न	त	■	■	हा	■	ल	■	■	ल	क
दा	■	म	चा	न	■	खा	रि	श	■	दा
र	म	णी	य	ता	■	ना	ट	क	का	र

राष्ट्रपति ने हिडिंबा देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

एजेंसी

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने समुद्र तल से 10 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित 9.02 किलोमीटर लंबी अटल टनल का दौरा किया। इस दौरान हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता और लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी उनके साथ मौजूद रहीं। अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने राष्ट्रपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री एवं मंत्री-इन-वेटिंग राजेश धर्माणी, सांसद कंगना रनौत, लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा, उपायुक्त किरण भड़ाना सहित जिला प्रशासन और सेना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राजेश धर्माणी ने राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न भी भेंट किया। इस अवसर पर राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने अटल टनल को इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का विश्वस्तरीय उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस टनल ने लाहौल-स्पीति को देश के अन्य हिस्सों के काफी करीब ला दिया है।

पर्यटन की दृष्टि से असीम संभावनाओं का केंद्र है मध्य प्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध वन्य जीव संपदा, ऐतिहासिक धरोहरों और आध्यात्मिक पर्यटन की दृष्टि से असीम संभावनाओं का केंद्र है और राज्य सरकार पारदर्शी नीतियों, त्वरित अनुमतियों और सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से निवेशकों को हरसंभव सहयोग देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार देर शाम भोपाल में आयोजित 'एमपी ट्रैवल मार्ट : 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को नई ऊंचाई देने और निजी निवेश को गति प्रदान करने के उद्देश्य से देश-विदेश के प्रमुख पर्यटन निवेशकों, हॉस्पिटैलिटी समूहों और स्टेकहोल्डर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं। प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना, धरोहर संरक्षण, कौशल विकास, फिल्म पर्यटन और विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया तथा निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) प्रदान किए गए।

वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा का भव्य समापन समारोह वडनगर में संपन्न हुआ

वडनगर/अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन के अवसर पर शुरू की गई 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' आज उत्साह के साथ संपन्न हुई। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से उनके जन्मस्थान वडनगर की इस विशेष यात्रा में भाग लेने वाले लगभग 500 युवा बाइक चालकों ने वडनगर के ऐतिहासिक और प्राचीन हातकेश्वर महादेव मंदिर में पवित्र गंगाजल के साथ विशेष जल विसर्जन और पूजा की। इस धार्मिक और सांस्कृतिक अवसर पर वडनगर में भक्ति, आस्था और उत्साह के त्रिवेणी संगम का गठन किया गया। राष्ट्रव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा और समर्पण के लिए वडनगर में 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' का एक भव्य समापन समारोह देखा गया। समापन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी शामिल हुए। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न राज्यों के बाइक चालकों और सेवा यात्रियों का स्वागत किया गया और सम्मानित किया गया।

महाराष्ट्र के सूखे पर फडणवीस ने अमित शाह से मांगी विशेष सहायता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर महाराष्ट्र में सूखे की गंभीर स्थिति और राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। उन्होंने केंद्र सरकार से सूखा प्रभावित किसानों के लिए विशेष सहायता की मांग की। केंद्र का दल 8 से 11 अक्टूबर तक महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लेगा। मुख्यमंत्री सचिवालय ने मुंबई में पत्रकारों को बताया कि फडणवीस ने अमित शाह को राज्य सरकार की ओर से भेजे गए अग्रिम ज्ञापन की प्रति भी सौंपी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने अमित शाह को बताया कि राज्य के करीब 32 जिलों में सूखे की गंभीर स्थिति है और लगभग 80 प्रतिशत तहसीलें प्रभावित हैं। इस पर केंद्रीय दल की रिपोर्ट और राज्य सरकार के प्रस्ताव के आधार पर राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से सहायता देने पर निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, अमित शाह ने महाराष्ट्र को अधिकतम संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

महाराष्ट्र में 100 फीसदी वोटर नामांकन के लिए विशेष कैंप शुरू

12 अक्टूबर तक कर सकेंगे आवेदन

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में ज्यादा से ज्यादा लोगों की वोटर लिस्ट में भागीदारी सुनिश्चित करने और मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दिशा-निर्देशों के तहत, चुनाव अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने का संकल्प लिया है कि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे और कोई भी अयोग्य नाम उसमें न रहे। यह व्यापक अभियान चल रहे एसआईआर का एक अहम हिस्सा है। महाराष्ट्र के सभी कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में 5 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक विशेष वोटर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने बताया कि कैंपस में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) तैनात किए गए हैं, जो योग्य छात्रों को आवेदन फॉर्म भरने में मदद कर रहे हैं और एसआईआर से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे हैं।

बीएलओ घर-घर जाकर उन योग्य नागरिकों की पहचान भी कर रहे हैं जिनका नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है और वेरिफिकेशन के बाद फॉर्म 6 भरवा रहे हैं। जो लोग घर पर नहीं मिल रहे हैं, उनके

लिए 10 और 11 अक्टूबर को सभी तय मतदान केंद्रों पर विशेष वोटर रजिस्ट्रेशन कैंप लगाए जाएंगे।

जिन नागरिकों का नाम घर-घर गणना के दौरान बनी अनुपस्थित या स्थानांतरित मतदाताओं की लिस्ट में है, वे दोबारा नाम जुड़वाने या सुधार के लिए आवेदन कर सकते हैं। अनुपस्थित / शिफ्टेड मतदाताओं की आधिकारिक लिस्ट आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन प्रकाशित की गई है, जहां लोग अपना नाम चेक कर सकते हैं।दावे, आपत्तियां और नए रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख 12 अक्टूबर है। नागरिक ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों तरीकों से आवेदन कर सकते हैं। वे फिजिकल आवेदन चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), स्थानीय बीएलओ को या कैंप के दिनों में तय मतदान केंद्रों पर दे सकते हैं।

महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने लोगों से अपील की है कि वे ईसीआई पोर्टल या आधिकारिक ईसीआईनेट मोबाइल ऐप के जरिए डिजिटल आवेदन करें। कार्यालय ने भरोसा दिया है कि जरूरी दस्तावेजों के साथ जमा किए गए सभी पूरे आवेदनों को संबंधित विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए चुनाव पंजीकरण अधिकारियों द्वारा प्रोसेस किया जाएगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 5 अक्टूबर को राज्य में चल रहे एसआईआर को लेकर कहा था कि गहन पुनरीक्षण के लिए फील्ड लेवल वेरिफिकेशन के जरिए वोटर लिस्ट को नए सिरे से बनाना जरूरी है।

'पंजाब में हो रही लोकतंत्र की हत्या'

आप ने 'स्वराज' को 'गुंडा राज' में बदला: गौरव भाटिया

एजेंसी

पंजाब । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आम आदमी पार्टी (आप) और पंजाब सरकार पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार पंजाब के लोगों को लोकतंत्र के बजाय ऐसा शासन दे रही है, जिसमें प्रशासन और पुलिस का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब उम्मीदवार नामांकन दाखिल करने पहुंचे, तो उनके साथ बदसलूकी की गई, उनके कपड़े फाड़े गए और उन्हें नामांकन पत्र दाखिल करने से रोका गया। यह लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। भाजपा नेता ने कहा कि आप सरकार ने पंजाब में 'स्वराज' के बजाय 'गुंडा राज'

को बढ़ावा दिया है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश की है। पंजाब में जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को पूरी तरह कमजोर कर दिया गया है और चुनाव प्रक्रिया के दौरान विपक्षी तथा निर्दलीय उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करने से रोकने की कोशिश की गई। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पूरी चुनाव प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का आदेश दिया था। इसमें नामांकन, स्क्रूटनी और नाम वापस लेने की प्रक्रिया भी शामिल थी। इस आदेश का पालन नहीं किया गया, जो उनके अनुसार अदालत की अवमानना का मामला बनता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश वकील ने इन आरोपों या चुनाव प्रक्रिया से जुड़े निष्कर्षों को गलत नहीं बताया। भाटिया के अनुसार, सरकार की ओर से यह भी स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया कि प्रत्येक उम्मीदवार को नामांकन दाखिल करने का अधिकार है और सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा संविधान के प्रावधानों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा नेता ने कहा कि जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में नामांकन प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर बाधा डाले जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कई मामलों में उम्मीदवारों से नामांकन पत्र छीने गए, उन्हें फाड़ा गया या नष्ट कर दिया गया। कुछ उम्मीदवारों के साथ मारपीट की गई, उन्हें हिरासत में लिया गया और धमकाया गया। जो खुद संविधान को कमजोर कर रहा है, उसके द्वारा लगाए गए इन बेबुनियाद आरोपों में कोई दम नहीं है और इनमें सबूत का एक भी अंश नहीं है।'

सिंधिया राज परिवार की संपत्ति का समझौता फिर कानूनी अड़चनों में फंसा

ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ की बेटी ने लगाया सहमति के बिना हस्ताक्षर कराने का आरोप

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित सिंधिया राज परिवार की अरबों की संपत्ति के बंटवारे को लेकर आपसी सहमति से तैयार समझौता प्रस्ताव (राजीनामा) एक बार फिर कानूनी अड़चनों में फंस गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की दिवंगत बड़ी बुआ पद्मावती राजे सिंधिया की बेटी प्रतिमा देवी ने इसमें आपत्ति दर्ज कराई है। ग्वालियर के अतिरिक्त सत्र न्यायालय में इस बहुचर्चित संपत्ति विवाद में समझौते पर सुनवाई हुई। दोनों पक्षों के वकीलों के बीच बहस पूरी होने के बाद न्यायालय ने फैसला सुनाने के लिए 14 अक्टूबर की तारीख तय की है। न्यायालय यह तय करेगा कि मामले में साक्ष्य के बाद फैसला दिया जाए या अंतरिम आवेदनों पर सुनवाई के आधार पर ही निर्णय किया जाए।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की बड़ी बुआ दिवंगत पद्मावती राजे की बेटी प्रतिमा देवी राना (जो कि नेपाल के राणा परिवार में विवाहित हैं) की ओर से दाखिल आपत्ति आवेदन पर बहस हुई। प्रतिमा देवी का कहना है कि उनसे धोखाधड़ी कर समझौता प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कराए गए हैं। प्रतिमा देवी की आपत्ति का जवाब उनकी तीनों मौसियों राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मध्य प्रदेश की पूर्व मंत्री यशोधरा राजे और उषा राजे ने न्यायालय में दिया है। उनका कहना है कि समझौते पर सभी की सहमति से हस्ताक्षर हुए थे। हस्ताक्षर के बाद सभी लोग वहां रुके, डिनर किया और अंत में फोटोग्राफ भी लिए गए।

इंडिया ब्लॉक के विरोध मार्च पर भाजपा का पलटवार

केशव मौर्य बोले-सत्ता वियोग में पागल हो गई है कांग्रेस

एजेंसी

लखनऊ । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च को लेकर एनडीए नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। लखनऊ में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'कांग्रेस सत्ता के वियोग में पागल हो गई है। वह लगातार कोशिश कर रही है कि राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा को लॉन्च कर दे और देश की जनता उन्हें स्वीकार कर ले लेकिन जनता उन्हें पूरी तरह से नकार रही है।' केशव मौर्य ने कहा कि यदि विपक्ष के पास कोई ठोस विषय है तो उसे चुनाव आयोग के पास ले जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली स्थिति है। ये लोग चुनाव में जीत नहीं पा रहे हैं और जनता की अदालत में कहीं ठहर नहीं पा रहे हैं, इसलिए इस तरह की हरकतें कर रहे हैं।' वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने को कांग्रेस और उसके गठबंधन का पुराना शगल बताया। उन्होंने कहा, 'जब ये चुनाव जीतते हैं तो संवैधानिक संस्थाओं पर कुछ नहीं बोलते। तमिलनाडु में जीते तो कुछ नहीं कहा, हिमाचल में जीते तो चुप रहे। केरल में जहां-जहां जीते हैं, वहां उन्होंने बहिष्कार क्यों नहीं किया? यह केवल चुनाव हारने का बहाना ढूंढना है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के

साथ तीसरी बार सत्ता में आएगी।' इस बीच, अलीगढ़ में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने भी इंडिया ब्लॉक के मार्च पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'ये लोग मारकाट पर विश्वास कर रहे हैं। पूरे देश को पता है कि कांग्रेस के कार्यकाल में ही पूरे सिस्टम पर उसका कब्जा था।

अखिलेश यादव अयोध्या के दौरे पर, श्रीराम का आदेश रहा तो करेंगे दर्शन : अवधेश प्रसाद

एजेंसी

अयोध्या । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरुवार को राम नगरी अयोध्या के दौरे पर रहेंगे। वह पूर्व मंत्री और अयोध्या के पूर्व विधायक तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम को लेकर समाजवादी खेमे में उत्साह है। वहीं, सत्ता पक्ष द्वारा इस दौरे को लेकर दिए जा रहे बयानों पर सपा और कांग्रेस नेताओं ने पलटवार भी किया है। अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, 'समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव आज यहां चल रहे भागवत कथा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। अपने संसदीय क्षेत्र के सम्मानित लोगों की ओर से मैं उनका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूं।' वहीं, लखनऊ में पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा, 'अखिलेश यादव को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। पवन पांडेय ने पहले से ही इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर रखी थी और सभी प्रोटोकॉल पूरे हो चुके हैं। आज राष्ट्रीय अध्यक्ष वहां पहुंचेंगे। यह एक बड़ा आयोजन है। इस बहाने वह कार्यकर्ताओं से भी मिलेंगे और स्थानीय राजनीति तथा आगामी चुनावों में संभावित उम्मीदवारों को लेकर भी मंथन होगा। यह 2027 के विधानसभा चुनाव की हमारी रणनीति का हिस्सा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूरी तरह से चुनावी तैयारियों में जुटे हुए हैं।' अखिलेश यादव के इस अयोध्या दौरे पर कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा, 'अखिलेश यादव अयोध्या जा रहे हैं। अयोध्या जाने के लिए कोई वीजा नहीं लगता। यह उनकी निजी, धार्मिक और आध्यात्मिक यात्रा है। वे पवन पांडेय के यहां हो रही भागवत कथा सुनने जा रहे हैं और यदि प्रभु श्री राम का आदेश रहा तो वे रामलला के दर्शन भी करेंगे।' उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'जब अखिलेश यादव अयोध्या जा रहे हैं तो भाजपा और उसके इकोसिस्टम के पेट में दर्द क्यों हो रहा है, यह समझ से परे है।

मुख्यमंत्री बनने के बाद मुझे फंसाने के लिए स्टिंग ऑपरेशन की कोशिश हुई: शिवकुमार

'कुछ लोगों को काम पर लगाया है। कुछ नेताओं ने यह किया है और मेरे पास इसकी सटीक जानकारी है।'

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें फंसाने के लिए स्टिंग ऑपरेशन के जरिए जाल बिछाने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा कि उनके पास अपने आरोपों को साबित करने के लिए तस्वीरें और दस्तावेज मौजूद हैं। नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद कई लोग उनसे संपर्क करने पहुंचे थे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें पता है कि कथित स्टिंग ऑपरेशन के पीछे कौन लोग हैं। शिवकुमार ने कहा, 'मुख्यमंत्री बनने के बाद मुझे

फंसाने की कोशिश की गई। कुछ लोग मेरे पास आए थे। मेरे पास तस्वीरें हैं। मुझे पता है कि इन स्टिंग ऑपरेशन का सूत्रधार कौन है। 'उन्होंने एक कन्नड़ कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि अपराध करने के बाद भी कुछ लोग इस तरह व्यवहार करते हैं, जैसे वे बहुत चालाक हों और उनकी करतूत किसी को पता ही न चली हो। उन्होंने कहा कि वह कथित स्टिंग ऑपरेशन में शामिल लोगों को जानते हैं और उन्होंने इस संबंध में पुलिस को भी जानकारी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं उन सभी को जानता हूं। मैंने पुलिस को इसकी जानकारी दी है और मुख्यमंत्री बनने के बाद कुछ लोगों के मेरे पास आने से संबंधित सभी दस्तावेज सुरक्षित रखे हैं।' शिवकुमार ने कहा कि वह इस मामले की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं कर सकते, लेकिन उन्हें पता है कि वे लोग किस तरह उनके पास पहुंचे, उन्होंने किन लोगों से मुलाकात की और कथित ऑपरेशन के पीछे कौन है। उन्होंने कहा, 'वे किसी मुद्दे पर चर्चा करने आए थे। वे कैसे आए, किस तरह मुझसे संपर्क किया और किससे मिले, मुझे हर जानकारी है। यह सब कौन करवा रहा है, मैं जानता हूं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है, क्योंकि सरकारी अधिकारियों को भी ऐसे कथित स्टिंग ऑपरेशन में अनावश्यक रूप से फंसाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं दूसरे लोगों को जवाब नहीं देना चाहता। मैंने अपने अधिकारियों से सावधान रहने को कहा है, क्योंकि हमारे अधिकारियों को अनावश्यक रूप से फंसाया जाता है। शिवकुमार ने दावा किया कि उनके आसपास तीन स्तर के लोग हैं और कथित स्टिंग ऑपरेशन के लिए कुछ लोगों को काम पर लगाया गया है। उन्होंने कहा, 'मेरे आसपास तीन सर्किल हैं। उन्होंने उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें खुद निशाना बनाया गया है।

अमित शाह समेत व अन्य ने लोकनायक जेपी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

'आपका व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव भावी पीढ़ियों को भी राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अमित शाह ने एक्स पर लिखा, लोकतंत्र के सजग प्रहरी लोकनायक जयप्रकाश नारायण की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन करता हूं। जब कांग्रेस के सत्ता-अहंकार ने देश पर आपातकाल थोपा और लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की, तब लोकनायक करोड़ों देशवासियों की आवाज़ बनकर निडरता से खड़े रहे। जेल की यातनाएं भी उन्हें उनके संकल्प से डिगा नहीं सकीं और 'संपूर्ण क्रांति' के उनके आह्वान के आगे इंदिरा गांधी की तानाशाही

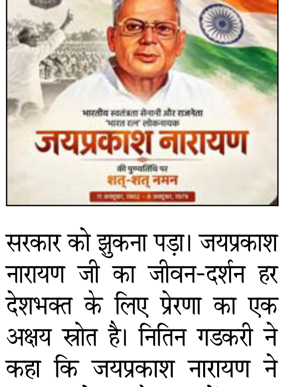

सरकार को झुकना पड़ा। जयप्रकाश नारायण जी का जीवन-दर्शन हर देशभक्त के लिए प्रेरणा का एक अक्षय स्रोत है। नितिन गडकरी ने कहा कि जयप्रकाश नारायण ने एक जनसेवक के रूप में अपना संपूर्ण जीवन देशहित में समर्पित कर दिया। आपातकाल के दौरान, उन्होंने अराजकता और अन्याय के विरुद्ध देश को एकजुट किया और इसके प्रबल स्वर बने। उनके विचार सदैव सभी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

केन्द्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि 'संपूर्ण क्रांति' के माध्यम से लोकनायक जयप्रकाश ने जन-जन में लोकतांत्रिक चेतना जगाई और भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष की भावना का संचार किया। उन्होंने जन-भागीदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक शुचिता पर बल देते हुए भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी। आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के प्रतीक के रूप में उभरते हुए, जयप्रकाश जी ने राष्ट्र-कल्याण के लिए युवाओं को संगठित किया। देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना संपूर्ण जीवन मातृभूमि को समर्पित करने वाले राष्ट्र के ऐसे महान सेवकों का त्याग, संघर्ष और उनके आदर्श सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याणमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि आपातकाल के कठिन दौर में, उन्होंने लोगों को लोकतंत्र की शक्ति से अवगत कराया और लोकतंत्र की बहाली का मार्ग प्रशस्त किया। आपके ओजस्वी विचार और आदर्श जीवन आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैसमंत्री हरदीप सिहं पुरी ने कहा कि जेपी आंदोलन ने इमरजेंसी के दौरान भारतवासियों की आवाज़, हौसले और शक्ति को बुलंद किया और तत्कालीन सरकार को झकझोर दिया था।

वन्य जीवों का संरक्षण-संवर्धन का हमारा मिशन और यह लगातार रहेगा जारीः मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वन्य जीव हमारे वनों के आभूषण हैं। इन्हें संजोकर रखना हम सबका दायित्व है। मप्र की धरती पर वन्य जीवों का संरक्षण और संवर्धन हमारा मिशन है और यह मिशन लगातार भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सागर के रहली में वन्य जीव सप्ताह समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दो चीते (नर 'व्योम' और मादा 'नीरा') के लिए तैयार किए गए सुरक्षित बाड़े (सॉफ्ट रिलीज बोमा) में विमुक्त किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चीता मित्रों और बाघिन दीदी से भी संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की धरती पर कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर अभयारण्य के बाद नौरादेही टाइगर रिजर्व में चीतों को नया ठिकाना मिला है। बुंदेलखंड स्थित वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य प्रदेश में तीसरा ऐसा स्थान बना है, जहां चीते अपने अनुकूल प्राकृतिक आवास में स्वच्छंद होकर विचरण करेंगे। उन्होंने कहा कि नौरादेही में 41 वर्ष पहले टाइगर रिजर्व की स्थापना हुई थी। यह अभयारण्य सबसे खास होगा, क्योंकि अब नौरादेही में पर्यटकों को चीता और टाइगर एक ही रिजर्व में विचरण करते नजर आएंगे। मध्यप्रदेश में चीतों की संख्या अब 60 तक पहुंच गई है। प्रदेश की धरती वन्य प्राणियों के लिए सबसे अनुकूल है। मध्यप्रदेश, देश में सबसे अधिक टाइगर और गिद्धों की संख्या वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वन और वन्य प्राणियों की चिंता करते हुए उनका सभी प्रकार से संरक्षण कर रही है। मध्यप्रदेश में जलचर, थलचर और नभचर सभी प्रकार के जीवों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। राज्य में नर्मदा मैया के वाहन मगरमच्छ को भी संरक्षण दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते यह हमारा दायित्व है कि कठिन समय में क्षेत्र के नागरिकों के लिए साथ खड़े रहें। वन्य जीव सप्ताह के समापन के अवसर पर आज वन समितियों को उनके लाभांश का वितरण भी किया गया। नौरादेही टाइगर रिजर्व के आसपास पर्यटकों को घुमाने और उन्हें सुविधाएं प्रदान करने वाली समितियों के सदस्यों को कुल 80 करोड़ की आय में से 20 करोड़ लाभांश के रूप में मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन क्षेत्र के आसपास बफर जोन में होमस्टे सर्विस को प्रोत्साहित किया जा रहा है। गांव में रहने वाले लोग अपने मकान में एक से दो कमरे होमस्टे के लिए तैयार करें और स्वरोजगार पाएं।

एशियन पैरा गेम्स: प्रमोद भगत और भाविना पटेल करेंगे भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल को 2026 एशियन पैरा गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। एशियन पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2014 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में कुल छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में दो पदक अपने नाम किए हैं। उनके खाते में एक रजत और एक कांस्य पदक है।

भारत की ध्वजवाहक चुने जाने पर भाविना पटेल ने इसे अपने लिए बेहद गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का पल है। जब आप तिरंगा थामते हैं तो आपको एहसास होता है कि आप खुद से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।'

भाविना ने आगे कहा, 'मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ उतरें, इस पल का आनंद लें और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।'

दोनों के नाम आठ एशियन पैरा गेम्स पदक

प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा गेम्स में कुल आठ पदक जीते हैं। अब दोनों भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा थामकर देश के अभियान की शुरुआत करेंगी। दोनों खिलाड़ियों का चयन भारतीय पैरा खेलों के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी उपलब्धियों का भी प्रतीक है।

प्रमोद और भाविना दोनों ने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी उपलब्धियों से देश के कई युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी मौजूदगी भारतीय दल के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत होगी।

PCI अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने की तारीफ

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। दोनों असाधारण चैंपियन हैं और उन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ' उन्होंने आगे कहा, 'उनका सफर, उपलब्धियां और जुझारूपन उन्हें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान पर जाने वाले हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।'

गुरुवार को होगा भारतीय दल का विदाई समारोह

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया गुरुवार को भारतीय दल के लिए औपचारिक विदाई समारोह आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी।पूरे एशिया से पैरा एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत की नजरें इस बड़े मंच पर अपने बढ़ते प्रभाव को और मजबूत करने पर होंगी। प्रमोद भगत और भाविना पटेल जैसे अनुभवी और सफल खिलाड़ियों का

विराट आउट तो नाना नहीं खाते थे खाना

अभिनेता के दिल के बहुत करीब था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। अब जब नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं हैं तो उनकी यादों के सहारे ही इस दिग्गज कलाकार को अंतिम विदाई दी जा रही है। 75 साल की उम्र में आज को दुनिया छोड़ने वाले नाना पाटेकर क्रिकेट के भारी शौकीन थे। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। एक पुराने इंटरव्यू में नाना ने खुद बताया था कि कोहली के आउट होने के बाद उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता। वह खाना छोड़ देते हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना पाटेकर की क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी। नाना ने जिस शिद्दत से विराट के लिए खाने छोड़ने की बात कही थी, तब उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार देखते ही बनता था। विराट कोहली मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं।

मीम्स की दुनिया में वायरल होने लगते थे नाना

उस इंटरव्यू के बाद विराट कोहली जब भी जल्दी आउट होते या रनों की बरसात करते तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते। नाना ने क्रिकेट और सिनेमा की तुलना भी की थी। कहा था कि दोनों ही जगह परीक्षा होती है। क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिन तक चलती है तो कलाकारों की डेढ़ से दो साल तक चल सकती है।

8 अक्टूबर को अचानक कहा दुनिया को कहा अलविदा

आठ अक्टूबर की सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर नाना पाटेकर को मृत घोषित किया गया। डॉ। शेखर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक 'सीपीआर' दिए जाने के बावजूद वह होश में नहीं आए। वह गोवा की राजधानी पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए गए, जिसके बाद उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

खेल जगत ने दिग्गज अभिनेता को दी श्रद्धांजलि

नाना पाटेकर के निधन पर कोहली ने शोक व्यक्त किया है। कोहली ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय सिनेमा के दिग्गज। उनका काम और विरासत पीढ़ियों तक जीवित रहेगा। आपकी आत्मा को शांति मिले नाना पाटेकर जी। ओम शांति।' मालूम हो कि पाटेकर ने एक बार इंटरव्यू में कहा था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं और कोहली के जल्दी आउट होने पर उनका खाना खाने का मन नहीं करता। शिखर धवन ने कहा, 'आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास कलाकार को खो दिया है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ओम शांति।' पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पाटेकर को एक बेहतरीन अभिनेता बताया, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया। रहाणे ने उनके निधन पर दुख जताया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, नाना पाटेकर जी सचमुच एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया है। उनके निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, सिनेमा ने एक सच्चे लीजेंड को खो दिया है, जो अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक थे। मुझे याद है कि मैंने उनकी कई फिल्में देखीं और उनकी आवाज, उनकी मौजूदगी और उनकी यादगार परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध हो गया। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने एक्स पर लिखा, अरे नहीं। एक बढ़िया एक्टर, स्क्रीन पर इंटेंस और जिंदगी में इंटेंस। स्टेज पर शानदार और इतनी आकर्षक उपस्थिति। सब कुछ सौ प्रतिशत किया। कितना दुखद दिन है। नाना पाटेकर। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मुझे नाना पाटेकर एक बहुत ही सीधे-सादे और जमीन से जुड़े इंसान के तौर पर याद हैं। उनके काम में भी वही ईमानदारी झलकती थी। चाहे मराठी हो या हिंदी, उन्होंने जिन भी किरदारों को निभाया, उनमें हमेशा एक सच्चाई और असलियत दिखाई। उनके जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ।

पूर्व भारतीय स्पिनर का दावा, बोले- न्यूजीलैंड दौरे पर होगी नजर

विश्वकप टीम में जगह बना सकते हैं भुवनेश्वर!

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय वनडे टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। इतना ही नहीं अश्विन ने कहा कि भुवनेश्वर अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में की है वापसी

भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला वनडे मैच 2022 में पार्ल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 वनडे मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूं, अगर भुवनेश्वर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहेगा कि उन्हें वनडे टीम में भी शामिल करो। चयनकर्ता उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे। अगर वह गेंद को स्विंग कराते हैं और अच्छी फिटनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता। भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।

फिटनेस बरकरार रखने का भरोसा

अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी फिटनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूं कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।

दूसरे टी-20 से पहले भारत की ओपनिंग को लेकर दुविधा

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता, मैच आज

रांची, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर है। हालांकि टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल सलामी जोड़ी को लेकर है, जहां संजू सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक को लेकर फैसला किया जा सकता है।

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता

भारतीय टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाज इस समय अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन संजू सैमसन का बल्ला खामोश है। वह अपनी पिछली चार ञ20 पारियों में सिर्फ 29 रन बना पाए हैं और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर महज 11 रन रहा है। उनकी असफलता के कारण भारत को पारी की शुरुआत में अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि मध्यक्रम ने इसकी भरपाई की है।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

ऐसे में टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका दे सकता है। 15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उनके पास कई तरह के शॉट हैं और वह पावरप्ले में तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन अब पंजाब किंग्स के साथ नजर नहीं आएंगे। जेम्स होप्स को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू टीम क्वींसलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह बिग बैश लीग की टीम ब्रिस्बेन हीट की कमान भी संभालेंगे। वहीं, ब्रैड हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच का पद संभाल लिया है और उन्हें भी BBL में भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है।होप्स और हैडिन के जाने के अलावा पंजाब किंग्स पहले ही स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले की सेवाएं खो चुकी है।बहुतुले अब गौतम गंभीर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष सीनियर टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। ऐसे में IPL 2027 से पहले PBKS को सपोर्ट स्टाफ में तीन अहम पदों के लिए नए चेहरों की तलाश करनी होगी। एक सूत्र के मुताबिक, 'मुख्य कोच ही सपोर्ट स्टाफ में रिप्लेसमेंट को लेकर फैसला करेंगे।'रिकी पोंटिंग की अगुआई में पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और टीम ने लंबे समय बाद आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था।

धनंजय डिसिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी

नई दिल्ली। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने तत्काल प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। 35 वर्षीय डिसिल्वा ने अपने फैसले की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को दे दी है। हालांकि, वह बतौर खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी सेवाएं जारी रख सकते हैं। जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने वाले धनंजय ने अपने फैसले की वजह भी स्पष्ट की है। उन्होंने चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरा मानना है कि अब बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।' डिसिल्वा का यह फैसला श्रीलंका के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में अहम माना जा रहा है धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 69 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान 13 शतकों की मदद से 4400 से अधिक रन बनाए हैं। बतौर बल्लेबाज वह टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और लंबे समय तक श्रीलंका के टेस्ट मध्यक्रम को मजबूती देते रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद भी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है और वह खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा ने जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने टीम की अगुआई करते हुए पारंपरिक प्रारूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

अल्काराज, सिनर और ओसाका समेत कई स्टार 1 प्वाइंट स्लैम में लेंगे हिस्सा

मेलबर्न: दुनिया के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अगले साल जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के 1 प्वाइंट स्लैम में हिस्सा लेंगे। इनमें कार्लोस अल्काराज़, कोको गॉफ, नाओमी ओसाका और यानिक सिनर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 1 प्वाइंट स्लैम में ये स्टार खिलाड़ी पेशेवर और एमेच्योर क्वालीफायर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करेंगे। इस अनोखे टूर्नामेंट में कुल 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि दांव पर होगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने गुरुवार को अगले साल के टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही 1 प्वाइंट स्लैम के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं पूरे ऑस्ट्रेलिया में जारी हैं। इस प्रतियोगिता का सबसे खास नियम यह है कि खिलाड़ी केवल एक अंक के लिए मुकाबला करते हैं। यानी एक ही प्वाइंट पूरे मैच का नतीजा तय कर सकता है। 1 प्वाइंट स्लैम का फाइनल 13 जनवरी को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला जाएगा।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी: पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश की एंट्री

नई दिल्ली। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले इस टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। पंजाब में करीब दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हाल ही में जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की नजरें एशियाई स्तर पर अपना दबदबा कायम रखने पर होंगी।

हॉकी इंडिया के अनुसार, छह टीमों वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। बांग्लादेश और ओमान को पहले रिजर्व टीमों में रखा गया था। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते समय पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की बात कही थी।

नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी याद्दाश्त खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने है, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर्स के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, ''मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूं कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आर्कर्षित कर सके। मेरे करियर में सबसे यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।'' उन्होंने कहा, ''नए फिल्ममेकर्स अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही, जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।'' आयुष्मान ने कहा, ''मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।''

'दृश्यम 3' से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट

अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजहें हैं? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्तूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।
फिल्म 'दृश्यम 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम कीटाणु' भी रिलीज हुई है। 16 अक्तूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्तूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स ने अक्तूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।

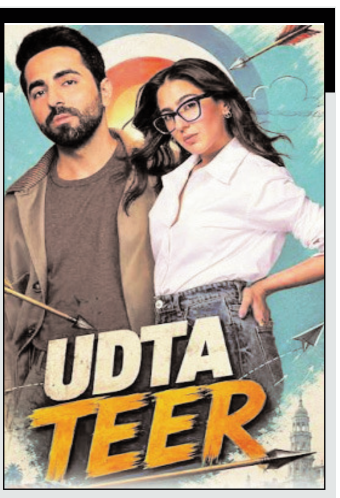

बिग बॉस-20 में इमोशनल हुईं माही विज

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में कंटेस्टेंट माही विज और मैरी कॉम के बीच किचन की राजनीति ने घर का माहौल गरमा दिया है। हाल ही के एपिसोड में माही विज ने अमन गांधी से बात करते हुए यह मुद्दा उठाया कि मैरी कॉम किचन में पक्षपात करती हैं और अपने दोस्तों को ज्यादा खाना देती हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए माही विज काफी इमोशनल नजर आईं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी मैरी कॉम से कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बस किचन में जो पक्षपात हो रहा है, उससे उन्हें तकलीफ हुई है। अमन से बात करते हुए माही विज ने इस बात को अपने बचपन की यादों से जोड़ा और बताया कि लोअर मिडिल क्लास परिवार से आने की वजह से उन्होंने ऐसी घटनाओं को अलग तरीके से महसूस किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मैरी कॉम से कोई परेशानी नहीं है लेकिन जिस तरह से वह किचन में पक्षपात करती हैं, वह अच्छा नहीं लगता है और मुझे अपने बचपन की याद आने लगती है।' माही ने किचन में हो रहे भेदभाव और राजनीति को लेकर अपनी परेशानी बताते हुए याद किया कि कैसे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति की वजह से उन्हें बचपन में सामाजिक मौकों पर असहज महसूस होता था। उन्होंने कहा कि बचपन के उस दुखद अनुभव के बावजूद, आज भी वह उस रिश्तेदार के बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं लोअर मिडिल क्लास फैमिली से हूं, हम बचपन में कभी रेस्टोरेंट नहीं गए थे और बस रिश्तेदारों के साथ ही गए थे। एक बार मेरी बहन ने उनसे कहा कि मुझे कॉर्न सूप पीना है, तो उन्होंने उससे कहा था कि तेरा बाप दे रहा है पैसे? और आज भी मैं उनके बच्चों के साथ अच्छे से पेश आती हूं और आज उन सबमें मैं सबसे ज्यादा कामयाब हूं।'
'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउट ओपी, रोहेद खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी ने अंकित गुप्ता के साथ अपने ब्रेकअप पर बात की

टीवी अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रही हैं। इन सबके बीच अब अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कई वर्षों से ऐसी खबरें आती रही कि वह 'उड़ारियां' के को-स्टार अंकित गुप्ता को डेट कर रही थीं, लेकिन पिछले साल दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट 'ऑनेस्टली व्हाई नॉट' में प्रियंका ने पहली बार अंकित के साथ अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंकित से शादी करना चाहेंगी।

उन्होंने पहली बार अपने ब्रेकअप का जिक्र करते हुए कहा, 'यह उसके और मेरे बीच की बात है। कई बार किसी रिश्ते का अच्छा होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि दो लोग साथ हैं या नहीं।' बातचीत के दौरान होस्ट ने प्रियंका से पूछा कि अगर अंकित सही लोगों के साथ नहीं हैं, तो उन्हें सही दिशा कौन दिखा सकता है। इस पर 'नागिन 7' की एक्ट्रेस ने कहा, 'कोई भी किसी दूसरे को दिशा नहीं दिखा सकता। हम दोनों काफी समझदार हैं, हमने अपनी जिंदगी खुद बनाई और आगे भी खुद ही बनाएंगे। मैं उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है, उसमें नहीं जाना चाहती। हम सभी बड़े हो चुके हैं और जिंदगी देख चुके हैं, इसलिए हमें पता है कि क्या करना है। एक-दूसरे के साथ रहकर उन्हें गाइड करना, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ होगा। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।'

ब्रेकअप पर बोलीं प्रियंका

जब प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित से ब्रेकअप करने का अफसोस है और उनके मुताबिक उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की उनकी जगह ले सकती है, तो अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का अफसोस नहीं है। मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है। और मैं कौन होती हूं यह तय करने वाली कि उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की मेरी जगह ले सकती है? एक्स को एक्स ही रहने दो।'

जनता की आवाज बन सवाल पूछने निकलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'शक- ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' की भी खूब चर्चा है और आज शनिवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री इस बार खनन माफियाओं का पर्दाफाश करने निकली हैं। मगर, मंजिल आसान नहीं है। ट्रेलर की शुरुआत में परिणीति चोपड़ा को दिखाया गया है। पत्रकार के रूप में वे एक अधिकारी का साक्षात्कार करने पहुंची हैं। एक दुर्घटना का जिक्र करती हैं। अधिकारी लापरवाही से कहता है, 'पुराना पुल था। दुर्घटना हो गई। आप रिपोर्टर एक ही चीज को कितनी बार रगड़ोगे'। दूसरा सवाल होता है, इस वक्त आपके जिले में अवैध रेत खनन की क्या स्थिति है? यह सुन अधिकारी चौंक जाता है और कहता है, 'अवैध खनन को रोकने के लिए कानून बनाया है। कोई सवाल ही नहीं है'। परिणीति चोपड़ा एक खोजी पत्रकार के रूप में नजर आई हैं। वे अपनी इन्वेस्टिगेशन पर निकलती हैं। मगर, माफियाओं का खौफ है। रिपोर्टिंग के दौरान उन्हें सतर्क किया जाता है कि कैमरा दिख गया तो मारे जाएंगे। वे चौंकती हैं। रेत के लिए? तब उन्हें बताया जाता है कि 'यह ब्राउन गोल्ड है मैडम। इसे मामूली मत समझिए'। धीरे-धीरे अवैध रेत खनन और माफियाओं की मनमानी को लेकर और परतें खुलती हैं।

कब रिलीज होगी 'रिपोर्टिंग लाइव'

खोजी पत्रकारिता के दौरान खौफ भी है और खतरे भी। मगर, इरादे बुलंद हैं। परिणीति बेखौफ होकर निकल जाती हैं। परिवार से कहती हैं, 'इस बार हार गई तो हमेशा के लिए हार जाऊंगी'। चुनौती कम नहीं होतीं। क्या परिणीति माफियाओं का पर्दाफाश कर पाएंगी या हार जाएंगी? इसका खुलासा फिल्म में होगा। फिलहाल ट्रेलर काफी दिलचस्प है। यह फिल्म 09 अक्तूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

हॉरर-कॉमेडी से डेब्यू करेंगे यशवर्धन आहूजा

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं।
उनकी पहली फिल्म ओरिजिनल हॉरर-कॉमेडी है, जिसे साजिद खान करीब एक दशक बाद निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ फैमिली ड्रामा भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म का निर्माण अमर बुटाला कर रहे हैं और बालाजी इसके स्टूडियो पार्टनर हैं।
फिल्म की सेटिंग भी इसके जॉनर की तरह अलग है। कहानी किसी वास्तविक शहर या गांव की लोककथा पर आधारित नहीं है, बल्कि एक काल्पनिक छोटे गांव में घटती है। यहां किसी वास्तविक जगह से जुड़ी मान्यता, किंवदंती या स्थानीय हॉरर स्टोरी को आधार नहीं बनाया गया है। इस लिहाज से फिल्म का सिनेमाई संसार पूरी तरह फिक्शनल है। हॉरर को किसी खास वास्तविक जगह से जोड़ने के बजाय कहानी के किरदारों और उनके पारिवारिक हालात से पैदा किया गया है। इसलिए इसे पारंपरिक लोककथा आधारित हॉरर के बजाय फैमिली-सिचुएशनल हॉरर-कॉमेडी के तौर पर देखा जा सकता है।
यशवर्धन फिल्म में एक नौकरीपेशा युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उसकी जिंदगी की एक बड़ी समस्या शादी है। शादी नहीं हो पाने की वजह से वह निजी और पारिवारिक दबाव से गुजर रहा है। यही स्थिति कहानी में कॉमेडी और फैमिली ड्रामा की जमीन तैयार करती है। इसके बाद कहानी किस तरह हॉरर की तरफ बढ़ती है, यह फिल्म का सस्पेंस है। साजिद खान की यह फिल्म उनके निर्देशन करियर के लिहाज से कमबैक प्रोजेक्ट है।
'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों से कॉमेडी जॉनर में पहचान बनाने वाले साजिद इस बार सिर्फ कॉमेडी पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने हॉरर, कॉमेडी और फैमिली ड्रामा को एक ही कहानी में पिरोया है।

कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है के साथ तनिशा मुखर्जी की पर्दे पर वापसी

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गाओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह ज़िंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज़्बात किस तरह बदलते जाते हैं।
मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज़्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कास्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम ज़िंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है।
फिल्म में कपिल की कोशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन्स को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑथेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ भी करीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज़ पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज़ अ मोमेंट और लव इज़ लव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मैट्स में कहानियां कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक अहम हिस्सा रहे हैं। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है।

वरदान है मां का दूध

दुनियाभर में मां के दूध को बच्चे के लिए सबसे बढ़िया माना गया है। यह शिशु के लिए कुदरती आहार है, जिसका दूसरा कोई विकल्प नहीं है। नवजात बच्चे के लिए यह पोषण का सबसे बढ़िया स्रोत है। यह बच्चे को कई बीमारियों व इन्फैक्शंस से बचाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि मां जब बच्चे को दूध पिलाती है, तब उन दोनों में भावनात्मक संबंध और मज़बूत होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नवजात शिशु को जन्म के एक घंटे के भीतर दूध पिलाना फ़ायदेमंद रहता है।

क्यों है ज़रूरी?-

मां का दूध डिब्बाबंद दूध की अपेक्षा जल्दी हज़म हो जाता है। इसमें फैट, ग्लूकोज, पानी और प्रोटीन संतुलित मात्रा में होते हैं, जो बच्चे के विकास के लिए ज़रूरी हैं। मां के दूध में पाया जाने वाला प्रोटीन आसानी से पच जाता है, इससे बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मां का दूध पीने वाले बच्चे ज्यादा बुद्धिमान होते हैं, मोटापे का शिकार नहीं होते और उन्हें भविष्य में कई बीमारियों का ख़तरा भी कम होता है।

बोतल का दूध पीने वाले बच्चे विकास के लिए ज़रूरी पोषक तत्वों से वंचित रह जाते हैं। जिन बच्चों को मां का दूध नहीं मिल पाता, उनमें ब्रैस्ट फीड लेने वालों के मुक़ाबले मौत का ख़तरा 2-7 गुना ज्यादा रहता है या गंभीर बीमारियों की संभावना बनी रहती है।

ये है फ़ायदा-

ब्रैस्ट फीडिंग शिशु के लिए संरक्षण और संवर्धन का काम करती है। नए जन्मे बच्चे में रोग प्रतिरोधक शक्ति नहीं होती। मां के दूध से यह शक्ति शिशु को हासिल होती है। मां के दूध में लैटोफ़ोर्मिन नामक तत्व होता है, जो बच्चे की आंत में लौह तत्व (आयरन) को बांध लेता है। आयरन के कारण शिशु की आंत में रोगाणु पनप नहीं पाते। मां के दूध से आए साधारण जीवाणु बच्चे की आंत में पनपते हैं और रोगाणुओं से प्रतिस्पर्धा कर उन्हें पनपने नहीं देते। वातावरण से मां की आंत में पहुंचे रोगाणु, आंत में स्थित विशेष भाग के संपर्क में आते हैं, जो उन रोगाणुविशेष के ख़िलाफ़ प्रतिरोधक तत्व बनाते हैं। ये तत्व एक विशेष नलिका थोरासिक डट से सीधे मां के स्तन तक पहुंचते हैं और दूध से बच्चे के पेट में। इस तरह मां का दूध पीकर बच्चा हमेशा स्वस्थ रहता है।

मां की तंदुरुस्ती का राज़-

एक अध्ययन के अनुसार जो महिला अपने बच्चे को दूध पिलाती है, उसके शरीर में 400-600 कैलोरी अतिरिक्त ख़र्च होती है। इससे प्रैगनेंसी के दौरान शरीर पर चढ़ी अतिरिक्त फैट कम हो जाती है। यूट्रस भी अपने वास्तविक आकार में आ जाता है। डिलीवरी के बाद होने वाली लीडिंग भी कम होती है। ब्रैस्ट व यूट्रस कैंसर होने का ख़तरा भी कम हो जाता है।

ये है ख़तरा-

जिन बच्चों को बचपन में पर्याप्त रूप से मां का दूध पीने को नहीं मिलता, उनमें टाइप-टू डायबिटीज होने की संभावना अधिक होती है। उनमें बुद्धि विकास अपेक्षाकृत कम होता है। अगर बच्चा समय पूर्व जन्मा (प्रीमेच्योर) हो, तो उसे बड़ी आंत का घातक रोग, नेक्रोटाइजिंग एंटीरोकोलाइटिस हो सकता है। अगर गाय का दूध पीतल के बर्तन में उबालकर दिया गया हो, तो शिशु को लीवर का रोग 'इंडियन चाइल्डहुड सिरोसिस' हो सकता है।

कब पिलाएं दूध-

जन्म के तुरंत बाद बच्चे को मां का दूध पिलाने की कोशिश करनी चाहिए। यदि नॉर्मल डिलीवरी हो, तो आधे घंटे बाद और यदि सिज़ेरियन हो, तो दो घंटे बाद बच्चे को फीड दी जानी चाहिए। जब भी बच्चा रोता है, तब कुछ मांएं तुरंत उन्हें दूध पिलाना शुरू कर देती हैं, पर बच्चे को दो घंटे के बाद ही दूध पिलाएं। बच्चे को दिनभर में ग्यारह-बारह बार दूध पिलाना चाहिए। कुछ बच्चे धीरे-धीरे दूध पीते हैं, तो कुछ जल्दी ही पी लेते हैं, इसलिए बच्चे को तब तक दूध पिलाएं, जब तक कि उसका पेट भर न जाए। कई बार मांएं जल्दी दूध छुड़वा लेती हैं, पर तब तक बच्चे का पेट नहीं भरा होता।

फीड ही है पर्याप्त है-

बच्चे को चार महीने की उम्र तक मां के दूध के अलावा कुछ भी देने की ज़रूरत नहीं होती। जो बच्चे केवल मदर फीड लेते हैं, बोतल का दूध नहीं पीते, उन्हें इस दौरान पानी की भी आवश्यकता नहीं होती। उन्हें मां के दूध से ही पूरा पोषण मिल जाता है।

मिथ-

कई लोगों में यह धारणा है कि पहले दो-तीन दिन मां को जो दूध आता है, वह बच्चे को नहीं पिलाना चाहिए। यह धारणा ग़लत है। इस गाढ़े व पीले रंग के दूध को कोलेस्ट्रॉम कहते हैं। यह बच्चे के लिए बहुत फ़ायदेमंद है, क्योंकि इसमें प्रोटींस, एनर्जी और प्रोटैक्टिव एंटी बॉडिज़ होते हैं, जो बच्चे को कई बीमारियों से बचाते हैं। जन्म के समय कोलेस्ट्रॉम की एक-एक बूंद आंख में डाल दें, तो कुछ बैटीरिया आंखों में होते ही नहीं। लेकिन ऐसा सिर्फ़ एक ही बार करें।

जब बात हो डिनर की

भागदौड़ भरी ज़िंदगी में सारा दिन घर और ऑफिस का काम करने के बाद कई बार महिलाएं इतना थक जाती हैं कि वे डिनर बनाने से मुक्ति पाना चाहती हैं। इसके लिए सबसे आसान उपाय रहता है या तो बाहर रेस्तरां में खाना खाया जाए या फिर फास्ट फूड से गुज़ारा चलाया जाए। लेकिन ये दोनों ही ऑप्शन सेहत के लिए ख़राब हैं। इनसे हमारी भूख तो मिट जाती है, पर शरीर कई बीमारियों का शिकार हो जाता है। खाना केवल पेट भरने के लिए ही नहीं खाया जाता, बल्कि अच्छी सेहत के लिए खाया जाना चाहिए। कामकाजी दंपति नाश्ता तो जल्दबाज़ी में कर लेते हैं, लंच भी ऑफिस में ही हो जाता है, पर डिनर में वे पोषक तत्वों का ध्यान रख सकते हैं। डिनर संतुलित और पौष्टिक होना चाहिए। याद रखें काम का चाहे कितना भी बोझ क्यों न हो, सड़क के किनारे बिकने वाला खाना खाने से बचें। डिनर के मेन्यू में कुछ बातों का ध्यान रखकर आप हैल्दी ज़िंदगी इंजॉय कर सकते हैं:

- सोने से कम से कम दो घंटे पहले डिनर ज़रूर कर लें। डिनर में कम लेकिन न्यूट्रिशस फूड आइट्स ही लें, क्योंकि इससे दिनभर की थकान से टैंस हुए मसल्स को रिलैक्स होने में मदद करती है।
- डिनर हमेशा लाइट लें, हैवी डिनर आपको ड्राउज़ी बना देता है और आपको कफर्टेबल व साउंड नींद नहीं आती।
- क्रीमी सूप, वाइट ब्रेड, सफेद चावल, पेस्ट्री, पिज़्ज़ा और बचेखुचे खाने आदि से परहेज़ करें। इनमें पोषक तत्व नामात्र होते हैं और ये स्लीप पैटर्न को ख़राब करते हैं।
- तला-भुना खाना न खाएं, इससे गैस, हार्ट बर्न व इन्डाइजैशन होती है। इसके बजाय ग्रिल्ड, बेड और उबला हुआ खाना खाएं।
- चीनी युक्त चीज़ों का सेवन कम करें, क्योंकि ये आपके शरीर के शुगर लैवल को बढ़ा सकती हैं।

फैट भी है ज़रूरी

फैट का नाम सुनकर शायद आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए, पर ऐसा नहीं है। फैट, हैल्दी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटे बच्चों की डाइट में फैट की एक विशेष मात्रा होनी ज़रूरी है, ताकि उनके ब्रेन और नर्वस सिस्टम का डिवैलपमेंट सही तरीक़े से हो सके। हाई फैट फूड्स का बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन करने से हम बहुत ज्यादा कैलोरीज कंज्यूम कर लेते हैं। इससे वज़न बढ़ सकता है और साथ ही कैंसर, हार्ट डिसीज़, हाई ब्लड प्रैशर और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए 30 फ़ीसदी से ज्यादा कैलोरीज फैट्स से नहीं आनी चाहिए।

फैट के प्रकार

सैच्युरेटिड फैट्स: सैच्युरेटिड फैट्स फैटी एसिड है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ाता है। यह मीट, होल डेयरी प्रॉडक्ट्स, जैसे मखन, मार्जरिन, चीज़, क्रीम व आइसक्रीम में पाया जाता है। कुछ सैच्युरेटिड फैट्स पौधों में भी पाए जाते हैं, जैसे कोकोनट व पाम ऑयल। स्किड मिल्क (मलाई के बग़ैर दूध) और लो फैट चीज़ों का इस्तेमाल करके हम डाइट में से सैच्युरेटिड फैट्स की मात्रा कम कर सकते हैं।

अनसैच्युरेटिड फैट्स: अनसैच्युरेटिड फैट्स आमतौर पर रूम टैपरेचर पर तरल अवस्था में होते हैं। यह मुख्य रूप से वैजिटेबल प्रॉडक्ट्स और तेलों में पाया जाता है। पॉलीअनसैच्युरेटिड और मोनोअनसैच्युरेटिड फैट्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से हार्ट डिसीज़ के ख़तरे में बढ़ौतरी नहीं होती। अन्य सभी फैट्स की ही तरह इनसे भी हमें एक ग्राम में नौ कैलोरीज़ प्राप्त होती हैं। इसलिए इसका ज्यादा सेवन करने से वज़न बढ़ सकता है। लो-फैट फूड्स जैसे सब्ज़ियां, फल, रोटी, चावल व दालों का अधिक सेवन करके हम अनसैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल एक ज़रूरी फैट है, जिसे लिवर बनाता है। कई लोग मीट व डेयरी प्रॉडक्ट्स के सेवन से अतिरित कोलेस्ट्रॉल प्राप्त कर लेते हैं। इससे ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है जिससे हार्ट डिसीज़ का ख़तरा बढ़ जाता है। ऐसे खाद्य पदार्थों का ज्यादा सेवन करें, जिनमें कोलेस्ट्रॉल और सैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम हो।

ट्रांस फैट: जब लिक्विड ऑयल को सॉलिड फैट में बदला जाता है, तब ट्रांस फैट्स पैदा होते हैं। इस प्रक्रिया को हाइड्रोजेनेशन कहते हैं। ट्रांस फैट्स भी सैच्युरेटिड फैट्स की ही तरह काम करते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लैवल बढ़ा सकते हैं। ट्रांस फैट्स के अधिक सेवन से बचने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, जिन पर हाइड्रोजेनेटिड ऑयल लिखा हुआ हो। प्रोसैस्ड फूड्स, फास्ट फूड और बेड गुड्स इत्यादि में ट्रांस फैट्स होते हैं। इसलिए इनकेसेवन से बचें।

क्यों है ज़रूरी?: सेहतमंद रहने के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं। 20 से 30 फ़ीसदी कैलोरीज हमें फैट से मिलनी चाहिए।

- भोजन में मौजूद फैट शरीर को विटामिन ए, डी, इ और के को असॉर्ब करने में बड़ी आंत की मदद करते हैं, योंकि ये फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं।
- ब्रेन की डिवैलपमेंट के लिए फैट्स बहुत ज़रूरी हैं।
- फैट्स एनर्जी का सबसे बढ़िया स्रोत हैं। एक ग्राम फैट से नौ कैलोरीज मिलती हैं, जबकि एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन से केवल चार कैलोरीज़ मिलती हैं।
- हैल्दी स्किन के लिए फैट्स ज़रूरी हैं। इसकी कमी से स्किन रूखी हो जाती है। स्किन के नीचे फैट की तह शरीर के अपने इंसुलेशन की तरह काम करती है, जो शरीर का तापमान रैगुलेट करने में मदद करती है।
- हैल्दी झिल्ली के बग़ैर सैल कार्य नहीं कर सकते। फैट्स झिल्ली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- हार्मोन बनाने के लिए भी फैट्स ज़रूरी होते हैं, जो शरीर के कई कार्यों को रैगुलेट करते हैं। ये सैस हार्मोन की प्रॉडशन भी नियमित करते हैं। यही कारण है कि जो टीनएजर लड़कियां बहुत ज्यादा पतली होती हैं, उनमें ह्यूबर्टी डिवैलपमेंट देर से होती है।
- एनर्जी का न्यूट्रिशस ज़रिया होने के अलावा ये भोजन को लेवर और टेस्ट देते हैं।

शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों, जैसे किडनी, दिल और आंतों को फैट्स प्रॉटेटिव कुशन प्रदान करते हैं। इससे इन्हें चोट से बचने और अपनी जगह पर बने रहने में मदद मिलती है।

सॉर्स

नट्स, ऑयल्स, मखन और मीट में फैट काफ़ी मात्रा में फैट पाया जाता है। पीनट बटर में फैट काफ़ी ज़्यादा मात्रा में होता है, पर यह बहुत पौष्टिक भी होता है।